RNI No. 58061/93 · वर्ष - 21 · अंक - 87 · पृष्ठ - 8+4+4 · रु. 5/- · बेंगलूरु » सोमवार » 20-10-2025 · www.dakshinbharat.com · Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

स्वर्णिम स्मृतियों को सादर श्रद्धासुमन

पंचम पुण्यस्मरण

समाज रत्न, दानवीर, भामाशाह

सेठ साहब श्री केशरीमलजी बुरड़

पूर्व राष्ट्रीय : अध्यक्ष एवं चेयरमैन विश्वस्थ मंडल, जैन कांफ्रेंस, नई दिल्ली

संस्थापक अध्यक्ष : श्री गुरु सौभाग्य मदन गौशाला, देवगढ़

स्वर्गवास : 14.10.2020

दानवीर, सरलमना, समाजसेवी

सेठ साहब श्री सुजानमलजी बुरड़

पूर्व अध्यक्ष : श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल जैन संघ, बेंगलूरु

पूर्व अध्यक्ष : श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ, फ्रेजर टाउन, बेंगलूरु

स्वर्गवास : 20.10.2020

सुपुत्र : स्व. श्रीमती गेहरीबाई - स्व. श्री हगामीलालजी बुरड़, देवगढ़

बाऊसा/काकासा केवल जनक ही नहीं, हमारे जीवन के पथ दर्शक दीप थे।
उनकी वाणी में करूणा, कर्म में निष्ठा और हृदय में धर्म व समाज के प्रति असीम समर्पण था।
उन्होंने जो धर्म, दान और सेवा का मार्ग दिखाया आज हम उसी पवित्र पथ पर उनके आशीर्वाद से निरंतर अग्रसर हैं।आपकी प्रेरणा ही हमारी सबसे बड़ी पूँजी है और आपके संस्कार ही हमारे जीवन का सच्चा अलंकार।
पिता देह से दूर हो सकते हैं, पर उनके आदर्श सदैव हृदय में वास करते हैं।

बुरड़ परिवार द्वारा आपके स्मरणार्थ श्री गुरु सौभाग्य मदन गौशाला देवगढ़ सहित वृद्धाश्रम और अनाथाश्रमों में कई सेवा के कार्यों में विशेष योगदान दिया जाएगा।

आदरणीय बाऊसा और काकासा की विरासत को सम्मान देने एवं उनके द्वारा
प्रस्तुत आदर्शों, सिद्धांतों व विचारों को आत्मसात करने हेतू सदैव आपके चरणों में तत्पर आपके अपने

श्रीमती शकुंतलादेवी, प्रकाश-आरती, आदिती, वैभव बुरड़

पुत्री-दामाद, सुपौत्र, सुपौत्री, दोहिता, दोहिती एवं समस्त बुरड़ परिवार, बेंगलूरु-देवगढ़-उदयपुर

प्रकाश बुरड़

अध्यक्ष : श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेन्स कर्नाटक प्रांत एवं श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ, कर्नाटक , बेंगलूरु

आनंद इंटरप्राइजेज, बेंगलूरु

चरित्र के बिना मुक्ति नहीं : शालिभद्र मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी के शिष्य श्री शालिभद्र मुनिजी ने रविवार को 14 दिवसीय भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराधययन सूत्र का सरस, सरल सुबोध शैली में वाचन करते हुए कहा कि ज्ञान, दर्शन चरित्र और तप यह चार प्रभु महावीर ने मोक्ष के मार्ग बतलाए हैं। इन चारों साधनों से मोक्ष प्राप्ति में सम्यक पुरुषार्थ पराक्रम करना ही मोक्ष मार्ग की गति है। उन्होंने समकित की दस प्रकार की रुचियों का सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि साधक को धर्म पर सच्ची श्रद्धा, रुचि जागृत करनी चाहिए। यह रुचियां हमारे समकित को पुष्ट करती हैं और हमारे मोक्ष मार्ग प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करती हैं। मोक्ष साध्य है और ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप ये साधन हैं। मोक्ष में जाने के लिए इन साधनों के साथ चारित्र की प्रधानता है। बिना चारित्र के मुक्ति नहीं होती है। आत्मा ज्ञान से जानता है, दर्शन से उस पर श्रद्धा करता है।

चरित्र से आचरण करता है और आत्मा में कर्मों का आगमन पापों का आना रोकता है तथा तप से पूर्व संचित कर्मों का क्षय करता है। इस तरह मोक्ष मार्ग में पराक्रम गति करते हुए सभी कर्मों, दुखों का नाश करते हैं और परम पद मोक्ष, मुक्ति को प्राप्त कर सिद्ध, बुद्ध और मुक्त बन जाते हैं।ङ्गउन्होंने कहा कि अध्यात्म का मार्ग पाने का नहीं प्रकट करने का मार्ग है। पराक्रम करना नियति है। हमारी आत्मा अनन्त शक्तिमान है। बस आवश्यकता है अपने आत्म स्वरूप को जानने की और साधना द्वारा अपनी सुप्त आत्म शक्तियों को विकसित, जागृत करने कीजरुरत है। उन्होंने कहा कि हमारा पराक्रम साधना के क्षेत्र में ऐसा हो कि वह हमें मोक्ष पद पाने में सहायता सिद्ध बनें।

उन्होंने कहा कि यह मानव शरीर हमें धर्म साधना आराधना करने के लिए ही मिला है। जैसे सूर्य के आगे बादल छाए तो उसका प्रकाश ढक जाता है वैसे ही हमारी आत्मा पर कर्मों का आवरण आ जाता है। जिससे हमारी आत्मा की अनन्त शक्तियां ढक जाती है और हमें अपनी आत्मा की अनन्त शक्तियों का सही ज्ञान नहीं हो पाता है। जहां तन है वहां तनाव है, सिद्ध भगवान अशरीरी है अतः सिद्ध परमात्मा आत्मा के अनन्त सुखों में विराजमान हैं। रविवार को श्रुत स्वाध्याय साधना में सहयोगी धर्म रथ के सारथी बने प्रतिष्ठानों व लोगों को गुरु ज्येष्ठ पुष्कर नरेश चातुर्मास समिति द्वारा महामंत्री महावीर चंद मेहता ने धन्यवाद दिया।

पुरुषार्थ के बिना जीवन में कुछ भी मिलना संभव नहीं : संतश्री ज्ञानमुनि

आचार्य देवेन्द्रमुनि जयंती मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में रविवार को श्रमण संघीय तृतीय आचार्यश्री देवेन्द्र मुनि जी की जयंती मनाई गई। ज्ञानमुनिजी ने कहा कि प्रभु महावीर की अनंत कृपा सभी पर बरस रही है। प्रभु देवों के देव और भगवंतों के भी भगवंत हैं। ऐसे प्रभु ने सभी को मोक्ष जाने से पूर्व ज्ञान का खजाना दिया है। इस ज्ञान के खजाने से मानव जीवन का कल्याण निश्चित है। प्रभु ने हमें जो दिया उसका रसास्वादन करना चाहिए। उत्तराध्ययन का 29वां अध्ययन सम्यक्त पराक्रम है। जो पुरुषार्थ की प्रेरणा देता है। ऐसा पुरुषार्थ करना चाहिए जिससे भवों भवों का कर्म कट जाए। अन्य अध्ययनों में पद्य है, लेकिन इसमें गद्य भाग है। पूरे उत्तराध्ययन का विषय इस एक अध्ययन में समाहित है। जब मनुष्य पुरुषार्थ करता है तो उसका उद्धार संभव हो जाता है। पुरुषार्थ के बिना जीवन में कुछ भी मिलना संभव नहीं है। बिना पुरुषार्थ के अगर कुछ उम्मीद की जाए तो वह असंभव है। मनुष्य ने खाना, पिना, बोलना समेत सब सिख लिया, लेकिन धर्म नहीं सिखा तो सब बेकार है। धर्म के बिना किसी चीज का महत्व नहीं होता है। जो धर्म नहीं जानता और धर्म की ओर सन्मुख नहीं है तो सारी क्रिया बेकार है। इस अध्ययन में प्रश्न के साथ उत्तर भी है। गुरु का मिलना ही लाभ है और समय से चूक जाना ही हानि है। जब मानव कोई काम करता है तो उसके फायदा के बारे में सोचता है। उसी प्रकार धर्माचरण के सभी फायदे के बारे में इस अध्ययन में उल्लेख है। सामायिक करने से सभी पाप के कर्म छूट जाते हैं। कोई भी काम हो अगर सच्चे मन से पुरुषार्थ नहीं किया जाएगा, तो समय व्यर्थ करने के अलावा कुछ हासिल नहीं होगा। श्रद्धा के साथ अगर मनुष्य स्वाध्याय करे तो उसका कल्याण संभव है। स्वाध्याय करने से कर्म कटते हैं और पाप के मार्ग बंद होते हैं। संत श्री ने कहा कि 30वां अध्ययन तपों मार्ग गति है। जिसमें कर्मों को रोकने का उपाय करना शामिल है। इस अध्ययन में तप का महत्व बतलाया गया है। लोगों की सेवा करना भी तप है। स्वाध्याय करना भी एक तरह का तप है। अगर बड़ी तपस्या नहीं हो पाती तो स्वाध्याय करें, गलती होने पर लोगों से क्षमायाचना करें।ङ्गसंतश्री ने कहा कि आज एक महान श्रमण संघीय तृतीय आचार्य सम्राट 1008 श्री देवेन्द्र मुनि की जयंती है। उनका जन्म उदयपुर में हुआ था। चार तत्व दृष्टि में पवित्रता, आंख में निर्मलता, व्यवहार में कुशलता और मन में पवित्रता होने पर मनुष्य महान बन जाता है। ऐसे ही आचाश्री का वचन मधुर था। वे कभी किसी को कटु नहीं बोलते थे। वे बहुत ही मीठा बोलते थे। धनतेरस के दिन ही उनका जन्म हुआ था। इसलिए उनका नाम धन्नालाल रखा गया था।

4 साल के होने पर उनके पिता श्री दिवंगत हो गए। जिसके बाद दादा ने पोते को संभाला था। उदयपुर महान संतों की भूमि है। उपाध्याय पुष्कर मुनि के सान्निध्य में उन्होंने दीक्षा ली। दीक्षा लेने के बाद वे संयम के मार्ग पर चलने लगे। उनकी बुद्धि बहुत ही तीव्र थी। देवेन्द्र मुनि जी बहुत विद्वान थे। कथा, लेख समेत 300 से अधिक विषयों पर उन्होंने किताब लिखी थी। जब गुरु मिलते हैं तभी शिष्य खुद गुरु बन जाता है। ऐसे ही आचार्य श्री देवेन्द्र मुनि थे, जो विद्वान और ज्ञानी बनें। वे बहुत ही अनुभवी, सौम्य और शांत स्वभाव के मुनि थे। उनके बताए मार्गों पर चलने वाला अपने जीवन का कल्याण कर लेगा।

काली पूजा

कोलकाता में रविवार को 'काली पूजा' उत्सव की पूर्व संध्या पर भक्त देवी काली की मूर्ति ले जाते हुए।

निर्वाचन आयोग ने छह साल बाद अपनी आर्थिक खुफिया समिति को दोबारा सक्रिय किया

नई दिल्ली/भाषा

निर्वाचन आयोग ने बिहार चुनाव से पहले मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए धन, शराब और मादक पदार्थों के इस्तेमाल पर अंकुश लगाने के लिए छह साल के अंतराल के बाद अपने आर्थिक खुफिया समिति को फिर से सक्रिय कर दिया है। चुनावी खुफिया मामलों की बहु-विभागीय समिति (एमडीसीईआई) की शुक्रवार को यहां 2019 के बाद पहली बार बैठक हुई। इसमें चुनावी राज्य बिहार में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए धनबल और मुफ्त उपहारों के इस्तेमाल को रोकने के लिए प्रवर्तन एजेंसियों और केंद्रीय पुलिस बलों की रणनीति को दुरुस्त किया गया। इस समिति का गठन 2014 में आम चुनावों से पहले किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि समिति की बैठक 2014 और 2019 के चुनावों से पहले हुई थी, लेकिन उसके बाद औपचारिक रूप से नहीं हुई। एजेंसी और सुरक्षा बलों के प्रमुख धनबल पर लगाम लगाने के लिए रणनीति बनाने के लिए बैठकें करते रहे हैं। शुक्रवार को उनकी बैठक और भी बड़े पैमाने पर हुई।

बैठक में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयुक्त एस.एस. संधू और विवेक जोशी उपस्थित थे। समिति में 17 विभागों के अधिकारी शामिल हैं, जिनमें केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड, प्रवर्तन निदेशालय, राजस्व खुफिया विभाग, केंद्रीय आर्थिक खुफिया ब्यूरो, वित्तीय आसूचना इकाई, भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय बैंक संघ, स्वापक नियंत्रण ब्यूरो, रेलवे सुरक्षा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सशस्त्र सीमा बल, नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और डाक विभाग शामिल हैं।

तेलंगाना के नेता माओवादियों से अपने संबंध तोड़ लें: केंद्रीय मंत्री बंदी संजय

हैदराबाद/भाषा

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने रविवार को तेलंगाना के उन राजनेताओं को चेतावनी दी, जो लोकतंत्र का पाठ पढ़ाते हुए सशस्त्र नेटवर्क का कथित तौर पर समर्थन कर रहे हैं।

संजय कुमार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में एक मीडिया रिपोर्ट भी साझा की, जिसमें दावा किया गया था कि कुख्यात नक्सली मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति ने गुरिल्लाओं के एक गुट और तेलंगाना के कुछ राजनेताओं के बीच गुप्त मिलीभगत का 'खुलासा' किया है।वेणुगोपाल राव ने हाल ही में महाराष्ट्र पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था।केंद्रीय मंत्री ने अपने पोस्ट में कहा, तेलंगाना के नेता, इसे एक चेतावनी समझें। जो लोग मंच पर लोकतंत्र का पाठ पढ़ाते हुए सशस्त्र नेटवर्क का कथित तौर पर समर्थन कर रहे हैं, वे अपने संबंध तोड़ लें, नहीं तो बेनकाब हो जाएंगे। केंद्रीय एजेंसियां माओवादी कार्यकर्ताओं तक ही सीमित नहीं रहेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार भ्रष्टाचार, अपराध एवं चरमपंथी संबंधों को पनाह देने वाले गठजोड़ का पता लगा रही है और बिना किसी दया या नरमी के उन्हें जड़ से उखाड़ फेंकेगी।

संजय कुमार ने कहा, चाहे कोई भी हो, आप खुद को कितना भी बड़ा समझते हों, अगर आप समस्या का हिस्सा हैं तो किनारे हो जाइए। देश की आंतरिक सुरक्षा के मामलों में, अगर बड़े से बड़ा नेता भी गलत पक्ष में खड़ा हो जाए तो उसका पतन हो जाता है।

संग्रहालय

जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा रूस के एलिस्टा में कलमीक संग्रहालय के दौरे के दौरान। सिन्हा ने औपचारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संग्रहालय की प्रदर्शनियाँ सौंपीं।

दीपोत्सव

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य लोग अयोध्या में रविवार को दीपोत्सव समारोह से पहले भगवान राम, देवी सीता और भगवान लक्ष्मण के वेश में सजे कलाकारों के रथ को खींचते हुए।

भारत जहाजों को बिजली देने के लिए 200 मेगावाट क्षमता के परमाणु रिएक्टर विकसित कर रहा है

नई दिल्ली/भाषा। भारत 200 मेगावाट क्षमता के छोटे आकार के परमाणु ऊर्जा रिएक्टर विकसित कर रहा है जिन्हें मालवाहक जहाजों पर भी स्थापित किया जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां कहा, परमाणु ऊर्जा, परमाणु विखंडन द्वारा उत्पन्न ऊष्मा से उत्पन्न होती है जिससे बिजली उत्पादन होता है। आप रिएक्टर को जहां चाहें, यहां तक कि जहाज पर भी स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) के वैज्ञानिक 55 मेगावाट और 200 मेगावाट क्षमता के दो परमाणु ऊर्जा रिएक्टर विकसित कर रहे हैं जिन्हें सीमेंट निर्माताओं जैसी अधिक ऊर्जा आवश्यकता वाली कंपनियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले बिजली संयंत्र में लगाया जा सकता है।

विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु कम करने का प्रस्ताव पारित होगा : रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा, जिसमें विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष करने के लिए संविधान में संशोधन करने की मांग की जाएगी। उन्होंने न्यूनतम आयु में बदलाव के अपने प्रस्ताव को समय की मांग बताया और इस बात पर जोर दिया कि युवाओं को देश की सक्रिय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।

मुख्यमंत्री यहां 'राजीव गांधी सद्भावना यात्रा' स्मृति दिवस में भाग लेने और वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद को 'राजीव गांधी सद्भावना पुरस्कार' प्रदान करने के बाद बोल रहे थे। रेड्डी ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की मतदान करने की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करने के लिए प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे देश में संसदीय लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करने में मदद मिली। रेड्डी ने कहा कि 21 वर्षीय आईएएस और आईपीएस अधिकारी जिलों में सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं और उन्होंने जानना चाहा कि 21 वर्ष की आयु में कोई विधायक क्यों नहीं बन सकता? रेड्डी ने कहा, आने वाले दिनों में तेलंगाना विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा, जिसमें विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 से घटाकर 21 वर्ष करने के लिए संविधान संशोधन की मांग की जाएगी।

युवाओं को देश चलाने का अवसर दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यह जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में मतों को बांटने के लिए भाजपा की बी टीम है।

महाराष्ट्र में 96 लाख 'फर्जी' मतदाता: राज ठाकरे

मुंबई/भाषा

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने रविवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की मतदाता सूची में 96 लाख फर्जी मतदाता जुड़ गए हैं और निर्वाचन आयोग को चुनौती देते हुए सवाल किया कि मतदाता सूची को शुद्ध किए बिना वह स्थानीय निकाय चुनाव कैसे कराएगा।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बूथ स्तरीय एजेंट को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि अगर मतदाता सूची में हेराफेरी करके चुनाव कराये जाते हैं, तो यह मतदाताओं का सबसे बड़ा अपमान है। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची की जांच करके फर्जी मतदाताओं का पता लगाने का आग्रह किया।

शिवसेना (उबाठा), कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) और मनसे सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने हाल ही में राज्य निर्वाचन आयुक्त और मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात की और दावा किया कि विभिन्न पतों और विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची में डुप्लिकेट नाम हैं।

विपक्ष ने ग्रामीण और शहरी निकाय चुनावों से पहले मतदाता सूची में सुधार और विसंगतियों को दूर करने की मांग की है, जो 31 जनवरी, 2026 तक पूरे होने हैं।

महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने शनिवार को कहा कि कोई भी राजनीतिक दल मतदाता सूची से छेड़छाड़ नहीं कर सकता है और मतदाता सूचियों में सुधार और अद्यतन सुरक्षित रूप से प्रबंधित किया जा रहा है।

राज ठाकरे ने रविवार को आरोप लगाया, क्षेत्रीय दलों को खत्म करने की एक कोशिश की जा रही है। मुझे पता चला है कि आगामी चुनावों के लिए महाराष्ट्र की मतदाता सूची में 96 लाख फर्जी मतदाताओं के नाम दर्ज किए गए हैं। उन्होंने राज्य चुनाव के दौरान भी ऐसा किया था। उन्होंने दावा किया कि मुंबई में 8 से 10 लाख और ठाणे, पुणे और नासिक में 8 से 8.5 लाख फर्जी मतदाता जोड़े गए हैं।

राज ठाकरे ने कहा, उन्होंने हर गांव और शहर में ऐसा किया है। क्या देश में इस तरह चुनाव होंगे? अगर इस तरह चुनाव होते हैं, तो यह महाराष्ट्र और देश के मतदाताओं का अपमान है।

ठाकरे ने कहा कि जब विपक्ष चुनाव आयोग पर हमला करता है तो सत्तारूढ़ दल परेशान हो जाते हैं क्योंकि इससे उन्हें ठेस पहुंचती है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची को शुद्ध करने से पहले यह दिखाना चाहिए कि वह स्थानीय निकाय चुनाव कैसे कराता है। अगर चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से कराने हैं, तो पहले मतदाता सूची को शुद्ध करें। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नाम लिए बिना, ठाकरे ने कहा कि वह मतदाता सूची में फर्जी मतदाताओं को डालकर चुनाव का सामना करना चाहती है। उन्होंने पूछा, आप वोट डालें या न डालें, इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता। मैच फिक्स हो चुका है। यह कैसा लोकतंत्र है? चुनाव में खराब प्रदर्शन के लिए उनका मज़ाक उड़ाने वालों पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने कहा कि अगर मतदान गणित से ही समझौता हो गया है तो उनकी पार्टी के विधायक और सांसद कैसे होंगे। पिछले साल राज्य विधानसभा चुनाव में ठाकरे की पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि सत्तारूढ़ दल ने महाराष्ट्र में 2024 का विधानसभा चुनाव कैसे जीता। ठाकरे ने कहा कि जब भाजपा विपक्ष में थी, तब भी वह निर्वाचन आयोग पर यही आरोप लगाती थी।

सम्मानित

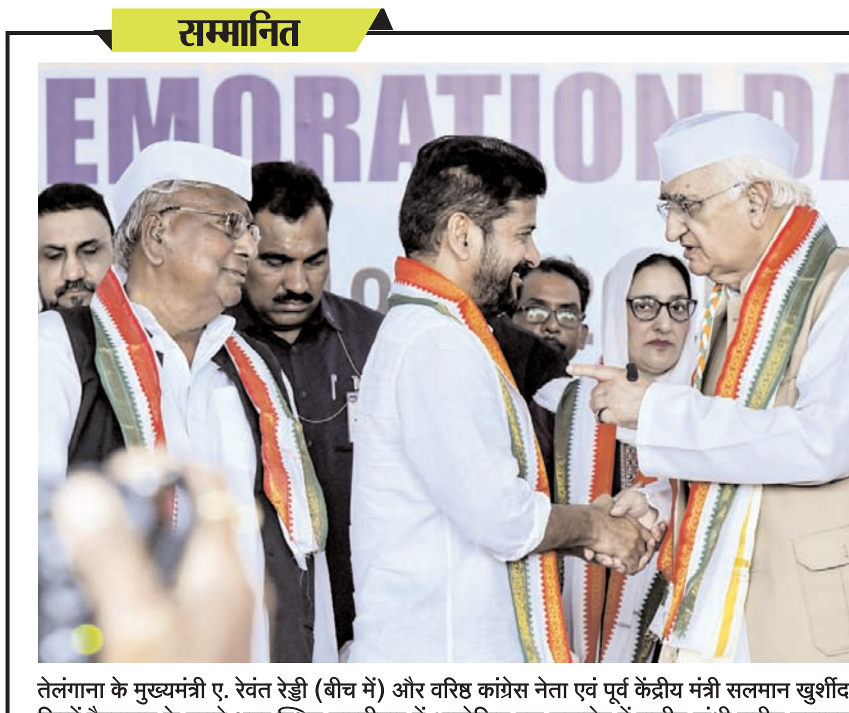

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी (बीच में) और वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद, जिन्हें हैदराबाद के पुराने शहर स्थित चारमीनार में आयोजित एक समारोह में राजीव गांधी राष्ट्रीय सद्भावना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 87 ▪ पृष्ठ - 8+4+4 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 20-10-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

5 रोहित, कोहली ने वापसी पर किया निराश

7 त्योहारों के सीजन में भी सेहत का ध्यान रखते हैं पंकज त्रिपाठी

सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, हितैषियों को दीप पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। दीपावली महापर्व के उपलक्ष्य में हमारे कार्यालय में 20 अक्टूबर को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 22 अक्टूबर 2025 को प्रकाशित होगा।

– व्यवस्थापक

दिवाली सुरक्षित, जिम्मेदारीपूर्वक और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से मनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को दिवाली की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और सभी से सुरक्षित, जिम्मेदारीपूर्ण और पर्यावरण–अनुकूल तरीके से त्योहार मनाने का आह्वान किया।

मुर्मू ने कहा कि यह त्योहार वंचितों और जरूरतमंदों की मदद करने और उनके जीवन में खुशियां लाने का भी अवसर है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि

भारत के सबसे लोकप्रिय त्योहारों में से एक दिवाली बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाई जाती है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाने वाला दिवाली का पावन अवसर आपसी स्नेह और भाईचारे का संदेश देता है। इस दिन श्रद्धालु धन और समृद्धि की देवी देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि खुशी का यह त्योहार आत्मचिंतन और आत्मसुधार का भी अवसर है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, मैं सभी से सुरक्षित, जिम्मेदारीपूर्वक और पर्यावरण–अनुकूल तरीके से दिवाली मनाने का आग्रह करती हूं। यह दिवाली सभी के लिए खुशी, शांति और समृद्धि लाए। उन्होंने भारत और दुनिया भर में सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

रोशनी से नहाये अयोध्या के घाट

26 लाख से अधिक दीये जलाकर बनाया विश्व रिकॉर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश की आध्यात्मिक नगरी अयोध्या में रविवार को दो विश्व कीर्तिमान बनाए गए। भव्य दीपोत्सव समारोह के दौरान एक साथ 26 लाख 17 हजार 215 दीप प्रज्वलित किये गये और 2,128 लोगों ने एक साथ सरयू आरती की। यह दोनों ही उपलब्धियां विश्व रिकॉर्ड के तौर पर दर्ज की गई हैं।

राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' के प्रतिनिधियों ने ड्रोन से की गई दीयों की गणना की पुष्टि के बाद इस उपलब्धि की आधिकारिक घोषणा की।

बयान के अनुसार, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह और प्रमुख सचिव (पर्यटन एवं संस्कृति) अमृत अभिजात ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के सम्मान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गिनीज प्रमाण पत्र प्रदान किया।

पहला गिनीज पुरस्कार उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग, अयोध्या जिला प्रशासन और डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय द्वारा सबसे बड़ी संख्या में तेल के दीये जलाने के लिए दिया गया।

बयान के अनुसार, दूसरा गिनीज पुरस्कार सर्वाधिक लोगों (2128) द्वारा एक साथ आरती करने के लिए दिया गया। यह पुरस्कार पर्यटन विभाग, अयोध्या जिला प्रशासन, अयोध्या और सरयू आरती समिति, अयोध्या को प्राप्त हुआ।

फर्स्ट टेक

चीन ने अपने दो उपग्रहों और पाकिस्तान के दूर संवेदी उपग्रह का प्रक्षेपण किया

बीजिंग/भाषा। चीन ने रविवार को एक ही रॉकेट से एक पाकिस्तानी दूर संवेदी उपग्रह और अपने दो उपग्रहों को प्रक्षेपित किया। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, उत्तर–पश्चिमी चीन में एक प्रक्षेपण स्थल से तीन उपग्रहों–पाकिस्तान दूर संवेदी उपग्रह (पीआरएसएस–2), एयरसेट 03 और 04 – को ले जाने वाला एक लिजियन–1 वाई8 वाहक रॉकेट प्रक्षेपित किया गया। एजेंसी ने कहा कि उपग्रहों को निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया।

यूक्रेन ने रूस के प्रमुख गैस संयंत्र पर हमला किया

कीव/एपी। यूक्रेन ने शनिवार रात दक्षिणी रूस में एक प्रमुख गैस प्रसंस्करण संयंत्र पर ड्रोन से हमला किया, जिससे आग लग गई। स्थानीय गवर्नर ने यह जानकारी दी। खबर के मुताबिक, हमले की चपेट में आया ओरेनबर्ग संयंत्र सरकारी स्वामित्व वाली गैस कंपनी गैज़प्रोम द्वारा संचालित है और कजाक सीमा के निकट इसी नाम के क्षेत्र में स्थित है। यह एक उत्पादन और प्रसंस्करण परिसर का हिस्सा है जो अपनी तरह की दुनिया की सबसे बड़ी सुविधाओं में से एक है, जिसकी वार्षिक क्षमता 45 अरब घन मीटर है।

प्राचीन काल में भारतीयों ने संस्कृति का प्रचार प्रसार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि प्राचीन काल में भारत के लोग संस्कृति और विज्ञान का प्रचार प्रसार करने के लिए दुनिया भर में घूमें लेकिन उन्होंने कभी किसी पर न तो आक्रमण किया और न ही धर्मांतरण कराने में लिप्त हुए।

यह बात उन्होंने यहां 'आर्य युग विषय कोश' की शुरुआत के अवसर पर कही। भागवत ने

कहा कि कई आक्रमणकारियों ने भारत को लूटा और दास बनाया और आखिरी बार आक्रमण करने वालों ने भारतीयों के मस्तिष्क को लूटा। उन्होंने कहा, हमारे पूर्वज मेक्सिको से साइबेरिया तक गए और दुनिया को विज्ञान व संस्कृति सिखाई। उन्होंने किसी का धर्मांतरण नहीं किया और न ही आक्रमण किया। हम सद्भावना और एकता का संदेश लेकर गए।

भागवत ने कहा, कई आक्रमणकारी आए और हमें लूटा, दास बनाया। आखिरी आक्रमणकारियों ने हमारे मस्तिष्क को लूटा। हम अपनी ताकत ही भूल गए और यह भी भूल गए कि हम दुनिया के साथ क्या साझा कर सकते है। उन्होंने कहा, आध्यात्मिक ज्ञान अब भी फल–फूल रहा है और आर्यवर्त के वंशज के तौर पर हमारे पास विज्ञान व अस्त्र–शस्त्र, शक्ति व सामर्थ्य, आस्था व ज्ञान है।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान तत्काल संघर्षविराम पर सहमत

इस्लामाबाद/एपी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच एक सप्ताह से जारी लड़ाई के बाद दोनों देश तत्काल संघर्ष विराम करने और स्थायी शांति सुनिश्चित करने के वास्ते एक ''तंत्र'' का गठन करने पर सहमत हो गए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। कतर के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह सफलता पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ और अफगानिस्तान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब के बीच दोहा में हुई वार्ता के बाद मिली। इस वार्ता की मध्यस्थता कतर और तुर्किये ने की। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच जारी लड़ाई में दर्जनों लोग मारे गए हैं और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। बयान में बताया गया है, बातचीत के दौरान, दोनों पक्ष तत्काल संघर्ष विराम करने और दोनों देशों के बीच स्थायी शांति एवं स्थिरता को मजबूत करने के लिए तंत्र स्थापित करने पर सहमत हुए। इसमें कहा गया है कि दोनों पड़ोसियों ने आने वाले दिनों में और बैठकें करने पर भी सहमति व्यक्त की है ताकि दोनों देशों में सुरक्षा एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए संघर्ष विराम को सही तरीके से लागू किया जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने त्योहारों में स्वदेशी उत्पाद खरीदने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नागरिकों से स्वदेशी उत्पाद खरीदकर और 140 करोड़ भारतीयों की कड़ी मेहनत का जश्न मनाकर त्योहार मनाने का आग्रह किया।

मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट

किया, ''आइए इस त्योहारी मौसम को 140 करोड़ भारतीयों की कड़ी मेहनत, रचनात्मकता और नवाचार का जश्न मनाकर मनाएं।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''आइए, हम भारतीय उत्पाद खरीदें और कहें – गर्व से कहो यह स्वदेशी है।'' उन्होंने नागरिकों से यह आग्रह भी किया कि वे त्योहारों के मौसम में अपनी खरीदारी सोशल मीडिया पर साझा करें। प्रधानमंत्री ने कहा, ''आपने जो भी खरीदा है, उसे सोशल मीडिया पर भी साझा करें। इस तरह आप दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करेंगे।''

केवल सैद्धांतिक ज्ञान नहीं, व्यावहारिक शिक्षा भी जरूरी : लक्ष्मण प्रसाद आचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहा है कि शिक्षा को रचनात्मक और विश्लेषणात्मक सोच को बढ़ावा देने वाली बनाना चाहिए और इसे केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं रखना चाहिए। शनिवार को यहां 'नॉर्थ ईस्ट एजुकेशन कॉन्क्लेव 2025' के समापन सत्र में आचार्य ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 छात्रों को वर्तमान समय के अनुरूप तैयार करने की दिशा में समय पर उठाया गया कदम है।

प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय द्वारा अपने स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस सम्मेलन में शिक्षाविदों, नीति विशेषज्ञों और शैक्षणिक हितधारकों ने एनईपी के मद्देनजर पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए परिवर्तनकारी शैक्षिक रणनीतियों पर विचार–विमर्श किया।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि ज्ञान और बुद्धिमत्ता में बदलाव लाने की शक्ति होती है, और यह शक्ति इंसानों को केवल शिक्षा ही प्रदान कर सकती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आचार्य ने कहा कि इस सम्मेलन का समय प्रासंगिक है, क्योंकि यह देश की शैक्षणिक आकांक्षाओं और आत्मनिर्भर, नवाचार–आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में हो रहे प्रयासों के अनुरूप है।

'वोकल फॉर लोकल को अपनाते हुए स्थानीय उत्पादों की करें खरीद'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली महोत्सव के अवसर पर आमजन को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनकी खुशहाली और समृद्धि की कामना की और कहा है कि वोकल फॉर लोकल को अपनाते हुए स्थानीय उत्पादों की खरीद करनी चाहिए।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर दीपावली मिलन कार्यक्रम के तहत आमजन से मुलाकात कर रहे थे। इस अवसर पर श्री शर्मा ने आमजन से दीपावली महोत्सव के दौरान स्थानीय उत्पादों की खरीद को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे

वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को अधिक गति मिलेगी।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कमी करके रोटी, कपड़ा और मकान जैसी बुनियादी सुविधाओं और सेवाओं में राहत पहुंचाई है। इससे आमजन, मध्यम वर्ग, किसान, छोटे व्यापारी सहित सभी वर्गों को बड़ी राहत मिल रही है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आमजन से आत्मीयता के साथ अभिवादन करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान बड़े–बुजुर्गों ने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद भी दिया।

अमेरिका ने हमारे 'राष्ट्रीय समय केंद्र' पर साइबर हमला किया : चीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/एपी। चीन ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी पर आरोप लगाया कि उसने चीनी 'राष्ट्रीय समय केंद्र' पर कई बार साइबर हमले किए हैं। इसने कहा कि संबंधित प्रतिष्ठानों को किसी भी तरह का नुकसान होने से नेटवर्क संचार, वित्तीय प्रणाली और बिजली आपूर्ति बाधित हो सकती है। सुरक्षा मंत्रालय ने एक वीचैट पोस्ट में आरोप लगाया कि अमेरिकी एजेंसी ने 2022 में राष्ट्रीय समय सेवा केंद्र के कर्मचारियों के उपकरणों से संवेदनशील जानकारी चुराने के लिए एक विदेशी मोबाइल फोन ब्रांड की मैसेजिंग सेवाओं की खामियों का फायदा उठाया था। हालांकि, उसने उक्त ब्रांड का खुलासा नहीं किया।

चीन के मुताबिक, अमेरिकी एजेंसी ने केंद्र की कई आंतरिक नेटवर्क प्रणालियों को निशाना बनाने के लिए 42 प्रकार के ''विशेष साइबर हमला उपकरणों'' का भी इस्तेमाल किया और 2023 तथा 2024 के बीच एक प्रमुख समय प्रणाली में घुसपैठ करने का प्रयास किया।

चीन ने कहा कि उसके पास सबूत हैं लेकिन उसने पोस्ट में इनका जिक्र नहीं किया।

इसने कहा कि समय केंद्र चीन के मानक समय को बनाने और वितरित करने के साथ–साथ संचार, वित्त, ऊर्जा, परिवहन और रक्षा जैसे उद्योगों को समय संबंधी सेवाएं प्रदान करने के दायित्व से जुड़ा है। इसने केंद्र को जोखिमों को दूर करने के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया है।

सुरक्षा मंत्रालय ने कहा, अमेरिका दूसरों पर वही आरोप लगा रहा है जो वह स्वयं करता है।

20-10-2025 सूर्यास्त 5:58 बजे	21-10-2025 सूर्योदय 6:10 बजे
BSE 83,952.19 (+484.53)	NSE 25,709.85 (+124.55)
सोना 12,783 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 167,199 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दीप जलाओ

हो दूर दुखों का तूफां ये,
ना जीवन को यह काल छले।
कुछ करें टोटके टोने भी,
आफत जिससे ये दूर टले।
जीतेंगे हम अवश्यंभावी,
सबके हृदयों में आस पले।
छँट जाए जग का गहन तमस,
सबके कर में इक दीप जले।।

दीपावली मिलन कार्यक्रम वोकल फॉर लोकल को अपनाते हुए स्थानीय उत्पादों की करें खरीद : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली महोत्सव के अवसर पर आमजन को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनकी खुशहाली और समृद्धि की कामना की है।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर दीपावली मिलन कार्यक्रम के अन्तर्गत आमजन से मुलाकात कर रहे थे। इस अवसर पर शर्मा ने आमजन से दीपावली महोत्सव के दौरान स्थानीय उत्पादों की खरीद को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि इससे वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को अधिक गति मिलेगी। शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी दरों में कमी कर रोटी, कपड़ा और मकान जैसी बुनियादी सुविधाओं और सेवाओं में राहत पहुंचाई है।

इससे आमजन, मध्यम वर्ग, किसान, छोटे व्यापारी सहित सभी वर्गों को बड़ी राहत मिल रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आमजन से आत्मीयता के साथ रामा-श्यामा करते दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान बड़े-बुजुर्गों ने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद दिया।

चित्तौड़गढ़ के डूंगला एवं बोहेड़ा में 24 करोड़ रूपये से अधिक की लागत से बनेगा आधुनिक स्वास्थ्य ढांचा

जयपुर/दक्षिण भारत । स्वस्थ राजस्थान, समृद्ध भारत की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया ने रविवार को चित्तौड़गढ़ जिले के डूंगला एवं बोहेड़ा (बड़ीसादड़ी) ग्रामों में लगभग 24 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) का भूमि पूजन किया। राज्यपाल गुलाबचन्द कटारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप देश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। इस दौरान उन्होंने खेल मैदान, सीसी सड़क एवं अटल पथ का भी उद्घाटन और शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि आज देश में चिकित्सा सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है, हर जिले में मेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं, गांव-गांव तक सड़कें और स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच रही हैं, किसानों के खातों में योजनाओं के तहत सीधे पैसे जमा हो रहे हैं और देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

राज्यपाल कटारिया ने कहा कि डूंगला में 16 करोड़ 99 लाख रुपये की लागत से 50 बेड का आधुनिक अस्पताल तथा बोहेड़ा में 7 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत से 30 बेड का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया जाएगा। इन केंद्रों में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण, प्रसूति कक्ष, ऑपरेशन थिएटर, लैब, दवा वितरण केंद्र और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की संपूर्ण व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य पूर्ण होने पर आसपास के सैकड़ों गांवों को इन केंद्रों से लाभ मिलेगा।

राज्यपाल कटारिया ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को घर-आंगन पर ही उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों की सफलता तभी संभव है जब आमजन इनका पूर्ण लाभ लें और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनें। उन्होंने कहा कि आप लोगों के कारण ही मैं आज इस पद तक पहुंच पाया हूं, आपके सहयोग और विश्वास ने ही मुझे निरंतर सेवा का अवसर दिया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाएं, ताकि ग्रामीणों को शीघ्र स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री गौतम दक ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने पहले ही बजट में बड़ी सादड़ी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक घोषणाएँ की हैं।

रूप चतुर्दशी पर महिलाओं ने निखारा रूप, गोविंद देवजी मंदिर में मनाया सौभाग्य पर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पंचदिवसीय दीपोत्सव के दूसरे दिन रविवार को रूप चतुर्दशी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गोविंद देवजी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में सौभाग्य पर्व का भव्य आयोजन हुआ। महिलाओं ने अखंड सुख-सौभाग्य की कामना के साथ ठाकुरजी का विशेष पूजन किया और गृहलक्ष्मी रूप में अपने सौंदर्य एवं सौभाग्य का प्रतीकात्मक उत्सव मनाया।कार्यक्रम के अंतर्गत तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी की टोली ने महालक्ष्मी-गायत्री महायज्ञ का वैदिक विधि से संचालन किया गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के व्यवस्थापक सोहनलाल शर्मा के सान्निध्य में दिनेश आचार्य ने प्रज्ञा गीतों के साथ यज्ञ के ज्ञान विज्ञान पर प्रकाश डाला। मंदिर सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने दीप प्रज्वलित कर महायज्ञ का शुभारंभ किया। घर में सुख-समृद्धि, संपन्नता और दरिद्रता-रोग-शोक नाश के लिए श्रीलक्ष्मी गायत्री महामंत्र से विशिष्ट हवन सामग्री की आहुतियां अर्पित कराई गईं। श्रीवृद्धि के लिए कमल गट्टा और खीर से अग्निदेव को विशेष आहुतियां दी गईं।

श्रद्धालुओं को पूजन-हवन सामग्री मंदिर की ओर से नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई। श्रद्धालुओं को दीपावली पूजन चित्र, गोमय दीपक और सुहाग सामग्री उपहार स्वरूप प्रदान की गई। गायत्री परिवार राजस्थान के मुख्य ट्रस्टी ओमप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि लक्ष्मी केवल भौतिक संपन्नता का प्रतीक नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण उपयोग और समाजहित के कार्यों में उसका सदुपयोग ही सच्ची सम्पन्नता है।

गायत्री शक्ति पीठ ब्रह्मपुरी के सह व्यवस्थापक मणि शंकर पाटीदार ने कहा कि गायत्री मंत्र जीवन का आधार है। प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन परिवार सहित सामूहिक रूप से गायत्री मंत्र जप, भजन और प्रार्थना करनी चाहिए, जिससे घर-परिवार में सकारात्मक ऊर्जा और सौभाग्य का वास बना रहता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं और श्रद्धालु शामिल हुए। अंत में आरती एवं दीपदान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्राज्ञ स्वाध्याय भवन में महासाध्वी मण्डल के सानिध्य में घंटाकर्ण स्रोत का जाप का आयोजन

भीलवाड़ा। जिस प्रकार घने वृक्ष की छाया में बैठकर इंसान ताजगी का अनुभव करता है उसी तरह जिनशासन एक ऐसा कल्पवृक्ष है जिसकी छत्रछाया में आने वाला इंसान चिंतारहित हो जाता है। जिनशासन की सेवा करने से तीर्थंकर गौत्र का बंध होता है एवं भौतिक लब्धि की प्राप्ति भी होती है। जिनशासन की महता समझाने का कार्य उत्तराध्ययन सूत्र करता है।ये विचार युगदृष्टा आचार्य ज्ञानचंद्रजी म.सा. की आज्ञानुवर्ति परम विदुषी तप दीप्ति महाश्रमणी रत्ना महासाध्वी प्रवीणाश्रीजी म.सा. ने अरिहन्तमार्गी जैन महासंघ के तत्वावधान में भीलवाड़ा के प्राज्ञ स्वाध्याय भवन में शनिवार को प्रवचन के दौरान महावीर गाथा का वाचन करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि उत्तराध्ययन सूत्र में दो हजार गाथाएं है ओर इसे पढ़ने या सुनने से बेला तप का लाभ प्राप्त होता है। उन्होंने विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से वीर प्रभु की भक्ति का महत्व बताते हुए कहा कि शुद्ध भावों के साथ जो प्रभु भक्ति करता है उस पर आया हुआ हर संकट टल जाता है। परमात्मा की भक्ति करते हुए आत्मा एक दिन अपनी मंजिल को प्राप्त कर सकती है। परमात्मा की भक्ति से प्राप्त होने वाला सुख ही सच्चा आनंद होता है।

विधायक गोपाल शर्मा ने 10 करोड़ रुपए की लागत से सड़कों के नवीनीकरण का किया शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति प्रदान करते हुए विधायक गोपाल शर्मा ने शनिवार को वरिष्ठ नागरिक संतोष मेहरा और कैलाशचंद्र वर्मा के द्वारा 10 करोड़ रुपए की लागत से डामर और सीसी सड़कों के नवीनीकरण कार्यों का शिलान्यास करवाया। शुभारंभ समारोह वार्ड 45 के तेजाजी चौक स्थित सुशीलपुरा सामाजिक विकास सेवा संस्थान परिसर में आयोजित हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों में उत्साह और प्रसन्नता का माहौल रहा। समारोह की अध्यक्षता पार्षद चेयरमैन धीरज शर्मा ने की।

विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि यह परियोजना सिविल लाइंस के 24 वार्डों में सड़क सुविधाओं को बेहतर बनाएगी। जिन गलियों में पक्की सड़कें नहीं थीं, वहां नई सड़कें बनेंगी, और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत होगी। यह दीपावली के अवसर पर क्षेत्रवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपहार है। विधायक शर्मा ने इस परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। क्षेत्रवासियों ने विधायक शर्मा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार का आभार जताते हुए कहा कि इन सड़कों के निर्माण से आवागमन में सुविधा और राहत मिलेगी।इस मौके पर चेयरमैन पार्षद रवि प्रकाश सैनी, पवन शर्मा नटराज, राजेश कुमावत, पूनम शर्मा, अंशु शर्मा, मनोज मुद्गल, बनीपार्क मंडल अध्यक्ष निखिल वर्मा, पार्षद प्रत्याशी मीना मीणा, अनिल बागड़ा, मनोज रावत, श्याम सुंदर अग्रवाल, वार्ड अध्यक्ष हरिनारायण मेहरा, बूथ अध्यक्ष बाबूलाल देवंदा और सुशीलपुरा सामाजिक विकास सेवा संस्थान के सदस्य रतन यादव, विनोद यादव, मदन यादव सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आशीर्वाद

अंता विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन ने रविवार को कोयला गांव में जनसंपर्क अभियान के दौरान छप्पन जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

दीया कुमारी ने इंजीनियरों को दी चेतावनी

गलत या अधूरी रिपोर्ट देने वालों पर होगी कार्रवाई

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाले इंजीनियरों को चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए है कि जो अधिकारी या इंजीनियर मौके पर निरीक्षण नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेताया कि गलत या अधूरी रिपोर्ट देने वालों पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई तय है। सरकार निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करेगी। सभी विभागीय अधिकारियों को फील्ड विजिट अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने नवंबर तक अधूरे निर्माण कार्यों को हर हाल में पूरा करने के आदेश भी दिए।

खराब सड़कों की मरम्मत के लिए सरकार ने बजट जारी कर दिया है। अब जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की है कि वे तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण काम सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति स्पष्ट हैसमयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य ही प्राथमिकता है। दीया कुमारी ने चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संसदीय कार्य मंत्री महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती घायलों से मिले, जानी कुशलक्षेम, संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जैसलमेर बस दुर्घटना में घायल यात्रियों से मिलने महात्मा गांधी अस्पताल के बर्न यूनिट पहुंचे। पटेल ने घायलों की कुशलक्षेम पूछी और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने परिजनों से संवाद करते हुए कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक है, राज्य सरकार इस संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ पूरी तरह खड़ी है। पटेल ने कहा कि चिकित्सा विभाग एवं प्रशासन ने राहत एवं उपचार से संबंधित सभी कार्यों को पूरी सक्रियता के साथ संपादित किया हैं, जिससे घायलों को हरसंभव सहायता और बेहतर चिकित्सा सुविधा समय पर उपलब्ध करवाई जा सकी। उन्होंने दिवंगतों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

पटेल ने कहा कि सभी घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सीय उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने चिकित्सकों से मरीजों की स्थिति, जलन के प्रतिशत, उपचार पद्धति और संसाधनों की उपलब्धता संबंधी विस्तृत जानकारी ली। संसदीय कार्य मंत्री ने वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सपोर्ट, इंटेंसिव केयर बेड्स, दवाइयों और नर्सिंग स्टाफ की स्थिति की समीक्षा की और प्रत्येक मरीज के समुचित उपचार के लिए 24 घंटे मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में परिजनों से भी मुलाकात की और उनके ठहरने, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ बी.एस. जोधा, एमजीएच के अधीक्षक डॉ फतेह सिंह भाटी सहित चिकित्सक एवं परिजन उपस्थित रहे।

अंता बनेगा भाजपा की साख का इम्तिहान, संगठन ने उतारी स्टार प्रचारकों की फौज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अंता विधानसभा उपचुनाव अब सिर्फ एक चुनाव नहीं, बल्कि बीजेपी के लिए प्रतिष्ठा की जंग बन गया है। पार्टी ने अपने सबसे बड़े दांव के रूप में 40 स्टार प्रचारकों की लंबी सूची जारी कर दी है और यह सूची बताती है कि संगठन इस सीट को हर हाल में जीतना चाहता है। मुख्यमंत्री से लेकर केंद्रीय मंत्री, प्रदेश प्रभारी से लेकर पुराने दिग्गजों तक बीजेपी ने अंता के रण में अपनी पूरी फौज उतार दी है।

जारी सूची में सबसे आगे हैं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, जो चुनावी रणनीति का नेतृत्व करेंगे। इनके साथ प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल और भागीरथ चौधरी जैसे चेहरे भी मतदाताओं के बीच पार्टी का संदेश पहुंचाने की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रदेश स्तर पर पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंकते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और प्रेमचंद बेरवा, वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़, सतीश पूनिया, सीपी जोशी और अलका सिंह गुर्जर को भी मैदान में उतारा है। इन नेताओं का उद्देश्य साफ है संगठन की मजबूती और मतदाताओं में बीजेपी के प्रति भरोसे को और मजबूत करना।

बीजेपी ने इस बार अनुभव और युवा जोश का एक ऐसा मिश्रण तैयार किया है जो स्थानीय समीकरणों को साधने में अहम भूमिका निभा सकता है। पार्टी ने अपने अनुभवी नेताओं में किरोड़ी लाल मीणा, घनश्याम तिवारी, राजेंद्र गहलोत और अरुण चतुर्वेदी को भी शामिल किया है।

इनके साथ ही नए और स्थानीय चेहरों को भी स्टार प्रचारकों की सूची में जगह दी गई है। इनमें मंत्री कनकमल कटारा, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राधेश्याम

बेरवा, महेंद्रजीत सिंह मालवीय, हेमंत मीणा, अविनाश गहलोत, प्रभुलाल सैनी और कल्पना सिंह जैसे नेता शामिल हैं। इसके अलावा स्थानीय प्रभाव वाले नेताओं में बाबूलाल खराड़ी, नरेंद्र नागर, कन्हैयालाल चौधरी, दुष्यंत सिंह, डॉ. मन्नालाल रावत, मोतीलाल मीणा, हीरालाल नागर, मुकेश दाधीच, ओमप्रकाश भड़ाना, गौतम दक, जोगाराम पटेल, बाबूलाल वर्मा, जितेंद्र गोठवाल और ललित मीणा को भी प्रचार अभियान में अहम जिम्मेदारी दी गई है।

बीजेपी की इस रणनीति से साफ झलकता है कि पार्टी ने अंता उपचुनाव को केवल एक सीट की लड़ाई नहीं, बल्कि अपनी साख का सवाल मान लिया है। प्रदेश में सत्ता में आने के बाद यह उपचुनाव पार्टी के लिए पहली बड़ी परीक्षा है। ऐसे में शीर्ष नेतृत्व कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। 40 स्टार प्रचारकों की यह टीम केवल भाषण देने नहीं, बल्कि माइक्रो मैनेजमेंट के जरिए बूथ स्तर तक मतदाताओं से संवाद बनाने की जिम्मेदारी निभाएगी। पार्टी का फोकस अंता के जातीय और स्थानीय समीकरणों को साधने पर है ताकि विपक्ष के लिए कोई भी गलियारा खुला न रह जाए। राजस्थान की राजनीति पर नज़र रखने वाले विश्लेषकों का मानना है कि अंता उपचुनाव न केवल स्थानीय बल्कि प्रदेश स्तरीय सियासत की दिशा तय कर सकता है। बीजेपी के लिए यह सीट सत्ता में आने के बाद जनता के मूड को समझने का अवसर भी है।

बेंगलूरु के बुनियादी ढांचे पर आलोचना का स्वागत है, लेकिन कुछ लोग अति कर रहे हैं : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के बुनियादी ढांचे के मुद्दों को लेकर उद्योग जगत के कुछ दिग्गजों की लगातार आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को कहा कि वह आलोचना का स्वागत करते हैं लेकिन कुछ लोग अति कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह ऐसी चीजों से विचलित नहीं होंगे और सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठा रही है। शिवकुमार बेंगलूरु विकास मामलों के प्रभारी मंत्री भी हैं। उन्होंने कहा कि लोगों ने कांग्रेस सरकार को एक मौका दिया है और वह उनकी सेवा करना चाहती है।

राज्य सरकार पिछले कुछ समय से शहर में सड़कों और यातायात की ''खराब स्थिति'' को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रही है। इन्फोसिस के पूर्व सीएफओ मोहनदास पई और बायोकॉन की अध्यक्ष किरण मजूमदार-शॉ जैसे उद्योग जगत के दिग्गज बार-बार खुले तौर पर राज्य सरकार से तुरंत हस्तक्षेप करने का आग्रह कर रहे हैं। शिवकुमार ने कहा, बेंगलूरु शहर की आबादी 1.40 करोड़ है। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी कह रहे थे कि प्रतिदिन 3,000 वाहनों का पंजीकरण हो रहा है। बेंगलूरु में 1.23 करोड़ वाहन पंजीकृत हैं। 70 लाख लोग नौकरी, शिक्षा और अन्य चीजों के लिए बेंगलूरु आते हैं, जिनमें से कुछ वापस चले जाते हैं। जनसंख्या बढ़ रही है।

सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, जिन्होंने यहां व्यवसाय शुरू किया है, वे आगे बढ़े हैं। बड़े होने के बाद, वे भूल गए हैं कि वे किस मुकाम से आगे बढ़े हैं। अगर आप जड़ को भूल जाएंगे तो आपको फल नहीं मिलेगा। कुछ लोग भूल गए हैं और ट्वीट करके आलोचना कर रहे हैं।

सड़क के गड्ढों को भरने के अभियान के तहत, नागरिकों को व्हाट्सएप के माध्यम से एक फोन नंबर पर तस्वीरें भेजकर गड्ढों की समस्या के बारे में अधिकारियों को सूचित करने का अवसर प्रदान किए जाने का उल्लेख करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश में कहीं भी नागरिकों को ऐसा अवसर नहीं दिया गया है।

इस बीच, किरण मजूमदार शॉ ने शनिवार को शिवकुमार के इस आरोप को खारिज कर दिया कि उनका और इंफोसिस के पूर्व सीएफओ मोहनदास पई का कोई निजी एजेंडा'' था, क्योंकि उन्होंने भाजपा शासन के दौरान बेंगलूरु के बुनियादी ढांचे से संबंधित कोई मुद्दा नहीं उठाया था।

किरण ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह सच नहीं है। मोहनदास पई और मैंने, दोनों ने ही पिछली भाजपा और जद (एस) सरकारों के दौरान हमारे शहर में बिगड़ते बुनियादी ढांचे की आलोचना की है। हमारा एजेंडा स्पष्ट है - सड़कों की सफाई और मरम्मत करें। उद्योग जगत के दिग्गजों को निशाना बनाने के लिए शिवकुमार की आलोचना करते हुए, भाजपा नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि केवल चिंता व्यक्त करने के लिए किरण मजूमदार शॉ जैसे सम्मानित नागरिकों पर टिप्पणियां करना दर्शाता है कि यह सरकार कितनी असुरक्षित हो गई है।

कर्नाटक में सिद्दरामय्या और शिवकुमार के शासन में जंगल राज कायम हो गया है : भाजपा नेता अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता आर. अशोक ने रविवार को आरोप लगाया कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के नेतृत्व में राज्य में जंगल राज कायम हो गया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अशोक ने शिवकुमार के शनिवार के बयान को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए यह बात कही।शिवकुमार ने कहा था कि ठेकेदार सरकार को धमकी नहीं दे सकते। साथ ही, उन्होंने लंबित बकाया राशि के भुगतान को लेकर ठेकेदारों की चिंताओं को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री से मुलाकात का आश्वासन दिया था। उपमुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ (केएससीए) के प्रतिनिधियों ने कहा कि अगर अगले दो महीने में 33,000 करोड़ रुपये के लंबित बिल का भुगतान नहीं किया गया, तो संघ हड़ताल करेगा।

केएससीए ने हाल में सिद्दरामय्या को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि वर्तमान

कांग्रेस सरकार के तहत कई विभागों में भुगतान निपटाने के लिए कमीशन पिछली भाजपा सरकार की तुलना में दोगुना हो गया है। अशोक ने कहा, कर्नाटक में जंगलराज! तो क्या अब कर्नाटक में अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन करना सरकार के लिए खतरा है? अपना वाजिब हक मांगना कब से सरकार को धमकाना हो गया?

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार में यह कहने का साहस है कि ठेकेदार सरकार को धमकी नहीं दे सकते - जबकि वे केवल 33,000 करोड़ रुपये का बकाया भुगतान मांग रहे हैं। ठेकेदार सरकार से पूरे हो चुके कार्यों का भुगतान करने की गुहार लगा रहे हैं। यह न्याय की पुकार है।''

भाजपा ने कर्नाटक सरकार पर आरएसएस की गतिविधियों पर अंकुश लगाकर ध्यान भटकाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा ने रविवार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों जैसे पथ संचलन पर प्रतिबंध लगाकर अपनी कथित विफलताओं से जनता का ''ध्यान भटकाने'' का आरोप लगाया। पार्टी ने कलबुर्गी जिले के चित्तपुर में आरएसएस के पथ संचलन पर उच्च न्यायालय के निर्देश का स्वागत किया, जहां अधिकारियों ने रविवार को अनुमति देने से इनकार कर दिया था। हालांकि, मंत्री प्रियंक खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता अदालत के निर्देशों की गलत व्याख्या कर रहे हैं और गलत सूचना फैला रहे हैं्।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने रविवार को आरएसएस के प्रतिनिधियों से चित्तापुर में दो नवंबर को पथ संचलन आयोजित करने की अनुमति के लिए एक नया आवेदन दायर करने को कहा। न्यायालय ने अधिकारियों से आवेदन पर विचार करने और 24 अक्टूबर को अदालत को रिपोर्ट सौंपने को भी कहा। कर्नाटक सरकार पर निशाना साधते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उनके कैबिनेट सहयोगियों को विनम्रता सीखने की जरूरत है।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''मैं उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करता हूं तथा हम सभी संविधान और न्यायपालिका में विश्वास करते हैं्। यह हमारा अधिकार है और उसने (उच्च न्यायालय ने) इसे दिया है, मैं इसका स्वागत करता हूं।''

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कांग्रेस सरकार पर ''अपनी विफलताओं'' से ध्यान भटकाने के लिए आरएसएस को लेकर विवाद पैदा करने का आरोप लगाया। अशोक ने कहा, मैं बस यही सलाह देना चाहूंगा कि अहंकार का ये प्रदर्शन जनहित में नहीं है और यही अहंकार उद्योग जगत के लोगों के प्रति भी दिखाया जा रहा है, जिसके कारण कई उद्योग कर्नाटक और सिलिकॉन सिटी जैसे बेंगलूरु में निवेश करने के बजाय वहां से जा रहे हैं्। इन सभी मुद्दों को छिपाने के लिए यह (आरएसएस का मुद्दा) खड़ा किया जा रहा है।'' भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार पाकिस्तान की प्रशंसा करने वालों का समर्थन करती है और 'भारत माता की जय' कहने वालों का विरोध करती है।

सरकारी परिसर के इस्तेमाल के लिए अनुमति की अनिवार्यता का मकसद किसी को निशाना बनाना नहीं : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने किसी भी निजी संगठन, संघ या व्यक्तियों के समूह द्वारा सरकारी संपत्ति या परिसर का उपयोग करने के लिए पूर्व अनुमति अनिवार्य किए जाने के फैसले का रविवार को बचाव करते हुए कहा कि वह केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्ववर्ती शासन के आदेशों को लागू कर रहे हैं। शिवकुमार ने इन आरोपों को तवज्जो नहीं दी कि शनिवार को जारी सरकारी आदेश का उद्देश्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाना था।

शिवकुमार ने एक सवाल के जवाब में पत्रकारों से कहा, ''हमने किसी के बारे में (विशेष रूप से) बात नहीं की है। जब जगदीश शेट्टर मुख्यमंत्री थे, तब भाजपा सरकार ने कुछ आदेश जारी किए थे। उन आदेशों को लागू करने के लिए हमने उन्हें नए सिरे से परिभाषित किया है। हमने कोई बदलाव नहीं किया है। हमने भाजपा सरकार के आदेशों को जारी रखा है।''

शनिवार के सरकारी आदेश में हालांकि विशेष रूप से आरएसएस का नाम नहीं लिया गया लेकिन कहा जा रहा है कि आदेश के प्रावधानों का उद्देश्य 'पथ संचलन' कार्यक्रम समेत संगठन की गतिविधियों को प्रभावित करना है। यह आदेश बृहस्पतिवार को कैबिनेट द्वारा लिए गए एक निर्णय पर आधारित है, जो राज्य के मंत्री प्रियंक खरगे द्वारा मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को लिखे गए उस पत्र के बाद लिया गया था जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी।

शाह ने कर्नाटक और महाराष्ट्र को बाढ़ राहत के लिए 1,950 करोड़ रुपये मंजूर किए

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 2025-26 के लिए कर्नाटक और महाराष्ट्र सरकारों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) के केंद्रीय हिस्से की दूसरी किस्त के रूप में 1,950.80 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि जारी करने को मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि कुल राशि में से 384.40 करोड़ रुपये कर्नाटक के लिए और 1,566.40 करोड़ रुपये महाराष्ट्र के लिए स्वीकृत किए गए हैं, ताकि दोनों राज्यों को इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान अत्यधिक भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत सहायता प्रदान करने में मदद मिल सके।

बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने से प्रभावित राज्यों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस वर्ष, केंद्र सरकार ने एसडीआरएफ के तहत 27 राज्यों को 13,603.20 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के तहत 15 राज्यों को 2,189.28 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं।

बयान में कहा गया है कि इसके अलावा, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष (एसडीएमएफ) से 21 राज्यों को 4,571.30 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (एनडीएमएफ) से नौ राज्यों को 372.09 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), सेना और वायुसेना के अपेक्षित दलों की तैनाती समेत सभी रसद सहायता और सभी बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने से प्रभावित राज्यों को सहायता प्रदान की है। इस वर्ष मानसून के दौरान, बचाव और राहत कार्यों के लिए 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एनडीआरएफ की अधिकतम 199 टीम तैनात की गईं।

विजयपुरा में अदृश्य काडसिद्धेश्वर स्वामी के प्रवेश पर प्रतिबंध वापस लेने की विहिप की मांग

विजयपुरा/नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने कर्नाटक के एक जिले में कणेरी मठ के अदृश्य काडसिद्धेश्वर स्वामी के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाए जाने के राज्य सरकार के निर्णय की शनिवार को आलोचना की तथा यह आदेश तत्काल वापस लेने की मांग की। कर्नाटक के विजयपुरा प्रशासन ने कानून-व्यवस्था के कुछ मुद्दों का कथित तौर पर हवाला देते हुए दो महीने के लिए इस जिले में स्वामी के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया।

विहिप के राष्ट्रीय महासचिव बजरंग बागड़ा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विजयपुरा प्रशासन के निषेधाज्ञा को 'बेहद चिंताजनक' बताया और कहा कि यह संपूर्ण वीरशैव लिंगायत समुदाय का 'अपमान' है। बागरा ने कहा, विश्व हिंदू परिषद राज्य सरकार से इस निषेधाज्ञा को तुरंत वापस लेने, हिंदू समुदाय के धार्मिक मामलों में किसी भी तरह का हस्तक्षेप न करने और हिंदू संतों की यात्रा पर किसी प्रकार का प्रतिबंध न लगाए जाने की मांग करता है।

आरएसएस 2 नवंबर को चित्तापुर में पथ संचलन के लिए नई याचिका दायर करे : अदालत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रतिनिधियों से कहा कि वे दो नवंबर को कलबुर्गी जिले के चित्तपुर में अपना पथ संचलन आयोजित करने की अनुमति मांगने के लिए एक नया आवेदन दायर करें। न्यायमूर्ति एमजीएस कमल ने यह बात तब कही, जब याचिकाकर्ता ने अदालत में कहा कि वह दो नवंबर को पथ संचलन करने का इरादा रखता है, क्योंकि अधिकारियों ने रविवार (19 अक्टूबर) के लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया था। आरएसएस की ओर से अशोक पाटिल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के लिए उच्च न्यायालय की एक विशेष पीठ गठित की गई थी।

सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता से पूछा कि क्या किसी वैकल्पिक तिथि या समय पर मार्च आयोजित करना संभव होगा, जिस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि दो नवंबर उपयुक्त होगा। अदालत ने कहा, प्रस्तुतियों के मद्देनजर, याचिकाकर्ता को मार्ग, स्थान और समय के विवरण के साथ एक नया आवेदन प्रस्तुत करना होगा, साथ ही पहले उठाए गए प्रश्नों के उत्तर भी देने होंगे...आवेदन कलबुर्गी जिले के उपायुक्त को प्रस्तुत किया जाएगा, जिसकी एक प्रति तालुका कार्यकारी मजिस्ट्रेट और पुलिस को दी जाएगी। इसने अधिकारियों से आवेदन पर विचार करने और 24 अक्टूबर को अदालत में रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। इस याचिका में गुण-दोष के आधार पर कोई आदेश पारित नहीं किया गया है और रिपोर्ट प्राप्त होने पर उस पर विचार किया जाएगा।

याचिका में शुरू में अधिकारियों को रविवार को पथ संचलन आयोजित करने की अनुमति मांगने वाले आवेदन पर विचार करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। आज सुनवाई के दौरान एक अंतरिम आवेदन (आईए) दायर किया गया, जिसमें याचिका में संशोधन की मांग की गई तथा अदालत को सूचित किया गया कि प्राधिकारियों ने अनुमति देने से इनकार कर दिया है। मंत्री प्रियंक खरगे के गृह क्षेत्र चित्तपुर में अधिकारियों ने शांति और कानून व्यवस्था भंग होने की आशंका का हवाला देते हुए रविवार को आरएसएस के पथ संचलन की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। चित्तापुर के तहसीलदार ने बताया कि भीम आर्मी संगठन ने भी पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि वे भी 19 अक्टूबर को उसी मार्ग पर मार्च निकालेंगे।

अभिनेता विजय की टीवीके ने करूर भगदड़ पीड़ितों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये दिए

चेन्नई। अभिनेता-नेता विजय के राजनीतिक दल तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने शनिवार को कहा कि 27 सितंबर को करूर भगदड़ में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 20-20 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई है। टीवीके ने कहा कि यह राशि सीधे प्रभावित परिवारों के बैंक खातों में जमा करा दी गई है।

पार्टी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''उनतालीस परिवारों को 20-20 लाख रुपये की राशि भेजी गई है, जो कुल मिलाकर 7.8 करोड़ रुपये होती है।'' टीवीके के एक पदाधिकारी ने बताया कि हालांकि, अभिनेता ने पीड़ित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलने और उन्हें सांत्वना देने के बाद अनुग्रह राशि वितरित करने की योजना बनाई थी, लेकिन उन्होंने यह सुनिश्चित करने का निर्णय लिया कि राहत राशि उन तक पहले पहुंचे।

उन्होंने कहा कि अन्य प्रभावित परिवारों को भी अनुग्रह राशि मिलेगी।

सेल्वरानी ने भगदड़ में अपनी बेटी को खो दिया था। उन्होंने करूर में संवाददाताओं को बताया, ''टीवीके सदस्यों ने 20 लाख रुपये जमा करने के लिए मेरे बैंक खाते का विवरण प्राप्त किया था। तदनुसार, आज राशि मेरे खाते में अंतरित कर दी गई।'' करूर में विजय की रैली के दौरान मची भगदड़ में 41 लोगों की जान चली गई थी, जबकि 60 से अधिक लोग घायल हुए थे। घटना के बाद टीवीके ने परिजनों को खोने वाले परिवारों को 20-20 लाख रुपये अनुग्रह राशि और घायलों को दो-दो लाख रुपये की राहत राशि देने की घोषणा की थी।

पार्टी ने पहले घोषणा की थी कि टीवीके पीड़ितों के परिवारों को गोद लेगी और दीर्घकालिक उपाय के रूप में शिक्षा एवं रोजगार प्राप्ति में उनकी सहायता करेगी। विजय ने प्रभावित परिवारों के प्रति अपना समर्थन दोहराया और कहा कि अधिकारियों से अनुमति मिलने के बाद वह निश्चित रूप से उनसे मिलेंगे।

विजय ने एक पत्र में कहा, ''करूर में हुई असहनीय दर्दनाक घटना से हम बेहद दुखी हैं और अपने परिवार के सदस्यों की मृत्यु पर शोक व्यक्त कर रहे हैं। हम आपको एक बार फिर आश्वस्त करते हैं कि इस स्थिति में हम आपको हरसंभव सहायता और सांत्वना देने के लिए मौजूद रहेंगे।'

योजनाओं के नाम हिंदी में रखने पर स्टालिन ने उठाया सवाल, भाजपा ने किया पलटवार

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई ने मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की अहंकार वाली टिप्पणी के लिए रविवार को उनपर पलटवार किया। स्टालिन ने हिंदी भाषा में योजनाओं के नाम रखने को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा था। स्टालिन के इस सवाल पर कि भ्रष्ट करार दिए गए लोग भाजपा में शामिल होने के बाद अचानक कैसे पाक-साफ हो जाते हैं, भाजपा ने कहा कि नकदी के बदले नौकरी घोटाले में कथित रूप से शामिल पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी द्रमुक में हैं, लिहाजा मुख्यमंत्री को वास्तव में खुद से यह सवाल पूछना चाहिए।

तमिलनाडु भाजपा के मुख्य प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने कहा कि स्टालिन ने भाजपा से कई सवाल पूछे हैं और जवाब मांगे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, मैं उनके सवालों का विस्तार से जवाब देता हूं। मुख्यमंत्री ने पूछा था कि सभी प्रमुख राष्ट्रीय योजनाओं और कानूनों का नाम केवल हिंदी व संस्कृत में रखना क्या अहंकार नहीं है?

इस पर तिरुपति ने कहा, अगर आप यह सवाल बिना यह जाने पूछ रहे हैं कि देश की आधिकारिक भाषा हिंदी है, तो यह आपकी अज्ञानता है। अगर आप जानबूझकर पूछ रहे हैं, तो यह आपका अहंकार है। स्टालिन के इस सवाल पर भी तिरुपति ने पलटवार किया कि केंद्रीय मंत्री खुद अवैज्ञानिक अंधविश्वास फैलाकर आबादी कम करने की बात क्यों कर रहे हैं।

भाजपा नेता ने कहा, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री हिंदू धर्म/सनातन धर्म का उपहास करके बहुसंख्यक लोगों की आस्था के बारे में जहर क्यों उगल रहे हैं? क्या यह अल्पसंख्यक वोटों की चाहत में किया जा रहा है? यदि हां, तो क्या यह शर्मनाक नहीं है? मुख्यमंत्री की इस टिप्पणी पर भी भाजपा ने पलटवार किया कि विपक्ष शासित राज्यों में भ्रम पैदा करने के लिए राज्यपाल का इस्तेमाल करके आप क्या हासिल करना चाहते हैं?

उन्होंने कहा, जब आप विपक्ष में थे, तो राज्यपाल से बार-बार मिलकर आप क्या हासिल करना चाहते थे? जो आप हासिल करना चाहते थे, वह हम क्यों न हासिल करें?

तमिलनाडु में भारी बारिश के बावजूद दिवाली की खरीदारी के लिए बाजारों में उमड़े लोग

चेन्नई। तमिलनाडु के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश के बावजूद त्योहारों को लेकर लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ है और बड़ी संख्या में लोग आखिरी समय में दिवाली की खरीदारी के लिए बाजारों और विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में उमड़ पड़े। प्रकाश का यह पर्व 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा।तमिलनाडु सरकार ने राज्यभर के महत्वपूर्ण स्थानों पर व्यापक व्यवस्था की है ताकि लोग त्योहार मनाने के लिए अपने-अपने गृहनगर आसानी से पहुंच सकें। दक्षिण रेलवे ने भी बड़ी संख्या में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए विशेष रेलगाड़ियों की घोषणा की है। राज्य में 16 अक्टूबर को उत्तर-पूर्वी मानसून के आगमन के बाद से पिछले दो-तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है। भारी वर्षा के कारण दक्षिणी क्षेत्र के जलाशयों में पानी भर गया है।

थेनी, कोयंबटूर, मदुरै, तिरुचिरापल्ली, अरियालुर समेत कई जिलों में भारी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में लोग इस त्योहार को मनाने के लिए आखिरी समय में खरीदारी करने के लिए बाजारों, शॉपिंग स्ट्रीट और मॉल में जा रहे हैं।

खरीददारी

रविवार को बेंगलूरु के हनुमंतनगर में लोग दीपावली मनाने के लिए पटाखे खरीदते हुए।

सुविचार

भविष्य का डॉक्टर कोई दवा नहीं देगा, लेकिन अपने रोगियों को मानव शरीर की देखभाल, आहार में और बीमारी के कारण और रोकथाम में रुचि देगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

देश में एकता का प्रकाश लाएं

गुजरात में जैन समाज के अग्रणी संगठन 'जीतो' ने 186 कारें खरीदने के लिए जिस सूझबूझ और एकता का प्रदर्शन किया, वह अद्भुत है। इस समाज ने वह मिसाल कायम की है, जिसमें सर्वसमाज की भलाई के लिए बड़ा संदेश है। जैन समाज की एकता के कारण कारों पर 21 करोड़ रुपए की छूट मिली है। अगर ये कारें अलग-अलग खरीदी जातीं, तो भी कंपनी का माल बिकता, लेकिन उस स्थिति में लाभ सिर्फ उस तक सीमित रहता। मिलकर खरीददारी करने से कंपनी को फायदा हुआ, क्योंकि उसे इकट्ठे ऑर्डर मिले, वहीं समाज भी लाभान्वित हुआ। 'एकता में बल है' - यह बात स्कूली किताबों में सबने पढ़ी थी। जैन समाज ने इसे साकार करके दिखा दिया। अगर सर्वसमाज इससे प्रेरित होकर कुछ फैसले ले तो हमारे देश की कई समस्याओं का बहुत जल्द समाधान हो सकता है। किसी दफ्तर के चक्कर लगाने की नौबत ही नहीं आएगी। हम अक्सर सुनते हैं कि लोगों में पढ़ने-लिखने की आदत नहीं रही। एक ही इलाके में खानपान संबंधी चीजों की कई दुकानें मिल जाएंगी, लेकिन पुस्तकालय एक भी नहीं मिलता! मनुष्य का जीवन सिर्फ पेट भरने के लिए तो नहीं मिला है। अगर किसी इलाके का हर परिवार थोड़ा-थोड़ा सहयोग करे तो बहुत अच्छा पुस्तकालय बन सकता है। इससे कई पीढ़ियों का भला हो जाएगा। इसी तरह सर्वसमाज एकजुट हो तो सड़कें, मोहल्ले, सार्वजनिक स्थान बिल्कुल साफ-सुथरे हो सकते हैं। लोगों को 'मैं' और 'मेरा' से आगे बढ़कर 'हम' और 'हमारा' की भावना पैदा करनी होगी। हमारे आस-पास कुछ ऐसे प्रतिभावान बच्चे मिलते हैं, जिनके माता-पिता उन्हें आगे पढ़ाने में समर्थ नहीं होते हैं। अगर सर्वसमाज मदद के लिए आगे आए तो ये बच्चे भविष्य में कमाल कर सकते हैं। कामयाब होने पर बधाई देनेवाले, वॉट्सऐप स्टेटस लगाने वाले तो खूब मिल जाते हैं। संघर्ष के दिनों में मदद का हाथ बढ़ाने वाले कितने मिलते हैं?

हर किसी का सपना होता है कि उसके सिर पर अपनी छत हो। अपना घर बनाते-बनाते जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा गुजर जाता है। याद करें, महाराजा अग्रसेन ने बहुत सुंदर सिद्धांत दिया था-'एक ईंट, एक रुपया'। अगर आज लोग उसका पालन करें तो देश में किसी को बेघर न रहना पड़े। गांवों में यह सिद्धांत ज्यादा असरदार साबित हो सकता है। वहां सब लोग एक-दूसरे को जानते हैं। किसी गांव में 2,000 परिवार हों तो घर बनाने के लिए इतनी ईंटों का तुरंत इंतजाम हो सकता है। साथ ही, हर परिवार वर्तमान मुद्रा की क्रय शक्ति को ध्यान में रखते हुए 100-100 रुपए भी दे तो उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा और संबंधित परिवार को घर बनाने में आसानी होगी। हर साल जब फसल कटने के बाद नया अनाज आता है तो शहरों में उसकी मांग होती है। अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि अनाज बहुत महंगा हो गया है। उनका यह कहना गलत नहीं है, क्योंकि खेतों से महानगरों तक पहुंचते-पहुंचते वह कई चरणों से गुजरता है। उधर, किसानों की भी शिकायत रहती है कि उन्हें उपज का वाजिब दाम नहीं मिल रहा है। उन्हें स्थानीय मंडियों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। अगली फसल की बुआई का समय होने से नकदी की सख्त जरूरत होती है, इसलिए वे कम कीमत पर सौदा करने को मजबूर हो जाते हैं। अगर कई परिवार एकसाथ अनाज खरीदने के लिए किसानों से सीधे संपर्क करें तो दोनों पक्ष फायदे में रहेंगे। इससे किसानों को तुरंत अच्छी कीमत मिल जाएगी। लोगों को सस्ता अनाज मिल जाएगा। इस दीपावली पर देश में एकता का प्रकाश लाने का संकल्प लें। इससे मां लक्ष्मी सब पर कृपा करेंगी। दीपावली की हार्दिक शुभ कामनाएं।

ट्वीटर टॉक

वंदे भारत ट्रेन में जीआई टैग से सम्मानित सांगानेरी प्रिंट के कंबल कवर को स्थान मिलना राजस्थान की शिल्पकलाओं और सांगानेर के लिए गौरव का क्षण है। यह कला अब देश के कोने-कोने तक पहुंचेगी और हमारी सांस्कृतिक धरोहर को नई पहचान मिलेगी।

-भजनलाल शर्मा

कोटा के केशवपुरा में राम जानकी मंदिर के नवनिर्मित सिंह द्वार और विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण समारोह में सम्मिलित हुआ। दीपावली से पहले यह केवल एक द्वार का उद्घाटन नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा और विकास के संगम का उत्सव है।

-ओम बिरला

आज बीकानेर प्रवास के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री गोकुल जोशी जी की भाभी जी के निधन होने पर परिजनों से भेंट करके श्रद्धांजलि अर्पित की। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

हृदय का संगीत

मीरा बाई कृष्ण भक्ति में लीन रहती थीं। एक बार वे मंदिर में बैठकर भजन गा रही थीं और सितार बजा रही थीं। अचानक सितार का तार टूट गया और स्वर बिगड़ गया। पास खड़े कुछ लोग हंसने लगे 'अब तुम्हारा भजन कैसे होगा? बिना बाजे के सुर अधूरे ही रहेंगे।' मीरा ने शांत भाव से टूटा हुआ सितार एक ओर रख दिया और दोनों हाथ जोड़कर गाने लगीं। उनकी आंखों से आंसू बह रहे थे, पर स्वर पहले से भी मधुर और हृदयस्पर्शी था। भजन पूरा होने के बाद उन्होंने भक्तों से कहा 'संगीत वाद्य से नहीं, हृदय से निकलता है। यदि हृदय कृष्ण से जुड़ा हो तो टूटे तार भी साधन बन जाते हैं। साधन छिन जाने से भक्ति रुकती नहीं, बल्कि और गहरी हो जाती है।' लोग स्तब्ध रह गए। वे समझ गए कि मीरा का समर्पण बाहरी साधनों पर नहीं, बल्कि भीतर की श्रद्धा पर टिका है।

सामयिक

अमावस्या का आध्यात्मिक अर्थ : दान, तर्पण और दीपदान

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

अमावस्या का दिन हिंदू परंपरा में अत्यंत पवित्र और आध्यात्मिक महत्व रखता है। यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, पूर्वज स्मरण और सामाजिक कर्तव्यों की पुनःस्मृति का प्रतीक है। अमावस्या उस क्षण का प्रतिनिधित्व करती है जब चंद्रमा लुप्त होता है और आकाश में केवल अंधकार दिखाई देता है, परंतु इसी अंधकार में आत्मशुद्धि और नई चेतना के बीज भी अंकुरित होते हैं। यही कारण है कि इस दिन को पितृ तर्पण, दान-पुण्य और धार्मिक साधनाओं के लिए सर्वोत्तम माना गया है। हिंदू धर्म में माना गया है कि जीवन केवल शरीर का अस्तित्व नहीं है, बल्कि आत्मा का सतत प्रवाह है, जो मृत्यु के बाद भी जारी रहता है। पितर-हमारे पूर्वज-इस प्रवाह के आधार हैं। वे हमारे अस्तित्व की जड़ें हैं। अतः अमावस्या के दिन जब सूर्य और चंद्रमा की स्थिति अदृश्य एकत्व में होती है, तब यह समय आध्यात्मिक रूप से पूर्वजों की स्मृति और उनसे जुड़ाव का अवसर बन जाता है। इस दिन पितर तर्पण का विधान इसलिए है ताकि व्यक्ति अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट कर सके और उनके आशीर्वाद की आकांक्षा रखे।

तर्पण का अर्थ होता है तृप्ति प्रदान करना'। जब व्यक्ति श्रद्धा से जल, तिल, जौ और कुश के माध्यम से अपने पितरों को जलांजलि अर्पित करता है, तो माना जाता है कि उनकी आत्मा को शांति और तृप्ति प्राप्त होती है। यह केवल एक धार्मिक कर्म नहीं, बल्कि एक गहरा भावनात्मक और पारिवारिक संबंध है, जिसमें वर्तमान पीढ़ी अपने अतीत से संवाद करती है। तर्पण के माध्यम से व्यक्ति अपने अस्तित्व की निरंतरता को स्वीकार करता है और यह अनुभव करता है कि जीवन का प्रवाह केवल वर्तमान तक सीमित नहीं है। तर्पण की विधि में जल को दक्षिण दिशा की ओर अर्पित किया जाता है, क्योंकि दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी गई है। यह अर्पण प्रतीक है विनम्रता, समर्पण और स्मरण का। शास्त्रों में कहा गया है कि तर्पण के बिना कोई भी धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण नहीं माना जाता।

पितर तर्पण के साथ-साथ अमावस्या के दिन दान-पुण्य का भी विशेष महत्त्व है। यह माना गया है कि इस दिन किया गया दान साधारण दिनों की तुलना में कई गुना अधिक फलदायी होता है। जब व्यक्ति स्नान के पश्चात वस्त्र, अन्न, धन या अन्य उपयोगी वस्तुओं का दान करता है, तो वह न केवल अपने पापों का शमन करता है, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह भी करता है। दान के पीछे केवल धार्मिक भावना नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदना भी छिपी है। दान से व्यक्ति अपने संसाधनों को साझा करता है, जिससे समाज के वंचित वर्गों को संबल मिलता है। इस प्रकार अमावस्या केवल व्यक्तिगत पुण्य अर्जन का अवसर नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और करुणा का प्रतीक भी है।

अमावस्या की रात्रि में दीपदान का विशेष महत्व बताया गया है। दीप जलाना केवल अंधकार को दूर करने का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, चेतना और आत्मा की ज्योति का प्रतीक है। यह वह क्षण होता है जब व्यक्ति अपने भीतर झाँककर स्वयं को पहचानने का प्रयास करता है। जब घरों में दीपक जलाए जाते हैं और मन में पूर्वजों का स्मरण किया जाता है, तो एक अदृश्य संबंध स्थापित होता है, जो पीढ़ियों के बीच की दूरी को मिटा देता है। यही कारण है कि कार्तिक अमावस्या, जो दीपावली के रूप में मनाई जाती है, इस भावना का चरम रूप है-जहाँ अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और मृत्यु पर जीवन की विजय का उत्सव मनाया जाता है।

धार्मिक दृष्टि से अमावस्या का समय साधना, जप और ध्यान के लिए अत्यंत उपयुक्त माना गया है। यह वह क्षण है जब चंद्रमा का अभाव व्यक्ति की मानसिक स्थिरता और अंतर्मुखता को बढ़ाता है। इस समय किए गए जप-तप का प्रभाव गहरा माना गया है। जब व्यक्ति इस दिन उपवास रखता है, प्राणायाम करता है या ध्यान साधना में लीन होता है, तो उसकी आत्मा अधिक संवेदनशील और ग्रहणशील हो जाती है। यह आत्मशुद्धि का अवसर है, जब मन और शरीर दोनों संयमित होकर एकाग्रता की स्थिति में पहुँचते हैं। अमावस्या का एक और पक्ष अत्यंत महत्वपूर्ण है-यह पूर्वजों के साथ-साथ समाज और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी की भी याद दिलाती है। जब हम जल अर्पित करते हैं, तो वह केवल पितरों के लिए नहीं, बल्कि जल तत्व के प्रति कृतज्ञता का भाव भी है। जब हम अन्न का दान करते हैं, तो वह केवल पुण्य के लिए नहीं, बल्कि इस पृथ्वी की समृद्धि में सहभागिता का प्रतीक है। इस प्रकार अमावस्या आत्मा, समाज और प्रकृति के बीच संतुलन का उत्सव है। यह हमें याद दिलाती है कि जीवन में केवल भोग नहीं, बल्कि त्याग, दान और कृतज्ञता भी उतनी ही आवश्यक हैं।

पौराणिक ग्रंथों में कार्तिक अमावस्या का विशेष उल्लेख मिलता है। कहा गया है कि इस दिन किया गया स्नान, तर्पण और दान मनुष्य को जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्त करता है। महाभारत और गरुड़ पुराण में वर्णन है कि जो व्यक्ति अमावस्या को अपने पितरों का स्मरण करता है और उन्हें श्रद्धापूर्वक जल अर्पित करता है, उसके कुल में सदैव सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। यह दिन न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। जब व्यक्ति अपने पूर्वजों का स्मरण करता है, तो उसमें अपनापन और निरंतरता की भावना विकसित होती है। वह यह समझता है कि वह अकेला नहीं है, बल्कि एक लम्बी परंपरा और जीवनधारा का हिस्सा है।

आध्यात्मिक रूप से देखा जाए तो अमावस्या का अंधकार भीतर के अज्ञान का प्रतीक है, और तर्पण, दान, दीपदान जैसी क्रियाएँ उस अंधकार को मिटाने के साधन हैं। इन कर्मों से व्यक्ति बाहरी ही नहीं, भीतरी प्रकाश को भी प्रकट करता है। जब हम श्रद्धा से पूर्वजों को याद करते हैं, तो यह हमारी आत्मा को विनम्र बनाता है। यह विनम्रता ही धर्म का मूल है, क्योंकि यही हमें जीवन की सच्चाई से जोड़ती है-कि सब कुछ क्षणभंगुर है, परंतु कर्म और संस्कार अमर हैं।

अंततः अमावस्या आत्मकल्याण और लोककल्याण के सेतु के रूप में सामने आती है। यह हमें सिखाती है कि अपने अतीत को सम्मान देना, वर्तमान में करुणा से जीना और भविष्य के लिए प्रकाश का मार्ग तैयार करना ही धर्म का सार है। पितरों के प्रति श्रद्धा, समाज के प्रति दानशीलता और आत्मा के प्रति सजगता-ये तीनों मिलकर अमावस्या को पूर्ण बनाते हैं। यह वह दिन है जब मनुष्य अपनी जड़ों को सींचता है, अपने कर्मों का मूल्य समझता है और जीवन की निरंतरता में अपनी भूमिका को पुनः पहचानता है। इस प्रकार अमावस्या केवल एक तिथि नहीं, बल्कि मनुष्य की चेतना को परिष्कृत करने वाला एक अद्भुत पर्व है, जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है।

विशेष

संस्कार और चरित्र निर्माण का पर्व है दीपावली

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल: 9414441218

बुराई पर अच्छाई, अंधकार पर प्रकाश तथा अज्ञान पर ज्ञान की विजय का त्योहार हैं दीपावली। दीपावली संस्कार और चरित्र निर्माण का पर्व है। तन-मन को प्रफुल्लित करने वाला यह पर्व हमारे जीवन में हजारों खुशियाँ प्रदान करता है। त्योहार जीवन को प्रेम, बन्धुत्व और शुद्धता से जीने की सीख देता है। मन और चित को शांति प्रदान करता है और हमारे अन्दर की बुराइयों को अन्तर्मन से बाहर निकाल कर अच्छाइयों को ग्रहण करने की ताकत प्रदान करता है। चौदह साल का बनवास काटकर भगवान राम जब अयोध्या लौटे तब वहाँ के निवासियों ने दीप प्रज्वलित कर उनका स्वागत किया। इस वर्ष दीपावली का पर्व 20 अक्तूबर को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। दीपावली का त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। इस पंच दिवसीय पर्व को सभी वर्गों के लोग अत्यंत हर्ष व उत्साह के साथ मनाते हैं। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी से प्रारंभ होकर कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तक चलने वाला दीपावली का त्योहार सुख समृद्धि की वृद्धि, व्यापार वृद्धि तथा समस्त सुखों की प्राप्ति कराने वाला होता है। दीपावली को पंच पर्वो का त्योहार कहा जाता है जो धनतेरस से शुरू होकर भाई दूज पर समाप्त होते हैं।

त्योहार देश की सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और राष्ट्रीय एकता के जीवन्त प्रतीक होते हैं। इसमें देश के इतिहास का समावेश होता है। त्योहार बिना जाति, धर्म ओर भेदभाव के सभी लोग मिलजुल कर मनाते हैं और एक दूसरे के सुख दुख में भागीदारी देते हैं। एक दूसरे से मिलन का यह सुनहरा अवसर प्रदान करते हैं। त्योहार आपसी कटुता, शत्रुता और बैर भाव को दूर भगाते हैं। दीपावली भी एक ऐसा ही त्योहर है जो हमें समता, समानता और भाईचारे का सन्देश देता है। त्योहार जीवन को प्रेम, बन्धुत्व और शुद्धता से जीने की सीख देता है। मन और चित को शांति प्रदान करता है और हमारे अन्दर की बुराइयों को अन्तर्मन से बाहर निकाल कर अच्छाइयों को ग्रहण करने की ताकत प्रदान करता है। चौदह साल का बनवास काटकर भगवान राम जब अयोध्या लौटे तब वहाँ के निवासियों ने दीप प्रज्वलित कर उनका स्वागत किया।

दीपावली के साथ कई ऐतिहासिक और धार्मिक घटनाएँ जुड़ी हुई हैं। यह दिन केवल भगवान राम के अयोध्या वापसी का पावन दिन नहीं है अपितु इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने राक्षस राज नरकासुर का वध किया

था। इसी दिन भगवान विष्णु ने नरसिंह का अवतार लेकर हिरणकश्यप को मारा था। इसी दिन समुद्र मंथन के बाद लक्ष्मी व धन्वन्तरि प्रकट हुए थे। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस भी इसी दिन है। सिक्खों के लिए भी दीपावली के त्यौहार का बहुत महत्त्व है। इसी दिन अमृतसर में स्वर्ण मन्दिर का शिलान्यास हुआ। इसके अलावा 1619 में दीपावली के दिन सिक्खों के छठे गुरू हर गोविन्द सिंह को जेल से रिहा किया गया। नेपालियों के लिए भी दीपावली का दिन बहुत महत्व का है। इस दिन नेपाल में नया वर्ष शुरू होता है। पंजाब में स्वामी रामतीर्थ का जन्म व महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन हुआ। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद ने दीपावली के दिन अजमेर के निकट अवसान लिया था। इस दिन लक्ष्मी पूजन का विशेष प्रावधान है। दीपावली सच्चे अर्थों में चौतरफा हर्षोल्लास का दिन है।

बुराई पर अच्छाई का प्रतीक यह पर्व अब रश्मि बनता जा रहा है। अच्छी बातें अब केवल वेद वाक्यों, ग्रन्थों, महापुरूषों के आदर्शों और नेताओं के भाषण तक सीमित होकर रह गई है। भारत ऋषि मुनियों, संतों और महापुरूषों की जन्मस्थली है जिन्होंने सदा सर्वदा सद्मार्ग पर चलने की सीख और प्रेरणा देशवासियों को दी। हम धीरे-धीरे इन आदर्शों को आत्मसात करने की बजाय बैर-भाव और शत्रुता को बढ़ावा देने में लगे हुए हैं। देश में इस समय जो वातावरण बना हुआ है, उससे बन्धुत्व, प्रेम और समता के स्थान पर अविश्वास, घृणा और बुराई को अधिक बल मिल रहा है। इसके लिए किसी एक को दोषी ठहराना ठीक नहीं होगा। हम सबको अपनी अन्तर आत्मा में झांक कर विवेचना करनी होगी। जब तक हम अपने अंदर की बुराइयों का त्याग नहीं करेंगे तब तक दीपावली की सीख, प्रेरणा और आदर्शों को आत्मसात करने की बातें थोथी और कागजी होगी।

नजरिया

बदलते समय में भाई दूज : प्रेम और अपनापन कैसे बना रहे ?

डॉ. प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

दीवाली के बाद का शांत उजाला जब धीरे-धीरे घरों में उतरता है, तब आती है भाई दूज की सुबह - मिठास और ममता से भरी। बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाती हैं, आरती करती हैं और मन ही मन यह कामना करती हैं कि उनका भाई सदा सुखी रहे। बदले में भाई बहन को उपहार देता है और यह वादा कि जीवनभर उसका साथ निभाएगा। यह दृश्य जितना सरल लगता है, उतना ही गहरा भी है। क्योंकि यह सिर्फ एक तिलक नहीं, रिश्तों में भरोसे, सुरक्षा और प्रेम की लकीर खींचने का संस्कार है। लेकिन आज जब समय बदल रहा है, रिश्तों की परिभाषाएँ बदल रही हैं, तब यह सवाल उठता है कि क्या भाई दूज का वही अपनापन और स्नेह अब भी पहले जैसा है? क्या भाई-बहन का रिश्ता अब भी उतना ही सहज, निर्भीक और भावनाओं से भरा है, जैसा कभी गाँव की मिट्टी और आँगन की धूप में होता था? कभी भाई दूज सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव हुआ करता था। बहनें सवेरे से तैयार होकर भाई की प्रतीक्षा करती थीं, घरों में पकवानों की खुशबू फैल जाती थी। भाई दूर-दूर से बहन के घर पहुँचते थे, क्योंकि यह दिन मिलन का होता था। न कोई दिखावा, न औपचारिकता-बस भावनाओं का सच्चा प्रवाह। उस समय रिश्तों में दूरी नहीं, दिलों की गर्माहट थी।

आज भी भाई दूज मनाया जाता है, पर उसकी आत्मा कहीं धुंधली पड़ने लगी है। अब भाई दूज का तिलक कई बार व्हाट्सएप पर भेजे गए इमोजी से लग जाता है, राखी और तिलक दोनों ऑनलाइन ग्रीटिंग्स में सिमट गए हैं। भाई दूज मुबारक का संदेश सोशल मीडिया पर चमकता है, पर उसके पीछे की नज़रों में अब वो अपनापन नहीं दिखता जो किसी बहन की आँखों में तब झलकता था जब वह अपने भाई का चेहरा देखती थी। यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, संवेदना का भी है। समय ने हमें जोड़ा जरूर है, पर जोड़े हुए रिश्ते अब दिलों से ज़्यादा डिवाइसों में रहने लगे हैं। भाई दूज जैसे पर्व जो निकटता, स्नेह और संवाद के प्रतीक थे, अब स्टेटस अपडेट बनते जा रहे हैं। इस बदलाव की जड़ें आधुनिक जीवन की भागदौड़, व्यावसायिकता और आत्मकेंद्रित सोच में हैं, जिसने हमें अपनों से दूर कर दिया है। भाई दूज का पर्व केवल बहन की पूजा नहीं, बल्कि उस भावनात्मक संतुलन का प्रतीक भी है, जिसमें भाई सुरक्षा देता है और बहन संवेदना। दोनों एक-दूसरे की जरूरत बनकर रिश्तों के समाज का ढांचा खड़ा करते हैं। लेकिन आज की पीढ़ी में यह रिश्ता धीरे-धीरे औपचारिक होता जा रहा है। शहरों में बढ़ती व्यस्तता, प्रवास, और आत्मनिर्भर जीवनशैली ने भाई-बहन के रिश्तों को एक मौके की 'मुलाकात' बना दिया है।

जहाँ पहले भाई अपनी बहन के घर जाकर दिन भर का समय उसके परिवार के साथ बिताता था, अब वह मुलाकात कुछ मिनटों या वीडियो कॉल तक सीमित रह जाती है। बहनें भी अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं, भावनात्मक रूप से मज़बूत हैं, और जीवन के हर फैसले खुद लेती हैं। यह बदलाव सकारात्मक भी है, क्योंकि अब बहनें सुरक्षा की मोहताज नहीं, बल्कि बराबरी के आत्मसम्मान की प्रतीक हैं। मगर इस बराबरी के दौर में भी रिश्तों की गर्माहट बनी रहना जरूरी है। त्योहारों का उद्देश्य ही यही होता है-रिश्तों को दोबारा गढ़ना, दूरी मिटाना। भाई दूज हमें हर साल यह याद दिलाती है कि रिश्तों का पोषण केवल खून से नहीं, व्यवहार से होता है। लेकिन आधुनिकता की रफ्तार ने हमें इतना व्यस्त कर दिया है कि हम भावनाओं को भी समय-सारिणी में बाँधने लगे हैं। कभी-कभी लगता है कि रिश्ते अब कैलेंडर पर टिके कुछ त्योहारी दिनों के मेहमान बन गए हैं। आज की बहनें केवल उपहार नहीं, भावनात्मक साझेदारी चाहती हैं। उन्हें यह नहीं चाहिए कि भाई बस त्यौहार पर पैसे या गिफ्ट दे दे; वे चाहती हैं कि भाई उन्हें समझे, उनका सम्मान करे, उनके निर्णयों में साथ खड़ा रहे। और भाई भी चाहते हैं कि बहन सिर्फ स्नेह की मूर्ति नहीं, बल्कि सहयोग और संवेदना की साझेदार बने। यही रिश्ते का नया रूप है-बराबरी और आत्मीयता का संतुलन। भाई दूज अब केवल बहन की सुरक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और संवाद का भी प्रतीक बनना चाहिए। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि भाई-बहन का रिश्ता सिर्फ बचपन का नहीं होता, वह उम्रभर का साथ है। भले जीवन के रास्ते अलग हों, पर दिलों के रास्ते जुड़े रहने चाहिए।

भाई दूज का असली अर्थ यही है कि रिश्तों की दीवारों पर समय की धूल जम जाने के बावजूद उनका रंग न फीका पड़े। यह पर्व हमें सिखाता है कि प्रेम का रिश्ता कभी पुराना नहीं होता, बस हमें उसे झाड़-पोंछकर चमकाना आना चाहिए। आज जब दुनिया डिजिटल रिश्तों' की ओर बढ़ रही है, तो ऐसे पर्व हमें धरती से जोड़ते हैं। हमें बताते हैं कि मानवीय भावनाएँ अब भी सबसे बड़ी पूँजी हैं। इसलिए भाई दूज का तिलक केवल माथे पर नहीं, मन पर लगाना चाहिए-जहाँ अपनापन, स्मृति और कृतज्ञता की लकीरें स्थायी रहें। भाई दूज का संदेश बहुत सीधा है-रिश्तों को निभाने के लिए कोई बड़ी रस्म नहीं चाहिए, बस छोटी-छोटी संवेदनाएँ चाहिएं। कभी एक फोन कॉल, कभी एक पत्र, कभी बिना कारण किया गया धन्यवाद-यही वो छोटे तिलक हैं जो भाई-बहन के रिश्ते को जीवित रखते हैं। समय बदलेगा, त्यौहार भी रूप बदलेंगे, पर प्रेम और अपनापन अगर मन में बसा रहा, तो रिश्ते कभी टूटेंगे नहीं। भाई दूज हमें यह याद दिलाने आया है कि जीवन चाहे जितना तेज़ हो जाए, एक दिन रुककर किसी प्रिय को तिलक लगाना, उसकी आँखों में अपनेपन की रोशनी देखना-यही सच्चा त्योहार है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड्र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अपनी पहचान को बचाने के लिए एआई के दुरुपयोग से लड़ रहे हैं फिल्मी सितारे

मुंबई/भाषा। डिजिटल मंचों पर बढ़ते कृत्रिम मेधा (एआई) के प्रभाव और उससे होने वाले नुकसान के मद्देनजर भारत के शीर्ष फिल्म सितारे अपनी सबसे मूल्यवान संपत्ति 'अपनी खुद की पहचान' को बचाए रखने के लिए अदालतों का रुख कर रहे हैं।अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन, अक्षय कुमार और ऋतिक रोशन सहित कई फिल्मी कलाकार अपने 'व्यक्तित्व अधिकारों' की रक्षा करने के लिए मुकदमे दायर कर रहे हैं।फिल्मी हस्तियां परिष्कृत एआई-संचालित डीप फेक और अपनी तस्वीरों, आवाज और वीडियो के अनधिकृत व्यावसायिक इस्तेमाल को लेकर अदालतों का रुख कर रहे हैं।

इन कलाकारों के लिए खतरा बिना अनुमति के साधारण विज्ञापन से कहीं अधिक है।

हाल ही में बंबई उच्च न्यायालय ने अभिनेता अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी को संरक्षण प्रदान करते हुए इस बात पर जोर दिया था कि चूंकि प्रौद्योगिकी ने अति-यथार्थवादी, फिर भी पूरी तरह से मनगढ़ंत, चित्र और वीडियो बनाना आसान बना दिया है, इसलिए प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचने की संभावना वास्तव में चिंताजनक हो गई है।

बंबई उच्च न्यायालय में मशहूर हस्तियों के एक समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील जनय जैन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग से भी अधिक चिंताजनक और खतरनाक है डीपफेक चित्र और सामग्री।

जैन ने अपनी राय देते हुए कहा, ऐसी सामग्री व्यक्ति की प्रतिष्ठा और छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाती है।'व्यक्तित्व अधिकार' किसी व्यक्ति को उसकी पहचान के वाणिज्यिक और सार्वजनिक उपयोग पर कानूनी नियंत्रण प्रदान करते हैं - उसका नाम, छवि, आवाज, हस्ताक्षर, या कोई अन्य विशिष्ट विशेषता जिसे जनता आसानी से पहचान लेती है।दुरुपयोग में फर्जी विज्ञापनों और अनधिकृत वस्तुओं से लेकर सबसे घातक खतरा - दुर्भावनापूर्ण एआई-जनित डीपफेक तक शामिल हो सकता है। यद्यपि भारत में व्यक्तित्व अधिकारों पर एक विशिष्ट, संहिताबद्ध कानून का अभाव है, फिर भी न्यायालय आगे आकर निजता के मौलिक अधिकार की परिभाषा को व्यापक बना रहे हैं। अदालतों की ओर से निषेधाज्ञा जारी करके तथा बिना उचित अनुमति के किसी कलाकार के व्यक्तित्व के दुरुपयोग पर रोक लगाकर ऐसा किया जा रहा है।

गायक कुमार सानू की ओर से पेश हुईं वकील सना रईस खान ने कहा, अब हम जो देख रहे हैं वह केवल एक प्रवृत्ति नहीं है बल्कि एक आवश्यक विकास है जहां कलाकार अंततः अपने व्यक्तित्व पर नियंत्रण स्थापित कर रहे हैं। खान ने कहा, फिल्मी कलाकार जानते हैं कि उनकी पहचान उनकी संपत्ति और अधिकार है।वकील ने कहा कि डिजिटल मीडिया के उदय से प्रेरित होकर, फिल्मी हस्तियां अब अपनी पहचान के कानूनी और व्यावसायिक मूल्य के बारे में अधिक जागरूक हो गए हैं।

दीपोत्सव

अयोध्या में रविवार को 'दीपोत्सव' समारोह के अंतर्गत आयोजित एक 'शोभा यात्रा' में भाग लेते कलाकार।

बीजिंग घोषणापत्र के तीन दशक बाद भी 13.3 करोड़ लड़कियां स्कूल से बाहर: यूनेस्को जीईएम टीम

नई दिल्ली/भाषा। पिछले तीन दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक समानता के मामले में दुनिया ने महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन इसके बावजूद दुनिया भर में लगभग 13.3 करोड़ लड़कियां अब भी स्कूल से बाहर हैं। यह जानकारी यूनेस्को के ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग (जीईएम) टीम द्वारा साझा की गई है।

बीजिंग डिक्लरेशन एंड प्लेटफार्म फॉर एक्शन ने 1995 में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया था - शिक्षा सहित जीवन के सभी पहलुओं में महिलाओं की पूर्ण और समान भागीदारी। तीस साल बाद, बहुत कुछ हासिल किया गया है, लेकिन यूनेस्को के नए आंकड़े बताते हैं कि अब भी बहुत कुछ अधूरा है। जीईएम टीम के एक सदस्य ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 1995 के बाद से, दुनिया शिक्षा में लैंगिक समानता के करीब पहुंच गई है। अब लड़कियां प्राथमिक, उच्चतर और माध्यमिक विद्यालयों में लड़कों के समान दर पर नामांकित होती हैं। वैश्विक स्तर पर, तीन दशकों पहले के मुकाबले 9.1 करोड़ अधिक लड़कियां प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रही हैं और 13.6 करोड़ अधिक लड़कियां माध्यमिक शिक्षा ग्रहण कर रही हैं।

सदस्य ने कहा, महिलाओं का उच्च शिक्षा में पंजीकरण तीन गुना बढ़कर 4.1 करोड़ से 13.9 करोड़ हो गया है। ये आंकड़े बहुत अहम हैं, क्योंकि ये वर्षों की मेहनत का नतीजा हैं, जो शिक्षा में लड़कियों की बाधाओं को दूर करने और उनके लिए अवसर बढ़ाने के लिए की गई। हालांकि ये पूरी तस्वीर नहीं है। आज भी 13.3 करोड़ लड़कियां स्कूल से बाहर हैं।जीईएम टीम के अनुसार, क्षेत्र के अनुसार प्रगति में काफी अंतर है - मध्य और दक्षिणी एशिया ने माध्यमिक पंजीकरण में समानता हासिल कर ली है, जबकि उप-सहारा अफ्रीका अभी पीछे है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बीजिंग घोषणापत्र में पंजीकरण से कहीं अधिक की बात कही गई है, और इसमें परिवर्तन की भी मांग की गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है, फिर भी प्रगति धीमी रही है। लगभग दो-तिहाई देशों में प्राथमिक स्तर पर और लगभग तीन-चौथाई देशों में माध्यमिक स्तर पर यौन शिक्षा अनिवार्य है, जिससे कई युवा जरूरी ज्ञान और कौशल से वंचित रह जाते हैं। कई संदर्भों में पाठ्यपुस्तकें रूढ़िवादिता को चुनौती देने के बजाय उसे और मजबूत करती हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, हालांकि शिक्षकों में महिलाओं की संख्या अधिक है, फिर भी नेतृत्व में उनका प्रतिनिधित्व कम है। दुनिया भर में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में केवल 30 प्रतिशत महिलाएं अग्रणी हैं। ये व्यवस्थागत कमियां समानता की एक सच्ची शक्ति के रूप में शिक्षा के वादे को कमजोर करती हैं।

यूनेस्को टीम ने कहा कि बीजिंग घोषणापत्र एक मील का पत्थर है, लेकिन सच्ची प्रगति के लिए मील के पत्थरों से आगे बढ़कर स्थायी बदलाव की ओर बढ़ना जरूरी है।

इसमें कहा गया है, सरकारों को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए कि पाठ्यक्रम, शिक्षण और परामर्श लैंगिक रूप से परिवर्तनकारी हों, और महिलाओं के लिए शिक्षा नेतृत्व के रास्ते मजबूत करें। उन्हें यौन शिक्षा का विस्तार करने, स्कूली हिंसा से शिक्षार्थियों की रक्षा करने की आवश्यकता है।

सनी देओल ने नई फिल्म 'गबरू' की घोषणा की

नयी दिल्ली/भाषा

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने रविवार को अपनी नई फिल्म गबरू का पहला पोस्टर साझा करके अपना 68वां जन्मदिन मनाया। फिल्म 13 मार्च 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। फिल्म पटकथा का लेखन और निर्देशन शशांक उदापुरकर ने किया है और इसका निर्माण ओम छंगानी और विशाल राणा ने किया है। देओल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्टर साझा किया। अभिनेता ने गबरू को साहस, विवेक और करुणा की कहानी बताया। कैप्शन में लिखा है, ताकत वह नहीं है जो आप दिखाते हैं, बल्कि वह है जो आपके करने में निहित है! आप सभी को आपके प्यार और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद। गबरू सिनेमाघरों में 13 मार्च 2026 को आएगी। साहस, विवेक और करुणा की कहानी। मेरे दिल से दुनिया के लिए।

फिल्म में मिथुन का संगीत और सईद कादरी का गीत होगा। देओल की हालिया फिल्म जाट अप्रैल में रिलीज हुई थी। गोपीचंद मालिनेनी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणदीप हुड्डा भी थे। गबरू के अलावा, अभिनेता बॉर्डर 2 और लाहौर 1947 में भी दिखाई देंगे। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित बॉर्डर 2 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ भी हैं और यह देओल की 1997 में आई फिल्म बॉर्डर की सीक्वल है। सनी देओल ने लाहौर 1947 में अभिनेत्री प्रीति जिंटा के साथ फिर से काम किया, जिनके साथ उन्होंने द हीरो: लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई, दिल्लगी और ये रास्ते हैं प्यार के जैसी फिल्मों में काम किया है। लाहौर 1947 का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है।

आलिया भट्ट से सोहा अली खान तक, प्री-दीपावली सेलिब्रेशन में बॉलीवुड सितारों ने जमाया रंग

मुंबई/एजेन्सी

दीपावली का उत्सव शुरू हो चुका है और बॉलीवुड के सितारे प्री-दीपावली सेलिब्रेशन्स में डूबे नजर आ रहे हैं। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर दीपावली पर अपने नए घर में शिफ्ट होने जा रहे हैं। उससे पहले वह नीतू कपूर और कपूर खानदान के साथ प्री-दीपावली के जश्न में शामिल हुईं।

वहीं, सोहा अली खान ने सैफ अली खान और करीना कपूर खान के साथ मिलकर खान परिवार की प्री-दीपावली पार्टी को इंजॉय किया। अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपनी सास नीतू कपूर और ससुराल वालों के साथ धनतेरस का त्योहार मनाया। नीतू कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरीज सेक्शन में इसकी कई तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें से एक तस्वीर में कपूर परिवार के प्री-दीपावली सेलिब्रेशन की झलक दिखाई दे रही है। मैचिंग ब्लाउज के साथ गोल्डन साड़ी में आलिया बेहद खूबसूरत लग रही थीं। 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की अभिनेत्री ने अपने एथनिक लुक को कॉम्प्लिमेंट्री चोकर और मैचिंग मांग टीका के साथ पूरा किया।

आलिया और नीतू के अलावा, इस तस्वीर में कपूर बहनें करीना और करिश्मा भी नजर आ रही हैं, जो देसी परिधानों में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। बताया जा रहा है कि अपने नए घर में शिफ्ट होने से पहले आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने अपनी मां के साथ दीपावली सेलिब्रेट कर ली है। इसके बाद अब दीपावली का जश्न नए घर में मनाया जाएगा, जिसके रिनोवेशन का काम पूरा हो चुका है। इस जश्न में करीबी लोग ही शामिल होंगे।

वहीं अभिनेत्री सोहा अली खान के लिए दीपावली से पहले का जश्न शुरू हो गया है, जिन्होंने सोशल मीडिया पर अपने प्रियजनों के साथ इस जश्न की झलकियां शेयर कीं। सोहा अली खान ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं।

इनमें बॉलीवुड स्टार सैफ अली खान, उनकी भाभी करीना कपूर खान, करिश्मा कपूर, अमृता अरोड़ा, उनके पति कुणाल खेमू और बेटी इनाया नौमी खेमू दिखाई दे रही हैं। सोहा, सैफ, और अमृता अरोड़ा लाल रंग के पारंपरिक परिधानों में एक साथ नजर आए, वहीं बेबो नीले रंग के लहंगे में बेहद स्टाइलिश दिखीं। सोहा ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, कल रात हाई एनर्जी के साथ जश्न की शुरुआत हुई, धनतेरस की शुभकामनाएं।

सलीम मर्चेंट ने टाइम्स स्क्वायर पर सोनू निगम को दिया अनोखा दीपावली गिफ्ट

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर संगीतकार सलीम मर्चेंट ने न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर शानदार अंदाज में दीपावली मनाई और सोनू निगम के साथ एक खास पल साझा किया।इस सेलिब्रेशन के रूप में सलीम ने सिंगर को दीपावली का एक खास तोहफा भी दिया। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए

दिखाया कि न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में सोनू निगम का गाना 'जोगिया' का प्रोमो दिखाया जा रहा है। रविवार को सलीम मर्चेंट ने इंस्टाग्राम पर टाइम्स स्क्वायर के सामने खड़े होकर अपना एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वह बड़े से बिलबोर्ड पर अपने गाने का प्रोमो दिखाते दिख रहे हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, टाइम्स स्क्वायर पर दीपावली मनाते हुए सोनू निगम और श्रद्धा पंडित के लिए यह दीपावली का उपहार है। भारतीय संगीत को दुनिया तक पहुंचाकर बहुत खुशी हो रही है।

वीडियो में सलीम मर्चेंट कहते हैं, टाइम्स स्क्वायर पर उनका जोगिया। वाह! सोनू निगम, पैराडॉक्स और श्रद्धा पंडित, शुक्रिया। वाकई बहुत अच्छा लग रहा है। यह सरप्राइज न सिर्फ सोनू निगम को चौंका गया, बल्कि फैंस के बीच भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पर लोग खूब कमेंट और लाइक कर रहे हैं। बता दें कि सलीम मर्चेंट और सुलेमान ने मिलकर अपने नए प्रोजेक्ट भूमि के इस गाने को कंपोज किया है। यह गाना हाल ही में रिलीज किया गया था। इस नई एल्बम में उन्होंने एक से बढ़कर एक गाने कंपोज किए हैं। इसमें हिंदी के साथ ही अन्य भाषाओं के गाने भी हैं। इस एल्बम में सोनू निगम और पैराडॉक्स से लेकर पपोन, शंकर महादेवन, शान और श्रेया घोषाल की मधुर आवाज से सजे कई गाने हैं।

इसके बारे में बात करते हुए सुलेमान ने एक इंटरव्यू में कहा था, हमने हमेशा अलग-अलग चीजें करने की, नई शैलियों को तलाशने और नए कलाकारों की खोज करने की कोशिश की है। जब हमने शुरुआत की थी, तब सिर्फ लोक और भक्ति संगीत था, फिर हम पॉप संगीत की ओर बढ़े। हमने हिप हॉप, ईडीएम और अब इन सबका एक बेहतरीन मिश्रण बनाया है। अगले साल, हम मलयालम, तमिल, ओडिसी संगीत और पूर्व में अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड से जुड़े गाने लाने की कोशिश करेंगे।

ग्रीस में 'द राजा साब' का ग्रैंड सॉन्ग शूट, फिल्म पहुंची फिनिश लाइन के करीब

मुंबई/एजेन्सी

इस बार प्रभास की दिवाली कुछ अलग है- पटाखों की चमक नहीं, बल्कि कैमरों की लाइट्स में जगमगा रही है! सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित हॉरर-फैंटेसी फिल्म 'द राजा साब' की शूटिंग के लिए ग्रीस में हैं, जहां फिल्म का आखिरी शेड्यूल चल रहा है।

फिल्म के दो बड़े सॉन्ग्स पहले ही ग्रीस की धूप से नहाई बीचेज़ और खूबसूरत आइलैंड्स पर शूट किए जा चुके हैं, और अब टीम दिवाली तक ग्रैंड रैप-अप की तैयारी में जुटी है।फिल्ममेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर शूट की झलक दिखाई, जिसमें लिखा था, दिवाली के साथ-साथ टीम ने फैंस के लिए एक और तोहफा भी तैयार किया है प्रभास के बर्थडे (23 अक्टूबर) पर 'द राजा साब' से जुड़ा एक बड़ा अपडेट आने वाला है, जिससे फैंस के बीच एक्साइटमेंट डबल हो गया है। पहले रिलीज़ हुए ट्रेलर ने ही सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी थी हॉरर, रोमांस और ह्यूमर का ऐसा तड़का जिसमें संजय दत्त नजर आए थे एक एक्सॉर्सिस्ट, साइकाइट्रिस्ट और हिप्नोटिस्ट के यूनिक रोल में। उनके साथ बोमन ईरानी और ज़रीना वहाब भी नज़र आएंगे, जो फिल्म में नॉस्टैल्जिया और एंटरटेनमेंट का परफेक्ट डोज़ लेकर आ रहे हैं।

आखिरी शेड्यूल की शूटिंग के साथ 'द राजा साब' अब अपने ग्रैंड फिनाले की ओर बढ़ रही है। ग्रीस के नीले आसमान और प्रभास की मेहनत के बीच तैयार हो रही यह हॉरर-फैंटेसी फिल्म दर्शकों के लिए एक जबरदस्त विजुअल ट्रीट साबित होने वाली है।

रिलीज हुआ 'तेरे इश्क में' का टाइटल सॉन्ग

नई दिल्ली/एजेन्सी

साउथ के सुपरस्टार धनुष और कृति सेनन स्टारर फिल्म 'तेरे इश्क में' टीजर के रिलीज के बाद से ही छाई हुई है। फिल्म का टीजर इतना जबरदस्त है कि फिल्म के रिलीज का फैंस इंतजार नहीं कर रहे हैं।फिल्म 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, लेकिन फिल्म का ट्रेलर अभी तक रिलीज नहीं हुआ है। फिल्म के बज के बीच फिल्म का पहला गाना वीडियो के साथ रिलीज कर दिया गया है। 'तेरे इश्क में' फिल्म का पहला गाना 'तेरे इश्क में' का टाइटल ट्रैक रिलीज कर दिया गया है। गाने में जहां धनुष अपने टूटे दिल और प्यार के जुनून को कृति के सामने रखते हैं, वहीं कृति का भी अलग रूप देखने को मिला है। फिल्म के टीजर में सिर्फ धनुष का जुनूनी अवतार देखने को मिला था, लेकिन नए गाने में कृति भी इश्क में धोखा खाई लड़की की तरह शराब का सहारा लेती दिख रही हैं। गाने में कृति शराब के नशे में चूर हैं तो धनुष एक्शन

मोड में हैं। गाने के लिरिक्स भी दिल को छू जाने वाले हैं, गाने में फुल इमोशन और टूटे दिल की तड़प दिख रही हैं।

बता दें कि टाइटल ट्रैक के लिरिक्स इरशाद कामिल ने लिखे हैं और अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज से गाने में जादू डाल दिया है। गाने को कुछ देर पहले ही रिलीज किया गया है और गाना सोशल मीडिया पर छा गया है। फैंस गाने से रिलेट कर रहे हैं और अपने टूटे दिल की कहानी बता रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, कृति और धनुष में प्यार के कुछ ज़्यादा ही रंग दिखा रहे हैं। मैं तो इस फिल्म का दीवाना हो गया हूं। एक दूसरे यूजर ने लिखा, गाने का एक-एक लिरिक्स गूजबंप लाने वाला है और अरिजीत सिंह की आवाज ने दिल जीत लिया। फिल्म में 'तेरे इश्क में' धनुष और कृति सेनन के अलावा माहिर मोहिउद्दीन और सुशील दहिया जैसे एक्टर भी देखने को मिलेंगे। फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय ने किया है और फिल्म 28 नवंबर को अलग-अलग भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म तमिल और हिंदी में रिलीज की जाएगी।

फिल्म की कहानी हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने लिखी है। फिल्म के टीजर की बात करें तो टीजर में धनुष का अवतार जुनून और प्यार में धोखा खाए तड़पते आशिक जैसा है। टीजर की शुरुआत ही धमाकेदार डायलॉग से होती है और धनुष कृति की हल्दी में जाकर कहते हैं, शंकर करे तेरे बेटा हो, तुझे पता चले कि इश्क में जो मर जाते हैं, वो भी किसी के बेटे होते हैं। फिल्म में 'राझांणा' की झलक देखने को मिलेगी।

त्योहारों के सीजन में भी सेहत का ध्यान रखते हैं पंकज त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

त्योहारों का मौसम आते ही चारों ओर मिठाइयों की खुशबू फैल जाती है। खासकर दीपावली के दौरान तो घर-घर में तरह-तरह के पकवान और मीठे व्यंजन बनते हैं। लोग अपनों के साथ मिलकर स्वाद और उत्सव दोनों का आनंद लेते हैं। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो इस दौरान अपनी सेहत और आदतों को लेकर सजग रहते हैं।ऐसे ही एक नाम हैं मशहूर अभिनेता पंकज त्रिपाठी, जो न सिर्फ अपने अभिनय के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने सादा जीवन और संतुलित खानपान के लिए भी चर्चा में रहते हैं। दीपावली जैसे त्योहार पर जब आम लोग मिठाइयां खाते हैं, तब पंकज त्रिपाठी खुद को इस ललक से बचाए रखते हैं। उन्होंने आईएएनएस के साथ एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें मिठाइयों का उतना शौक नहीं है।

उन्होंने कहा, ''मैं मिठाइयां ज्यादा खाता नहीं हूं, लेकिन दीपावली पर कुछ मिठाइयां खा लेता हूं, वो भी सिर्फ अच्छी वाली, जैसे काजू और किशमिश वाली मिठाइयां, जिससे मेरी सेहत पर कोई असर न पड़े। ऐसे में त्योहार पर वजन बढ़ने की मुझे चिंता नहीं होती।

बैलेंस डाइट ही मेरा असली फिटनेस मंत्र है और यही मेरी दिनचर्या का हिस्सा है।'' पंकज त्रिपाठी इन दिनों अपने फैंस के लिए एक और बड़ी खुशखबरी लेकर आ रहे हैं। वह एक बार फिर अपने चर्चित किरदार कालीन भैया के रूप में लौटने वाले हैं। वो भी अब वेबसीरीज के रूप में नहीं, बल्कि फिल्म में। 'मिर्जापुर' के चाहने वालों के लिए एक फिल्म बनाई जा रही है, जिसकी शूटिंग अभी वाराणसी में चल रही है। हाल ही में उन्हें रामनगर किला में अली फजल के साथ शूटिंग करते देखा गया, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह कर रहे हैं और यह 2026 में रिलीज होने वाली है। इस बार फिल्म में कई पुराने चेहरों की वापसी होगी, जिनमें पंकज त्रिपाठी (कालीन भैया), अली फजल (गुड्डू पंडित), दिव्येंदु (मुन्ना त्रिपाठी), और अभिनेता अभिषेक बनर्जी भी नजर आएंगे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

श्रमणों के प्रति श्रद्धा रखने वाले श्रमणोपासक होते हैं : मुनि विनीत कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के अरिहंत नगर केशवापुर में विराजित मुनिश्री विनीत कुमारजी ने अपने प्रवचन में श्रावकों के बारे में बताते हुए कहा कि भगवान महावीर ने श्रावक के चार प्रकार बतलाएं है। सूत्रकृतांग आगम में कहा गया है श्रमणोपासक चार प्रकार के होते हैं। पहला दर्पण के समान अर्थात स्वच्छ हृदय वाला। दूसरे पताका के समान यानी चंचल हृदय वाले, तीसरे स्थाणु के समान अर्थात दुराग्रही और चौथे तीक्ष्ण कण्टक के समान अर्थात कटुभाषी। श्रमणों के प्रति श्रद्धा रखने वाले, उनकी उपासना करने वाले श्रमणोपासक या श्रावक कहलाते हैं।

कुछ श्रावक निर्मल हृदय वाले होते हैं। जैसे स्वच्छ दर्पण में अपना चेहरा प्रतिबिम्बित होता है। कुछ श्रावक पताका की तरह चंचल होते हैं। उनकी श्रद्धा स्थिर नहीं होती। वे कभी कोई एक बात स्वीकार करते हैं तो कभी कोई अन्य बात, जो पहली बात से विरुद्ध तक हो सकती है। मुनिश्री ने कहा कि कुछ श्रावक स्थाणु (ठूंठ) की तरह स्थिर विचारों वाले होते हैं। किसी ने कभी गधे की पूँछ पकड़ा दी तो चाहे कोई कितना भी समझाये, वे उसे छोड़ने को तैयार नहीं होते। कुछ श्रावक बड़े कटुभाषी होते हैं। उनके वचन तीखे काँटे की तरह चुभने वाले होते हैं। दूसरों को ताना मारने में वे दक्ष होते हैं।

इस तरह कुल चार प्रकार होते हैं श्रावकों के।ङ्कङ्कमुनिश्री विनीत कुमार जी ने श्रावकों को प्रेरणा देते हुए कहा कि आप सब का दायित्व होता है कि आप संघ और संघपति के प्रति समर्पित रहें, आचार्य जो दिशा निर्देश दें, जो मर्यादाएं बने उनको सहर्ष स्वीकार करें। मुनि पुनीतकुमार जी ने उपस्थित जनों को सरल व निर्मल जीवनशैली अपनाने की बात कही। इस मौके पर दक्षिण पश्चिम रेलवे हुब्बल्ली खंड के वरिष्ठ अधिकारी मुकेशकुमार गादिया ने अपने परिवार सहित दर्शन सेवा का लाभ उठाया।

जाप अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को तेरापंथ भवन में तेरापंथ महिला मंडल हनुमंतनगर द्वारा विश्व शांति हेतु 'ॐ भिक्षु महाजप अनुष्ठान' का आयोजन किया गया जिसमें महिला, कन्या, किशोर मंडल, ज्ञानशाला, युवक परिषद और सभा के कुल 55 सदस्य तथा ऑनलाइन तरीके से 50 लोग शामिल हुए।

पर्यावरण संरक्षण से ही पूर्ण होती है दीपावली की आराधना : डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गांधीनगर स्थित गुजराती भवन में अपने प्रवचन में डॉ. वरुण मुनि जी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि दीपावली केवल दीपों का पर्व नहीं, बल्कि यह अंधकार से प्रकाश, अज्ञान से ज्ञान और नकारात्मकता से सकारात्मकता की ओर अग्रसर होने का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि हम दीपावली को मात्र बाहरी उत्सव तक सीमित न रखें, बल्कि उसे आंतरिक आलोक, आत्मिक शुद्धि और पर्यावरण संरक्षण के भाव से जोड़ें। मुनिश्री ने कहा कि जब दीपावली प्रकृति के साथ सामंजस्य में मनाई जाती है, तभी उसका वास्तविक सौंदर्य प्रकट होता है।वरुणमुनिजी ने कहा कि इको-फ्रेंडली दीपावली का अर्थ है आनंद के साथ संयम और सजगता से पर्व मनाना। उन्होंने आग्रह किया कि श्रद्धालु प्लास्टिक, रासायनिक रंगों और पटाखों से दूरी बनाकर मिट्टी के दीपक जलाएँ, घरों को प्राकृतिक सजावट से सुसज्जित करें और जीवों के प्रति दया का भाव रखें। यही सच्चे अर्थों में धर्म और पर्यावरण का संगम है। मुनिश्री ने कहा कि हर व्यक्ति यदि अपने आसपास स्वच्छता, सद्भावना और करुणा का दीप जलाए, तो न केवल उसका जीवन आलोकित होगा, बल्कि संपूर्ण समाज में शांति, सद्भाव और

सुख का वातावरण स्थापित होगा। उन्होंने यह भी बताया कि प्रकृति ही हमारी सच्ची पूज्य माता है। जब हम उसे प्रदूषण, शोर और अपव्यय से बचाते हैं, तभी दीपावली का संदेश सार्थक होता है। स्वच्छता, सादगी और संवेदनशीलता से युक्त उत्सव ही हमारे जीवन में स्थायी प्रकाश लाता है।ङ्कधर्मसभा के अंत में मुनिश्री ने सभी से आग्रह किया कि इस वर्ष दीपावली को हरित दीपावली' के रूप में मनाने का संकल्प लें, ऐसी दीपावली जिसमें न केवल घर, बल्कि हृदय भी प्रकाशित हो। दीपावली पर्व का महत्व समझाते हुए उन्होंने कहा कि दीपावली का यह महापर्व एक ओर भगवान श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास पूर्ण कर अयोध्या आगमन की आनंदमयी स्मृति में मनाया जाता है, तो दूसरी ओर जैन परंपरा में इस दिन भगवान महावीर स्वामी ने निर्वाण प्राप्त किया था तथा उनके प्रधान शिष्य श्री गौतम स्वामी जी महाराज को केवल ज्ञान का प्रकाश प्राप्त हुआ था। सिख परंपरा में दीपावली का विशेष आध्यात्मिक महत्त्व है इस दिन गुरु अर्जन देव जी महाराज ने ईश्वर-भक्ति और मानवता की सेवा का संदेश दिया था, और गुरु हरगोबिंद जी की कारा-मुक्ति की स्मृति में इसे बंदी छोड़ दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके अतिरिक्त, हिंदू परंपरा में यह पर्व लक्ष्मी माता के पूजन और उनकी कृपा प्राप्ति के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। धन, समृद्धि, सुख-शांति और वैभव की देवी लक्ष्मी माता इस दिन अपने भक्तों पर विशेष कृपा दृष्टि डालती हैं। इसी दिन स्वामी रामतीर्थ को आत्मज्ञान की प्राप्ति हुई थी। अनेक धर्म परंपराओं में यह पर्व आनंद, श्रद्धा और उमंग के साथ मनाया जाता है। कार्यक्रम के दौरान युवा मनीषी रूपेश मुनि जी भक्ति भाव से ओतप्रोत भजन प्रस्तुत किया। उपप्रवर्तक पंकज मुनि श्रीजी ने मंगल पाठ सुनाया। कार्यक्रम का संचालन राजेश मेहता द्वारा किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उत्सव

बेंगलूरु के सम्यक प्रतिष्ठान द्वारा जवाहर बाल भवन कब्बन उद्यान में संस्कृत उत्सव-2025 का आयोजन डॉ बसवामहानन्द महास्वामी के सान्निध्य में किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉक्टर वनिता रामस्वामी, समारोह अध्यक्ष महेंद्र मुणोत, मुख्य वक्ता आचार्य कृष्णराज ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर संस्कृत विषय में श्रेष्ठ अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। प्रतिष्ठान के कृष्णमूर्ति एवं अन्य सदस्यों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

आत्मजागरण से खुलता है मोक्ष का द्वार : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विल्सनगार्डन जैन श्रावक संघ में साध्वी आगमश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि जब मनुष्य अपने भीतर की चेतना को जगाता है, तभी मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। आत्मा का स्वभाव शुद्ध, शांत और प्रकाशमय है, किंतु अज्ञान और कर्मों के आवरण के कारण वह अपनी ही महिमा को भूल जाती है। इस विस्मृति को दूर करने के लिए आत्म-जागरण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कि जीवन का उद्देश्य केवल सुख-सुविधाओं का भोग नहीं, बल्कि आत्मा की पहचान और शुद्धि का साधन है। साधक जब आत्म-परायण बनकर अपने विचारों, वचनों और कर्मों को संयमित करता है, तब भीतर का अंधकार मिटने लगता है। संसार की भौतिक उपलब्धियाँ क्षणभंगुर हैं, पर आत्मिक उपलब्धियाँ चिरस्थायी होती हैं। जो व्यक्ति अपने भीतर की शांति को खोज लेता है, वह बाहरी परिस्थितियों से कभी विचलित नहीं होता। समता और करुणा का भाव आत्मा को विशुद्ध बनाता है और वही भाव जीव को परमात्मा के समीप ले जाता है। जब मन, वचन और शरीर तीनों में पवित्रता आती है, तब जीवन दिव्यता का अनुभव करता है। यही धर्म का सार है।ङ्कसाध्वी धैर्याश्री ने कहा कि ज्ञान का आलोक अज्ञान के अंधकार को मिटा देता है और वही जीवन का वास्तविक दीपोत्सव है। तप आराधनाएँ आत्मा को शुद्ध करती हैं, इंद्रियों को संयमित करती हैं और नि:श्रेयस की प्राप्ति का माध्यम बनती हैं। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने साध्वीश्री का स्वागत किया।

ट्रंप ने कोलंबिया के राष्ट्रपति को मादक पदार्थों का सौदागर बताया

पाम बीच/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि वह कोलंबिया को दी जाने वाली अमेरिकी धनराशि में कटौती करेंगे, क्योंकि वहां के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो मादक पदार्थों के उत्पादन को रोकने के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में पेट्रो को ''मादक पदार्थों का सौदागर'' बताया और चेतावनी दी कि वह ''अपने मादक पदार्थ कारोबार को बंद कर लें''। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह पोस्ट फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो रिसॉर्ट में रहने के दौरान किया। यह अमेरिका और लातिन अमेरिका में उसके सबसे करीबी सहयोगियों में से एक के बीच टकराव का नवीनतम संकेत है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, कोलंबिया विश्व में कोकीन का सबसे बड़ा निर्यातक है। इस देश में कोका पत्तियों के महत्वपूर्ण घटक की खेती, पिछले वर्ष सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गई।

हाल ही में, अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा था कि वह पेट्रो का वीज़ा रद्द कर देगा, क्योंकि वह जब संयुक्त राष्ट्र महासभा के कार्यक्रम के लिए न्यूयॉर्क आए, तो उन्होंने एक विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया और अमेरिकी सैनिकों से ट्रंप के आदेशों का पालन न करने का आह्वान किया था। पेट्रो ने कहा, मैं अमेरिकी सेना के सभी सैनिकों से अनुरोध करता हूं कि वे मानवता के खिलाफ अपनी राइफल न तानें और ट्रंप के आदेशों की अवहेलना करें।

दीपावली पर्व पर मातृछाया महिला संगठन ने की साधर्मिक भक्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय 'मातृछाया' जैन महिला संगठन ने दीपावली के अवसर पर साधर्मिक भक्ति कार्यक्रम का आयोजन शंकरपुरम स्थित स्विमिंग पुल रोड पर किया गया। आयोजन में जरूरतमंद साधर्मिक परिवारों को मिठाइयां, ड्राई फ्रूट्स, अनाज एवं आवश्यक राशन सामग्री भेंट की गई। संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, यह आत्मा में करुणा, प्रेम और दया के दीप प्रज्ज्वलित करने का अवसर है। जब हम किसी जरूरतमंद के जीवन में प्रकाश फैलाते हैं, तभी सच्चे अर्थों में दीपावली मनाते हैं। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि हमारा प्रयास है कि कोई भी साधर्मी परिवार दीपावली पर्व पर अभाव का अनुभव न करे। प्रत्येक घर में प्रसन्नता, शांति और समृद्धि के दीप जलें। सचिव रेशमा बड़ोला ने जानकारी दी कि कई दानदाताओं के सहयोग से यह साधर्मिक भक्ति का आयोजन हुआ। साधर्मिक भक्ति संयोजिका पुष्पा नागोरी एवं लीला भंसाली ने कहा कि मातृछाया के सभी आयोजन आत्मीयता और अपनत्व से परिपूर्ण होते हैं।

यहां सेवा को धर्म मानकर किया जाता है, जिससे साधर्मिकता का भाव निरंतर पुष्ट होता है। सह संयोजिका नीलम ललवानी, पुष्पा बाफना, त्रिशला दांतेवाड़िया, गीता संचेती आदि ने अपने विचार व्यक्त किए ।

श्याम मन्दिर में 'अन्नकूट' का आयोजन 22 को

बेंगलूरु। शहर के श्याम मंदिर ट्रस्ट के बन्नरघटा रोड स्थित श्याम मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दीपावली के दूसरे दिन 22 अक्टूबर को दोपहर 12.30 बजे से 3 बजे तक अन्नकूट का आयोजन किया गया है। इस मौके पर मंदिर में बाबा का फूलों से विशेष श्रृंगार किया जाएगा तथा अन्नकूट का भोग लगाया जाएगा। इस दिन बाबा श्याम के दर्शन के लिए मंदिर के पट्ट पूरे दिन खुले रहेंगे। इस अवसर पर बाबा का फूलों से भव्य श्रृंगार किया जाएगा और अन्नकुट का भोग लगाया जाएगा। मंदिर कमेटी ने सभी श्रद्धालुओं से मंदिर परिसर में अनुशासन व साफ सफाई बनाए रखने का निवेदन किया है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**

RNI No. 58061/93 वर्ष - 21 अंक - 87 बेंगलूरु » सोमवार » 20-10-2025 www.dakshinbharat.com Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुभ दीपावली
ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित
शुभ दीपावली

TESSITURA MONTI INDIA PVT. LTD.

@TESSITURAMONTI.INDIA

Factory & Registered Office :

Gat No. 147, Village Tamgaon, Post - Sangavde, Tal. Karveer,
Kolhapur - Hupari Road, Dist. Kolhapur - 416202. Maharastra.
INDIA. Tel. No : +91 231 2682900 Email : info@monti.co.in

Corporate Office :

77, Jodh Towers, 4th Floor, Lalbagh Road, Bengaluru - 560027,
INDIA. Tel. No : +91 80 40500288
Email : office@monti.co.in Website : www.monti.co.in

Tessitura Monti India Pvt.Ltd.
BORN IN ITALY 1911

पृथ्वीसूक्त की भूदेवी का मानवीकृत रूप है श्रीलक्ष्मी

अशोक प्रवृद्ध
मोबाइल : 7631057837

वेद एकेश्वरवाद की महिमा गाते हैं, और आरंभ में एकमात्र निराकार ईश्वर की ही आराधना, उपासना, प्रार्थना किए जाने की परिपाटी प्रचलित थी, किन्तु इन्द्र, वरुण, प्रजापति, अग्नि, सूर्य आदि वैदिक देवता भी प्रत्येक धार्मिक कृत्य के अवसर पर पूजे जाते थे। कालांतर में विशेषकर भक्ति आन्दोलन में श्रीराम-सीता, श्रीकृष्ण-राधा आदि भी जन-जन के हृदय में आसीन हो गए, पूजनीय हो गए। श्रीराम-सीता, श्रीकृष्ण-राधा आदि वेदकाल के देवता नहीं हैं। हनुमान, भैरव आदि कुछ अन्य देवताओं की आराधना भी अत्यन्त लोकप्रिय हो गई, जो वेदकाल में ज्ञात नहीं थे। वर्तमान में इनकी पूजा आज घर-घर में बड़ी अभिलाषाओं के साथ प्रत्येक व्यक्ति द्वारा की जाती है। दीवाली के अवसर पर पूजी जाने वाली वेदकालीन देवता लक्ष्मी भी ऐसी ही हैं, जिनकी वेदकालीन पहचान ने इतना रूप परिवर्तन कर लिया कि आज वह वैदिक स्वरूप पूरी तरह अनजाना और अनचाहा हो गया।

धन की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी की पूजा का प्रमुख उत्सव दीपावली को माना जाता है। लक्ष्मी वेद कालीन देवी हैं। वे विष्णु की अर्द्धांगिनी हैं, नारायण की पत्नी हैं। लक्ष्मीनारायण की पूजा सर्वप्रचलित है। लक्ष्मीनारायण के मंदिर देश भर में सुविदित हैं, किन्तु वेद ग्रंथ, जिसका अभिगम पूर्णतः वैज्ञानिक है, उन्हें धन की देवी मात्र नहीं मानता है। वैदिक मतानुसार विष्णु विश्व के प्रतिपालक हैं। वे त्रिविक्रम हैं, विश्वरूप हैं। वेद उन्हें सूर्यमंडल में देखकर प्रणत होता है। वे आकाश का रंग धारण किए हुए हैं, गगन-सदृश हैं, मेघवर्ण हैं। उनके तीन चरण हमारी समस्त काल यात्रा को अर्थात काल गणना को नाप लेते हैं। एक चरण से वे चौबीस घण्टे के रात-दिन बनाते हैं, दूसरे विक्रम से बारह महीनों का संवत्सर बनाते हैं, तीसरे विक्रम से युग मन्वन्तर और कल्प बनाते हैं। इस त्रैलोक्य पालक देवता अर्थात वेद के प्रमुख देव सूर्य की सेविका हमारी पृथ्वी है, जो वेद की सबसे उपकारिणी देवी है। यही जीवन दान देती है, आदि काल से ही इससे निकला जल पीकर जीव-जन्तु जी रहे हैं, जो वर्ष में अनेक बार धान्यों की फसल देकर सहस्त्राब्दियों से हमें जीवन दान दे रही है। यह ब्रह्माण्ड का सुन्दरतम ग्रह है। इससे बड़ी और कोई देवी नहीं। सर्वप्रथम और सर्वाधिक यही पूज्य है। यही कारण है कि आदिकालीन ऋषियों के द्वारा वेद में इसकी महिमा का बखान अनेकशः किया गया है। अथर्ववेद के पृथ्वीसूक्त के 63 मंत्र पृथ्वी की गरिमा का गान करते हैं। यद्यपि आराधना-उपासना का वैदिक स्वरूप तो बदल गया है, तथापि इस पृथ्वी की पूजा मूर्ति रूप में आज भी होती है। मूर्ति के रूप में लक्ष्मी यही पृथ्वी है, जिसके हाथ में कमल है, अभय है, चारों दिशाओं के गहरे बादल हाथी बनकर जलधारा के कलशों से इसे नहला रहे हैं। विष्णु सूर्य हैं, नारायण आकाश का रंग धारण किए लक्ष्मी के पति हैं, लक्ष्मी उनके चरण

दबाती है। आज भी लोग प्रातःकाल उठते समय विष्णु की पत्नी पृथ्वी से हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हुए कहते हैं- विष्णुपत्नि नमस्तुयं पादस्पर्शं क्षमस्व मे। यह पृथ्वी सूर्य के सुनहले प्रकाश में चमकती हुई हिरण्यवर्णा है, उसका रंग चमकदार पीला है। इसीलिए लक्ष्मी कान्त्या कांचन संनिभा है। उसकी खानों में से सोना निकलता है- यस्यां हिरण्यं विन्देयम। वैदिक ग्रंथों में इसी सूर्य और भूदेवी के जोड़े के अराधना की उपदेश दी गई है। मूर्तिपूजा की परिकल्पना में वर्तमान में वह लक्ष्मी और नारायण का जोड़े में परिणत हो गया है। विज्ञान और तार्किक चिंतन को आराधना के चासनी में डुबोये जाने से ब्रह्मांडीय तत्वों के देवता बनने का यह तथ्य एक सुंदर और रोमांचकारी उदाहरण है।इस प्रकार यह स्पष्ट है कि लक्ष्मी अथवा श्री पूरी तरह माता पृथ्वी का मानवीकृत रूप है। वेद का श्री सूक्त इसका प्रत्यक्ष उदहारण है, जो वर्तमान में लक्ष्मी की आराधना का सर्वाधिक प्रभावी साधन माना जाता है, और जिसके मंत्र का उच्चारण कर-करके वर्तमान में पूजा-पाठ कर अपनी आजीविका चलाने वाले पुरोहित लोग धन की कामना वाले यजमानों से खीर की सोलह आहुतियां दिलवाते नहीं थकते हैं। इस सूक्त के सभी मंत्र स्पष्टतः पृथ्वी को ही अभिहित करते हैं, अर्थात धरती माता को ही इंगित करते हैं, क्योंकि इनको पृथ्वी की स्तुति माने बिना इन मंत्रों का अर्थ ही नहीं लगेगा। श्री और लक्ष्मी उसी के दो स्वरूप अर्थात दो अवस्थाएं हैं- सूर्योन्मुख प्रकाशमान, और प्रकाशरहित। श्री सूक्त के सर्वाधिक प्रचलित मंत्र के अनुसार वह शुद्ध गोबर से लिपी हुई है, गन्ध उसका गुण है, वह हर बार नई-नई फसलें पैदा कर सकती है, नित्य पुष्ट होकर समस्त प्राणियों का पोषण करती है-

गन्धशरां दुराधर्षां नित्यपुष्टां करीषिणीम।
ईश्वरीं सर्वभूतानां तानिहोपह्वये श्रियम।।
-श्रीसूक्त 9

अर्थात- हे जातवेदो, मेरे लिए आह्वान करें कि लक्ष्मी जो सभी सुगंधों की स्रोत हैं, जिनके पास जाना मुश्किल है, जो हमेशा बहुतायत से भरी रहती हैं और जहां भी वह खुद को प्रकट करती हैं, वहां बहुतायत का अवशेष छोड़ देती हैं। सभी प्राणियों में शासन करने वाली शक्ति कौन है; कृपया उसे यहाँ आमंत्रित करें, जो श्री का अवतार है।

श्रीसूक्त में श्री को चन्द्रां, सूर्यां आदि कहा गया है। सूक्त में कहा गया है- आर्द्रां ज्वलन्तीं। (श्रीसूक्त 4) वह गीली भी हो जाती है, गर्मी। उसके दो पुत्र बताए गए हैं- कर्दम और चिक्लीत। आनन्द, कर्दम चिक्लीत श्री सूक्त के ऋषि भी कहे जाते हैं। कर्दम है दलदल और चिक्लीत -नमी। ये ही पृथ्वी के उपजाऊ तत्त्व हैं।

आनन्द है प्राणवायु। सूक्त के अनुसार आपकी वनस्पतियां और वृक्ष हमारे हितकारी हैं -तव वृक्षोऽध बिल्वः- छठा मंत्र। ये सब पृथ्वी से संबंधित हैं। वर्तमान में परिकल्पित व प्रचलित लक्ष्मी की मूर्ति से इनकी संगति ठीक बैठती है। आखिर प्रतीक अर्थ लेकर ही तो विष्णु (विश्व के स्वामी) और लक्ष्मी की आराधना की जाती रही है। पौराणिक ग्रंथों में वर्णित विष्णु के आयुधों, वाहनों, अंगों आदि में विज्ञान और आस्था का अद्भुत समन्वय परिलक्षित होता है।

कहा जाता है- 'श्रीश्च ते लक्ष्मीश्च पत्यौ।' ये ही हैं -अहोरात्रे पार्श्वे, जो विष्णु के आदित्य रूप के दो आयाम हैं, दोनों ओर हैं। भारतीय परंपरा, साधना पद्धति इसी दृष्टि से बुद्धि, तर्क, ज्ञान- विज्ञान और आस्था, विश्वास, अध्यात्म और भावना को भी आदर देती है, सम्मान करती है। यह सहस्त्राब्दियों से चली आ रही सनातन परंपरा है, उसमें आधार का नहीं, बल्कि सिर्फ आचार का परिवर्तन होता रहता है। युगानुरूप परिवर्तन को नकारा नहीं जा सकता। वह परिवर्तन ही तो सनातनता का रहस्य है। नूतन- पुरातन अर्थात नया ही पुराना होता है। यही कारण है कि अनेक वेदकालीन परम्पराएं आज भी किसी न किसी रूप में भारतीय जनजीवन में घुली मिली लगती हैं। अथर्ववेद के पृथ्वी सूक्त की पृथ्वी अर्थात भूदेवी श्री सूक्त की श्री देवी बन गई, फिर यक्ष संस्कृति की कुबेर लक्ष्मी बनी, आज धनलक्ष्मी बनी हुई है, किन्तु आज भी गांव-गांव दीपोत्सव के दिन लक्ष्मी पूजन में पृथ्वी से जुड़े हुए मिट्टी के बर्तनों (हटडी, कुल्हड़ आदि) में फसलों से उपजे धान्य (खील, लाई आदि) ही रखे जाते हैं। लक्ष्मी के ये सारे रूप हमारे पूज्य हैं।

वह धनलक्ष्मी, धान्यलक्ष्मी, गजलक्ष्मी, सौभाग्यलक्ष्मी, सौन्दर्यलक्ष्मी आदि न जाने कितने रूपों में देश में पूजी जाती है। आज भी तिरुपति के वेंकेटेश्वर मन्दिर में श्रीपति के साथ भूदेवी विद्यमान है। यह क्रम न जाने कितनी सदियों से चल रहा है कि नये प्रयोग उभरते हैं, कुछ रूढ़ियां जन्म लेती हैं, कुछ युग के तकाजे में दबकर समाप्त हो जाती हैं, किन्तु परपरा सनातन रहती है, वह रूपान्तरित भले हो जाए, समाप्त नहीं होती। भारत की भारतीयता है।

May this festival of lights fill your life with peace and prosperity!
With best wishes from
Asharam Sarda
Sudarshan Enterprises
Basant Silk Centre
No. 16, Basavanna Lane, K. R. Settypet, Bangalore - 560 002
Ph: (080) 2227 6301 / 4169 7074 (M) +91 93412 41392
Natraj Cables
No. 31/1, Huriopet, Laxman Rao Road, Bangalore - 560 053
Ph: (080) 4866 4790 (M) +91 98800 26790
Sudarshan Creations
No. 65, 66 & 67, 2nd Floor, Madhav Rukmini Complex, Avenue Road, Bangalore - 560 002
Ph: (M) +91 98451 83005

दीपमाला के पावन पर्व पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं
शुभकामनाओं सहित
Urja KUTEER
93537 43575
Heal Any area of your life
Netu Jain
Fall in love with taking care of yourself, Mind, Body and Soul
Access Bars Scanning (Touch Therapy) | Aura Scanning
Counselling (Relationship Career) | Chakra Healing (Balancing)
Energy Healing | Numero, Astro (Horoscope) I Vastu
SANKALP BUSINESS BAY, 306, 3rd Floor
Magadi Road, Near Sangoli Rayanna Metro Station
Bengalure 560 023, Ph : 9353743575
DINESH JAIN (LODHA) 98450 23999
DINESH ASSOCIATES
AUDITOR & TAX CONSULTANT
dineshassociate@gmail.com • www.dineshassociate.com
311, 3rd Floor, Sankalp Business Bay,
Opp. ETA Garden Apartments, Binnypet, Bangalore 23.

दिवाली के दिन घर की इन जगहों पर जलाएं दीपक

दिवाली के दिन पूजा पाठ के साथ-साथ दीपक जलाना भी बहुत शुभ माना जाता है। इस दिन दीपक जलाने से घर से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और सकारात्मक ऊर्जा आती है। साथ ही मां लक्ष्मी का आगमन होता है।

दवाली का उत्सव पांच दिनों तक चलता है। धनतेरस से शुरू हुआ दिवाली का ये त्योहार भाई दूज के साथ खत्म होता है। हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि के दिन दिवाली मनाई जाती है। इस विषेश अवसर पर माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन माता लक्ष्मी और भगवान गणेश जी की पूजा करने से घर में कभी धन की कमी नही होती। इस साल दिवाली का यह त्योहार 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। दिवाली के दिन पूजा पाठ के साथ-साथ दीपक जलाना भी बहुत शुभ माना जाता है। इस दिन दीपक जलाने से घर से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और सकारात्मक ऊर्जा आती है। साथ ही मां लक्ष्मी का आगमन होता है। ऐसे में आइए जानते हैं दिवाली के दिन घर के किन स्थानों पर दीपक जलाना चाहिए।

घर के आंगन में

दिवाली के दिन घर के आंगन में दीपक जलाना चाहिए। इससे घर से घर से नकारात्मक उर्जा दूर रहती है। साथ ही घर में कभी धन की कमी नहीं होती। जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

घर के मुख्य द्वार पर

दिवाली के दिन घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाना चाहिए। इसका विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो भी ऐसा करता है उसके घर में धन-समृद्धि बढ़ती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

घर की रसोई में

दिवाली के दिन घर की रसोई में भी दीपक जलाना बहुत शुभ माना जाता है। इस दिन घर की रसोई में दीपक जलाना चाहिए। इससे मां अन्नपुर्णा का आर्शीवाद बना रहता है।

तुलसी के पास

दिवाली के दिन तुलसी के पास दीपक जलाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि तुलसी के पास दीपक जलाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। इससे जीवन में सुख शांति बनी रहती है।

दिवाली पर बनेगा नवपंचम राजयोग

ज्योतिष के अनुसार ग्रह विशेष कोण पर गोचर करते हैं, तो वे अद्भुत शुभ योगों बनाता है। इसका प्रभाव व्यक्ति, समाज और राष्ट्र तक देखा जाता है। इस साल दिवाली के अवसर पर ऐसा ही एक अत्यंत शुभ योग नवपंचम राजयोग बन रहा है। यह सौभाग्य, धन और सफलता का संकेत दे रहा है। 14 अक्टूबर की शाम 7 बजकर 34 मिनट पर शुक्र और अरुण (यूरेनस) ग्रह एक-दूसरे से 120 डिग्री के कोण पर रहेंगे। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस समय अरुण ग्रह वृषभ राशि में और शुक्र कन्या राशि में स्थित रहेंगे। यह संयोग कई राशियों के लिए सकारात्मक परिणाम लाएगा।

मिथुन राशि

नवपंचम राजयोग मिथुन राशि वालों के लिए खुशी और समृद्धि लेकर आएगा। शुक्र ग्रह आपकी राशि से चतुर्थ भाव में गोचर करेंगे, जिससे पारिवारिक जीवन में सौहार्द और आर्थिक स्थिरता बढ़ेगी। लंबे समय से अटके हुए विवाद सुलझेंगे। नया वाहन या संपत्ति खरीदने के योग बनेंगे। नौकरीपेशा जातकों को प्रमोशन और सम्मान मिलने के संकेत हैं।

सिंह राशि

यह राजयोग सिंह राशि के लिए अत्यंत शुभ है। आपकी राशि से धन भाव में यह योग बन रहा है, जिससे आकस्मिक धनलाभ और करियर में उन्नति के प्रबल योग हैं। व्यवसायियों को नए अवसर मिलेंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आपकी वाणी में आकर्षण रहेगा, जिससे प्रतिष्ठा और प्रभाव बढ़ेगा।

कुंभ राशि

कुंभ राशि के जातकों के लिए यह समय भाग्यवृद्धि और प्रगति का है। शुक्र का अष्टम भाव में गोचर नए अवसरों और परिवर्तन का सूचक है। विदेश यात्रा, नई नौकरी या निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। वरिष्ठ पदों पर कार्यरत लोगों को लीडरशिप रोल मिल सकता है। यह समय वाहन या संपत्ति खरीदने के लिए भी शुभ रहेगा।

MARVEL DESIGNS
END-TO-END RAILING & FACADE SOLUTIONS
OUR EXPERTISE INCLUDES :
• Aluminium & SS Railings (Balcony | Staircase | Terrace)
• Aluminium & uPVC Windows
• Aluminium Glass Partitions
• Soffit Ceilings
• Baffie Panels for Facades & Ceilings
• ACP Cladding & Structural Glazing
• Shower Cubicles
WHY CHOOSE MARVEL DESIGNS
• Hassle-Free Execution
• Premium Quality & Finish
• Experienced Installation Team
• Timely Delivery
• Trusted by Builders & Architects
WHY CHOOSE MARVEL DESIGNS?
Your Finishing Partner in Every Project.
SOLUTIONS FOR BUILDERS | ARCHITECTS CONTRACTORS
We partner with you to deliver modern, safe), stylish finishes across all project types.
"You build the structure. We elevate the finish"
SERVING PROJECTS ACROSS SOUTH INDIA
Apartments | Villas
Commercial | Institutional
LET'S CONNECT
Call / WhatsApp:
88611 07271
91646 26737
Email: marveldesigns21@gmail.com

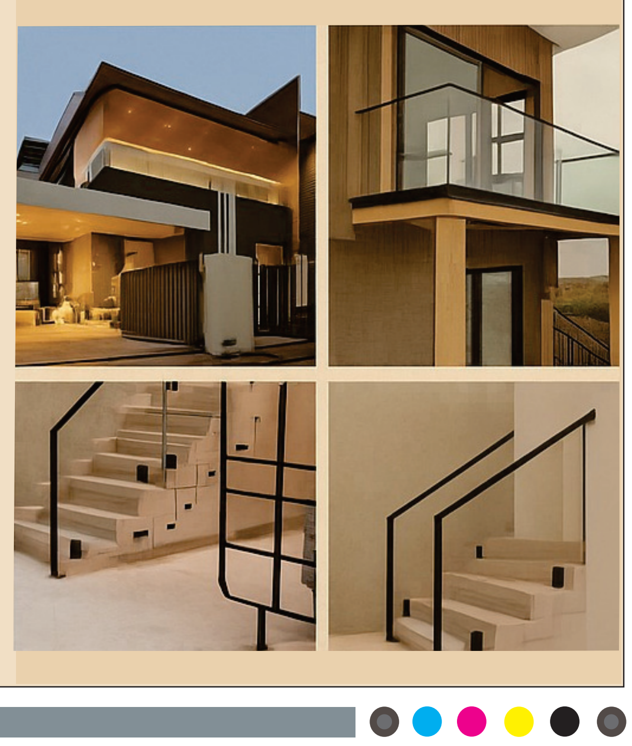

धन की देवी, बुद्धि के देवता... दिवाली पर क्यों होती है मां लक्ष्मी के साथ श्रीगणेश की पूजा?

दिवाली एक ऐसा त्योहार है, जिसे पूरे देश में उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की जीत के रूप में मनाया जाता है। इस दिन लोग ना सिर्फ घरों को दीपों से रोशन करते हैं, बल्कि द्वार पर रंगोली, फूलों और बिजली की लड़ियों से भी सजावट करते हैं। वहीं, दिवाली की रात मां लक्ष्मी और भगवान गणेश जी की पूजा की जाती है।

हालांकि हर किसी के मन में यही सवाल उठता है कि अगर दिवाली का त्योहार भगवान श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण के घर लौटने की खुशी में मनाया जाता है तो इस दौरान माता लक्ष्मी व श्री गणेश जी की पूजा क्यों की जाती है। चलिए जानते हैं इससे जुड़ी पौराणिक कथा...

हिंदू धर्म में भगवान गणेश बुद्धि और मां लक्ष्मी धन-समृद्धि की प्रतीक मानी जाती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी वैकुंठ में बातें कर रहे थे। तभी देवी ने कहा कि मैं धन, समृद्धि, सौभाग्य, ऐश्वर्य प्रदान करती हूं इसलिए मेरी पूजा करना सर्वोत्तम है। भगवान विष्णु ने देवी के बातों में अभिमान को भाप लिया। इस पर भगवान ने कहा कि देवी आप सर्वश्रेष्ठ हैं, लेकिन मातृत्व के बिना एक स्त्री का नारीत्व अधूरा माना जाता है। यह सुनकर मां लक्ष्मी बहुत निराश हो गई और अपने नारीत्व को पूरा करने के लिए वह देवी पार्वती के पास पहुंचीं। मां पार्वती के 2 पुत्र थे इसलिए देवी लक्ष्मी ने उनसे एक पुत्र गोद देने के लिए कहा। मां पार्वती ने देवी लक्ष्मी के दर्द को समझते हुए श्री गणेश उन्हें

सौंप दिया। तब मां लक्ष्मी ने कहा कि उनकी पूजा के बाद श्रीगणेश जी की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि का वास होगा। यही कारण है कि दिवाली के दिन मां लक्ष्मी के साथ श्रीगणेश की पूजा की जाती है।

ग्रीन पटाखे से प्रदूषण कम होता है?

हर साल रोशनी का पर्व दीवाली अपने साथ धुआं, शोर और जहरीली हवा भी छोड़ जाता है। इसी बीच, कुछ सालों से बाजार में एक नया नाम खूब सुर्खियों में है – ग्रीन पटाखे सुनने में ये पर्यावरण के रक्षक लगते हैं, लेकिन क्या ये सच में हवा को साफ रखते हैं या फिर सिर्फ नाम के 'ग्रीन' हैं? ग्रीन पटाखे ऐसे ईको-फ्रेंडली पटाखे हैं जिन्हें सीएसआईआरनीरी यानी नेशनल एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट ने विकसित किया है। इनका डिजाइन इस तरह से किया गया है कि ये पारंपरिक पटाखों की तुलना में कम धुआं और प्रदूषण फैलाते हैं। इनमें कम कच्चा माल, छोटा शेल आकार और राख रहित पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही, इनमें ऐसे तत्व मिलाए जाते हैं जो धूल को दबाते हैं और सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड व पार्टिकुलेट मैटर जैसे हानिकारक गैसों के उत्सर्जन को घटाते हैं। सामान्य पटाखों में सीसा, बेरियम और एल्युमिनियम जैसी भारी धातुएं होती हैं, जो जलने पर वायु और स्वास्थ्य दोनों के लिए खतरनाक होती हैं। वहीं, ग्रीन पटाखों में जियोलाइट और आयरन ऑक्साइड जैसे पदार्थ शामिल होते हैं, जो रासायनिक मिश्रण को नियंत्रित कर प्रदूषण को कम करते हैं।

इसलिए ये सामान्य पटाखों की तुलना में लगभग 30% कम प्रदूषण फैलाते हैं और अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प माने जाते हैं। ये पूरी तरह प्रदूषण-मुक्त नहीं हैं, लेकिन सामान्य पटाखों की तुलना में हवा में फैलने वाला धुआं और झच10 व झच2.5 जैसे सूक्ष्म कण लगभग 25-30% कम उत्सर्जित करते हैं।

दीपोत्सव के लिए तैयार अयोध्या, राम मंदिर दर्शन के 'स्लॉट' लगभग पूरी तरह बुक

अयोध्या में दीपोत्सव को लेकर भक्तों का उत्साह चरम पर है। अधिकारियों और होटल मालिकों ने बताया कि राम मंदिर में दर्शन के लिए ऑनलाइन 'स्लॉट' 29 अक्टूबर तक लगभग पूरी तरह से बुक हो चुके हैं। पिछले 8 वर्षों में अयोध्या का दीपोत्सव विश्व प्रसिद्ध आयोजन बन चुका है। सरयू नदी के किनारे और प्रमुख मंदिरों में लाखों दीप जलाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए गए हैं। राम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार कि इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में ऑनलाइन बुकिंग हुई हैं। बुकिंग खुलने के कुछ ही घंटों में हजारों पास बुक हो गए। ऑनलाइन पास की अगली बुकिंग 29 अक्टूबर की आधी रात को फिर से शुरू होगी। ट्रस्ट ने बताया कि रामलला और राजा राम दरबार के दर्शन को आसान और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रतिदिन करीब 300 ऑनलाइन और 3,000 ऑफलाइन वीआईपी पास जारी किए जा रहे हैं। इनमें सुबह-शाम की आरती के स्लॉट शामिल होते हैं। वीआईपी दर्शन की बढ़ती मांग के कारण ट्रस्ट कार्यालय व हेल्पलाइन पर कॉल करने व पूछताछ करने वालों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। आतिथ्य क्षेत्र में भी जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। अयोध्या के अधिकांश होटल दीपोत्सव सप्ताह के लिए पूरी तरह से बुक हो चुके हैं। विशेष रूप से 18 और 19 अक्टूबर की बुकिंग पूरी तरह से भर गई है। एक स्थानीय होटल मालिक विशाल गंजूर ने बताया कि लोग रोजाना बुकिंग के लिए हमसे पूछताछ कर रहे हैं, लेकिन इस महीने के अंत तक हमारे सभी कमरे पहले ही बुक हो चुके हैं।

भगवान राम के 14 वर्षों के वनवास के बाद अयोध्या लौटने की स्मृति में मनाया जाने वाला दीपोत्सव हर वर्ष अयोध्या का प्रमुख पर्व होता है। इस बार देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। दिवाली, अयोध्या के लिए विशेष महत्व रखती है, क्योंकि रामायण के अनुसार यही वह दिन था जब भगवान राम, देवी सीता और लक्ष्मण वनवास समाप्त कर अयोध्या लौटे थे।

यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। हर वर्ष की तरह, इस बार भी अयोध्या शहर को अनगिनत मिट्टी के दीयों से रोशन किया जाएगा, जो भगवान राम के स्वागत की पौराणिक कथा को जीवंत करता है। इस वर्ष दिवाली 20 अक्टूबर को मनाई जाएगी और दीपोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। पूरा शहर भव्य लाइटिंग, विषय आधारित सजावट और रामायण के दृश्यों पर आधारित सांस्कृतिक झांकियों से सजाया जा रहा है।

पिछले 8 वर्षों में अयोध्या का दीपोत्सव विश्व प्रसिद्ध आयोजन बन चुका है। सरयू नदी के किनारे और प्रमुख मंदिरों में लाखों दीप जलाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए गए हैं। राम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार कि इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में ऑनलाइन बुकिंग हुई हैं। बुकिंग खुलने के कुछ ही घंटों में हजारों पास बुक हो गए। ऑनलाइन पास की अगली बुकिंग 29 अक्टूबर की आधी रात को फिर से शुरू होगी।

प्रभु महावीर के निर्वाणोत्सव पर
उनके श्रीचरणों में कोटिश नमन
शुभ दीपावली
झिलमिलाते दीपों की रोशनी से प्रकाशित
यह दीपावली आपके घर परिवार में
सुख समृद्धि और आशीर्वाद लेकर आए
माँ लक्ष्मी करें आपकी सभी इच्छाएं साकार,
यही हमारी मंगलकामनाएं बारम्बार।।
हेल्पिंग हैंड्स
जैन यूथ ऑर्गनाइजेशन, मैसूरु
अध्यक्ष – महावीर खाबिया
कोषाध्यक्ष – राजन बाघमार
मनोहर सांखला
एवं
कबूतर दान टीम, मैसूरु

दीपावली एवं नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
शुभ दीपावली
आइए इस दीपावली पर हम अपने जीवन के साथ साथ किसी एक व्यक्ति के जीवन में भी उत्साह व उल्लास का दीप अवश्य जलाएं। तभी सही मायने में दीपावली मनाने का आनंद आएगा।
हमेशा मानवसेवा, दीनबंधु सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा पर्यावरण संरक्षण के लिए सदैव कार्यरत
Vijai Sambhav Foundation
Bangalore
मानवसेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा व सहयोग में कार्यरत
Team Vijai Sambhav Foundation
vijaisambhavfoundation@gmail.com
Mobile : 9343381681

सभी देशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
दीपमाला पर्व का झिलमिल प्रकाश
आपके जीवन में सुख, समृद्धि और ऐश्वर्य की अभिवृद्धि करें
शुभकामनाओं सहित
मानव सेवा समिति, बेंगलूरु
MANAV SEVA SAMITI, BENGALURU
संस्थापक सदस्य
• अभय चौधरी
• भगवत अग्रवाल
• भरत भाटिया
• कृष्ण गोयल
• महेश अग्रवाल
• मनीष अग्रवाल
• मनीष भाटिया
• मनोज बजाज
• मुरली सर्राफ
• एन के गुप्ता
• नरेश अग्रवाल
• प्रमोद बंसल
• प्रशांत सुराना
• राजेंद्र अग्रवाल
• राजेश अग्रवाल
• राकेश गोयल
• संजीव अग्रवाल
• सुरेश गोयल
• सुशील अग्रवाल
• टेकचंद तंवर

दीपोत्सव की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं
मा लक्ष्मी से कामना करते हैं कि दीपों का प्रकाश आप सभी के जीवन में सुख, खुशहाली, समृद्धि व ऐश्वर्य की बरसात करें और आपका जीवन दीपों के प्रकाश की भांति हमेशा प्रकाशमान व प्रज्वलित रहें
मानवसेवा ही सच्ची सेवा है
आइए, अपने सहयोग और प्रेम से किसी जरुरतमंद के घर भी खुशियों व आशा के दीप जलाएं
सतीश मित्तल एवं परिवार
स्वास्तिक सेवा संघ, बेंगलूरु

SHRI BABULAL GUPTA FOUNDATION
शुभ दीपोत्सव
Was incorporated in 2007 to empower the women and youth in Kolia(Rajasthan) and Bangalore
Beauty Parlour,
Tailoring & Stitching
For Needy Women
Eye Camp for Needy
Youth Computer Training
Annual Fellowship
Tree Plantation
Mass Marriage
Sukanya Samriddhi Yojana
Ration Distribution
Artificial Limbs
Cancer & Kidney Treatment
Contact us : 98451 06290, 98450 35920, 94852 11387
Follow us on Instagram : @shribabulalguptafoundation

दीप पर्व पर उज्ज्वल भावों से भी जगमग हो स्त्रीमन

दीपोत्सव की चमक-दमक में भीतरी जगमग को कायम रखने की सोचें। यह त्योहार सुख-समृद्धि के हर पहलू से जुड़ा है। निरोगी काया से लेकर धन-दौलत और रिश्तों तक, सकारात्मक सोच से अपनी झोली में उजाला भर लेने का उत्सव है। जो हर तरह के अंधकार पर विजय का संदेश लिए है। फिर क्यों ना दीयों की चमक के बीच अनुभूतियां भी प्रकाशित हों? निराशा या भविष्य की चिंता से स्त्री मन उलझनों से घिर जाये तो सकारात्मकता व उत्साह की रोशनी से जिंदगी जगमग करें।

दीपावली, घर-आंगन को जगमगाने का ही पर्व नहीं, अपनी जिंदगी में प्रकाश पोसने का भी उत्सव है। लोक में फैले आलोक के बीच थोड़ी सी आभा अपने लिए सहेज लेने का का वक्त है। झिलमिल सजावट और दीयों की जगमगाहट के उजाले में अपनी सज-धज के लिए सजग रहने का समय है। इसीलिए प्रकाश पर्व की जगमग वाली त्योहारी शृंखला की शुरुआत पर मन के माहौल को भी समझो। अपने व्यक्तित्व की आभा को आंकते हुए निखार-संवार की सोचो। भावनाओं की ज्योति से भविष्य की बेहतर संभावनाओं का मार्ग तलाशो। मत भूलो कि उम्र के हर पड़ाव पर मन-जीवन का उजास और उल्लास से भरे रहना जरूरी है।

दीप पर्व की चमक-दमक में भीतरी जगमग को कायम रखने की सोचें। दीपपर्व बाहरी ही नहीं, भीतरी प्रसन्नता को खुलकर जीने की चमक साथ लाता है। अपना आंगन हो या आस-पड़ोस, स्वच्छता और परम्परागत संस्कारों की रोशन रिवायतों के बीच मन के कोने-कोने को उज्ज्वल बनाने की ठानें। मन को संयत रखने से जो आंतरिक चमक आती है, वह त्योहारी मौसम के बाद भी आपको खुशी की दीप्ति से लबरेज रखेगी। सोचिए कि सब कुछ संवारते-सजाते हुए आप ही टूटी बिखरी सी हैं तो आंगन की चमक के मायने? उत्सव के उल्लास का क्या अर्थ? दीपावली का त्योहार तो सुख-समृद्धि के हर पहलू से जुड़ा है। निरोगी काया से लेकर धन-दौलत और रिश्तों के रंग बनाये रखने तक, सकारात्मक सोच से अपनी झोली में उजाला भर लेने का उत्सव है। जो हर तरह के अंधकार पर विजय पाने का संदेश लिए है। फिर क्यों ना दीयों की बाती से बिखरती चमक के बीच अनुभूतियां भी प्रकाशित हों? आज के उलझते-बिखरते जीवन में उत्साह की इस रोशनी से अपनी जिंदगी को भी जगमग करने की राह चुनें। हर तरह की साज सज्जा में अपने प्रति स्वस्ति कामना का भाव भी जरूर हो।

कभी-कभी दिल शिकायतों के अंधकार से भर जाता है। चाहे-अनचाहे मन डूबने लगता है। परिवेश में फैली त्योहारी रोनक की उजास में अपने जीवन से जुड़ी छोटी-बड़ी बातों को लेकर निराशा का अंधेरा घेरने लगता है। कभी बीते वक्त से जुड़ा अपराधबोध तो कभी भविष्य की चिंता। स्त्री मन उलझनों के स्याह दायरे में आ ही जाता है। कुछ कमी होने के ख्यालों के बीच हमारा मस्तिष्क जो कुछ है, उसे भी नहीं देख पाता। इस मन:स्थिति में घिरी हैं तो अपने आसपास देखने पर पाएंगी कि कहीं किसी जर्जर घर के द्वार पर दीपक की ज्योत मुस्कुरा रही है। हर दिन अनगिनत उलझनों को जीने वाले लोगों की बस्तियां भी झिलमिल उजास की सजावट लिए हैं। अभावों से जूझ रहे लोगों के आंगन में भी रंगोली उकेरी जा रही हैं। सालभर अपनों से दूर रहने वाले लोग गांव-घर लौट रहे हैं। यह अवलोकन आपके मन में नयी ऊर्जा की ज्योति जलायेगा। आप हर परेशानी को भूल जीवन में मिली ब्लेसिंग्स को देख पाएंगी। दीप्ति बिखेरते दीयों की कतारों के बीच अपने मन को बोझिल होने से बचाने लिए आभार का यह भाव आवश्यक है। प्रकाश पर्व मनाने की सबसे सुंदर और सार्थक रीत यही है कि मन में पॉजिटिविटी की छटा बिखर जाए।

मां लक्ष्मी की उपासना का पर्व अपने व्यक्तित्व को सजाने-संवारने से भी जुड़ा है। रूप को आलोकित करने के लिए बाकायदा रूप चौदस का दिन एक के बाद एक मनाये जाने वाली इस त्योहारी कतार का हिस्सा है। आप तो खुद गृहलक्ष्मी हैं। सेहत की संभाल हो या निखार-संवार, खुद की अनदेखी कभी ना करें। सुख-समृद्धि को बटोरते जाने के बजाय उसे जीने का भाव लाएं। आमतौर पर स्त्रियां सब कुछ जुटाती जाती है। सहेजकर रखने का भाव अच्छा है पर जीवन की सहजता में कटौती करना उचित नहीं। खुशी, सुकून और सौभाग्य का प्रकाश हर ओर फैलाने वाले दिवाली पर्व पर धन की देवी लक्ष्मी और ज्ञान की देवी सरस्वती का पूजन किया जाता है। साथ बुद्धि के देवता गणेश भी पूजे जाते हैं। जिसका अर्थ यह है कि गृहलक्ष्मी के रूप में हर स्त्री दायित्व निर्वहन की भागदौड़ में ही गुम ना रहे बल्कि विवेकशील सोच भी रखे। आपाधापी भरे जीवन को ज्ञान के साथ संभाले। अपनी प्रतिभा से उलझनों को सुलझाए। दीपावली का त्योहार आध्यात्मिक, धार्मिक, परम्परागत और व्यावहारिक जीवन के हर पहलू को जगमग करने का उत्सव है। आपकी समझदारी और सूझबूझ से ही घर का आंगन जगमगाता है। याद रहे कि इसमें स्वयं आपके अस्तित्व और व्यक्तित्व की सुघड़ता और सुंदरता भी शामिल है।

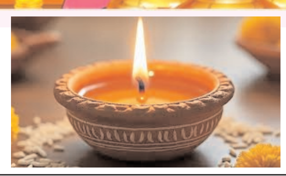

Gautam Lohiya - President
Ayush Bhimsaria - Secretary
Gopal Goyal - Treasurer
For Membership Contact – M: 89045 27310
Marwari Yuva Manch
Central Bangalore

आप सभी को दीपोत्सव एवं नूतन वर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं

आप सभी के साथ व सहयोग से मानवसेवा व समाजसेवा में
दृंढ संकल्प के साथ प्रगति की ओर अग्रसर मायुमं बेंगलूरु
समस्त कार्यकारिणी समिति एवं सदस्यगण
मारवाड़ी युवा मंच, बैंगलोर
MARWARI YUVA MANCH, BANGALORE

हमारे सभी ग्राहकों, शुभचिन्तकों, परिचितों एवं हितैषियों को
दीपमाला के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

BEST WISHES :-
SUSHIL KUMAR JINDAL
ABHISHEK JINDAL
SHIVEK JINDAL

Our Strength

Late Shri Mohanlal Jindal

JINDAL STEELS

Distributors of
TMT Bars/MS Channels/MS Angle /MS Round
MS Billets/MS Beam/HR Plates/MS-GI Pipes & Tubes

-: Authorised Distributor of :-

SêQR TMT BARS FOR SAFE HOMES
सेल SAIL
Steel Authority of India Limited
Rashtriya Ispat Nigam Limited

: OFFICE :
No. 110/7, Krishnappa Layout, Lalbagh Road, Bangalore 560 027
Ph : +91 96115 57557 , +91 95914 21062,
email : sales@jindalsteels.co.in

RNI No. 58061/93 | वर्ष - 21 | अंक - 87 | बेंगलूरु » सोमवार » 20-10-2025 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुभ दीपावली | ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित | शुभ दीपावली

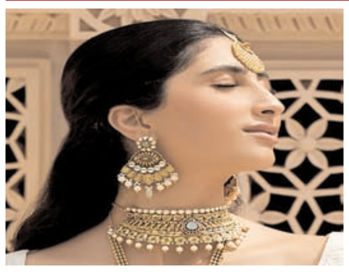

एशिया में मांग बढ़ने से सोना 4,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है

बेंगलूरु। वैश्विक केंद्रीय बैंक की सतत खरीद, लगातार भू-राजनीतिक तनाव और मजबूत एशियाई मांग से विदेशी बाजारों में सोने की कीमतों में तेजी जारी रहने और इसके 4,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने का अनुमान है। मुम्बई के मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष अब तक रिटर्न के मामले में सोने से बेहतर प्रदर्शन करने वाली चांदी की कीमत के मजबूत औद्योगिक खपत एवं बढ़ती आपूर्ति घाटे से करीब 75 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने का अनुमान है।

वर्ष 2025 में सोने की कीमत 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ी और 4,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार कर गई । इस वर्ष 35 से अधिक बार यह रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंची। सोने में तेजी वैश्विक अनिश्चितता, इस वर्ष के अंत में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों और केंद्रीय बैंक के निरंतर संचय के मिश्रण से प्रेरित हैं। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एमओएफएसएल) के जिंस एवं मुद्रा विश्लेषक मानव मोदी ने कहा, सोने की शानदार तेजी, राजकोषीय अनिश्चितता और कमजोर डॉलर से लेकर केंद्रीय बैंकों द्वारा रणनीतिक विविधीकरण तक, व्यापक बदलावों के संगम को दर्शाती है। एशिया इस नए मौद्रिक संरेखण के केंद्र के रूप में उभर रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सोने की कीमत पिछले सप्ताह 1.20 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई। भविष्य में यह 1.35 लाख रुपये तक पहुंच सकती है। दूसरी ओर चांदी जो इस साल अब तक 60 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है... उसके घरेलू बाजार में 2.3 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ने का अनुमान है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के जिंस एवं मुद्रा के शोध प्रमुख नवनीत दमानी ने कहा, केंद्रीय बैंकों का विविधीकरण सर्राफा बाजार को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। पहली बार, संस्थागत मांग और संप्रभु संचयन दीर्घकालिक मूल्य सृजन के साथ संरेखित हैं।

मानव मोदी और नवनीत दमानी ने कहा कि सोने का भाव कॉमेक्स पर 4,000 डॉलर प्रति औंस और घरेलू स्तर पर 1,20,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच चुका है। उन्होंने कहा, ''हालांकि सुधार के दौर सामने आ सकते हैं लेकिन सर्वकालिक उच्च स्तर से ऊपर बने रहने पर कीमतें कॉमेक्स पर 4,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती हैं। यदि यह मान लिया जाए कि डॉलर/रुपया 89 पर है तो दीर्घकालिक दृष्टिकोण से घरेलू स्तर पर कीमतें 1,35,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती हैं।''

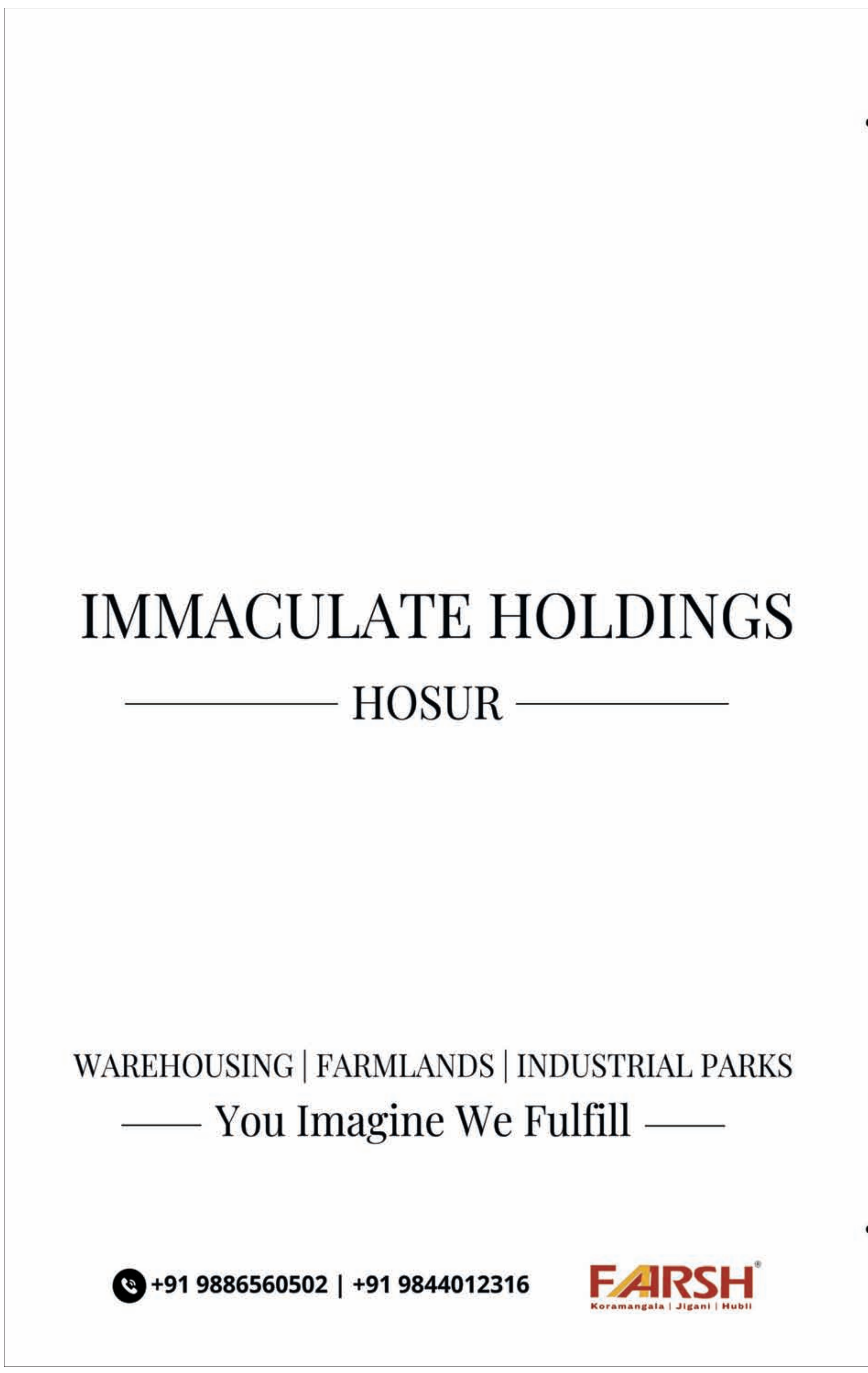

लक्ष्मी के रूप में समाई प्रकृति

प्रमोद भार्गव
मोबाइल : 9981061100

समुद्र-मंथन के दौरान जिस स्थल से कल्पवृक्ष और अप्सराएं मिलीं, उसी के निकट से महालक्ष्मी मिलीं। ये लक्ष्मी अनुपम सुंदरी थीं, इसलिए इन्हें भगवती लक्ष्मी कहा गया है। श्रीमद् भागवत में लिखा है कि अनिंद्य सुंदरी लक्ष्मी ने अपने सौंदर्य, औदार्य, यौवन, रंग, रूप और महिमा से सबका चित्त अपनी ओर खींच लिया। देव-असुर सभी ने गुहार लगाई कि लक्ष्मी हमें मिलें। स्वयं इंद्र अपने हाथों पर उठाकर एक अद्भुत व अनूठा आसन लक्ष्मी को बैठने के लिए ले आए। उनकी कटि बहुत पतली थी। वक्षस्थल परस्पर सटे व उभरे हुए थे। उन पर चंदन और केसर का लेप लगा था। जब वे चलती थीं, तो उनकी पायजेब से मधुर ध्वनि प्रस्फुटित होती थी। ऐसे में ऐसा लगता था, मानो कोई सोने की लता इधर-उधर घूम रही है। इस लक्ष्मी को विष्णु ने अपने पास रख लिया।

समुद्र-मंथन में लक्ष्मी मिलीं, इसे हम यूं भी ले सकते हैं कि लक्ष्मी के मायने धन-संपदा या सोने-चांदी की विपुलता से भी होता है। समुद्र-मंथन के क्रम में जब देव-दानव समुद्र पार कर गए तो सबसे पहले हिरण्यकशिपु दैत्य को सोने की खदान मिली थी। इसे हिरकेनिया स्वर्ण-खान आज भी कहा जाता है। इस खदान पर वर्चस्व के लिए भी देव और असुरों में विवाद व संग्राम छिड़ा था। अंततः हिरण्यकशिपु का इस पर अधिकार माना गया, क्योंकि इसे ही यह खान दिखाई दी थी। इसे यूं भी कह सकते हैं, कि इस सोने की खान को खोजने में हिरणयकशिपु की ही प्रमुख भूमिका रही थी।

दरअसल लक्ष्मी के विलक्षण रूप का वर्णन प्रकृति के रहस्यों से भी जुड़े हैं। वैसे तो देवी लक्ष्मी के अनेक रूप हैं, परंतु उनका सर्वाधिक प्रचलित रूप वह है, जिसमें देवी पूर्ण रूप से खिले हुए पद्म-प्रसून पर अविचल मुद्रा में बैठी हुई हैं। उनके दोनों हाथों में नालयुक्त कमल हैं। साथ ही उनके दोनों तरफ कमल-पुष्प पर ही दो हाथी अपनी ऊपर उठाई सूंडों में घड़े लिए हुए लक्ष्मी का जल से अभिषेक कर रहे हैं। लक्ष्मी के इस रूप और इससे भिन्न रूपों का कौतुक-वृत्तांत रामायण से लेकर अधिकांश पुराणों में अंकित है।

इन लक्ष्मी का जलाभिषेक करते गजों से घनिष्ठ संबंध है। जब देवों ने असुरों के साथ मिलकर सागर-मंथन किया तो उसमें से चौदह प्रकार के रत्नों की प्राप्ति हुई। इन्हीं रत्नों में ऐरावत नाम का हाथी और लक्ष्मी भी थीं। समुद्र-मंथन से उत्पन्न होने के कारण लक्ष्मी और गज का जन्मजात संबंध स्वाभाविक है। लक्ष्मी को पृथ्वी के प्रतीक के रूप में भी माना गया है। इस नाते उन्हें भूदेवी भी कहा जाता है। वैसे भी विष्णु की दो पत्नियां थीं। एक लक्ष्मी और दूसरी पत्नी श्रीदेवी हैं। यजुर्देव में कहा भी गया है, 'श्रीष्च ने लक्ष्मी श्रीश्व पतन्यो।'

भूदेवी होने के कारण लक्ष्मी पृथ्वी की प्रतीक हैं। इस नाते गज जलद अर्थात मेघों के प्रतीक हैं। इसीलिए वर्षा पूर्व बादलों के गरजने की क्रिया को मेघ-गर्जना कहा जाता है। जब तक धरती पर बादल बरसते नहीं हैं, तब तक फसलों के रूप में अन्न-धान्य पैदा नहीं होते हैं। लक्ष्मी का जल से अभिषेक करते गजों का प्रतीक भी यही है कि गज बरसकर पृथ्वी को अभिसिंचित कर रहे हैं, जिससे पृथ्वी से सृजन संभव हो सके। इस कारण लक्ष्मी को सृजन की देवी भी कहा जाता है।

सौभाग्य लक्ष्मी को उपनिषद में सकल भुवन माता कहा गया है। सृजन अर्थात सृष्टि माता-पिता दोनों के संसर्ग से संभव है। अस्तु लक्ष्मी मातृशक्ति की और गज पितृषक्ति के प्रतीक हैं। गज को पुरुषार्थ का प्रतीक भी माना गया है। लक्ष्मी और गगन के समतुल्य गज संसार के माता-पिता माने जा सकते हैं। गज दिषाओं के प्रतीक भी हैं, इसलिए इन्हें दिग्गज भी कहा जाता है। इस कारण वे राज्य की चतुर्दिक सीमाओं के भी प्रतीक हैं। वैसे भी पुरातन काल में जो चतुरंगी सेनाएं हुआ करती थीं, उनमें गज-सेना भी होती थी, जो सीमांत प्रांतरों में चारों दिशाओं में तैनात रहती थी।

कमल पर आरूढ़ लक्ष्मी से कमल का गहरा व आत्मीय रिष्ता है। सृष्टि के कर्ता ब्रह्मा स्वयं कमलभव हैं, जो भगवान विष्णु की नाभि से प्रस्फुटित कमल पर ही विराजमान हैं। इसी कारण विष्णु को पद्मनाभ और पद्माक्षी कहा गया है। कमल पर बैठी होने के कारण लक्ष्मी को कमला भी कहा जाता है। कमल की यह विशेषता है कि वह कीचड़ में पैदा होने के पष्चात भी स्वच्छ है, स्वछंद है एवं निर्मल है। जल में जीवन-यापन करते हुए भी वह निर्लिप्त है। अनेक पांखुरियों से युक्त व खिला होते हुए भी वह एकात्मता का द्योतक है। कमल की जड़, नाल, पंखुड़ियां व बीज सब मानव उपयोगी हैं, इसलिए कमल को समष्टिगत गुणों वाले पुष्पों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। व्यष्टि में समष्टि का समन्वयात्मक संदेश देता हुआ कमल लोकमंगल का आवाहन कराता है, इसलिए ऋशि-मुनियों ने कमल को सांस्कृतिक प्रधानता व सर्वोच्चता की पहचान से निरुपित किया है।

लक्ष्मी का जल से अभिषेक करते हुए कलश, पूर्ण-कलश अर्थात लोक मंगलकारी कलशों के प्रतीक हैं। जल जीवन का आरंभिक उद्गम स्थल होने के साथ, जीवन का प्रमुख आधार भी है। जल से ही पद्म उत्पन्न हुआ है और पद्म से ब्रह्मा और ब्रह्मा से संपूर्ण सृष्टि। इसी कारण कलश को हिरण्यगर्भ की संज्ञा से विभूषित किया गया है। कलश के संदर्भ में सांस्कृतिक मान्यता है कि इसमें त्रिदेव अर्थात ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास है। कलश के मुख पर ब्रह्मा, ग्रीवा में शिव और मूल में विष्णु तथा मध्य में मातृगणों का निवास होता है। अर्थात ये सभी देव-गण कलष में प्रतिष्ठित होकर किसी मांगलिक कार्य को सकारात्मक गति देने का काम करते हैं। इस कारण कलश भी लक्ष्मी के समान ही सृष्टि और महाशक्ति का प्रतीक माना गया है।

मूर्ख और अशुभ का प्रतीक माने जाने के बावजूद उल्लू धन की देवी भगवती का वाहन है। हालांकि ऋग्वेद के श्री-सूक्त में वैभव की देवी लक्ष्मी की विस्तार से चर्चा है, लेकिन इस वृत्तांत में उल्लू को लक्ष्मी के वाहन के रूप में कहीं नहीं दर्शाया गया है। समुद्र-मंथन से लक्ष्मी तो प्रकट हुईं, लेकिन उल्लू के प्रकट होने का विवरण नहीं है। कहते हैं कि जब लक्ष्मी को धन की देवी के रूप में प्रतिष्ठा मिल गई, तो उनकी स्थान-स्थान पर पूजा होने लग गई। इस कारण उन्हें अलग वाहन की आवश्यकता अनुभव होने लगी। उन्हें भगवान विष्णु के व्यस्त रहने के कारण भी अपने उपासकों के पास जाने में विलंब होने लगा। ऐसे में लक्ष्मी के लिए ऐसे वाहन की खोज शुरू हुई, जो विष्णु के वाहन गरुड़ की तुलना में उड़ान भरने में दक्ष तो हो ही, रात में भी उड़ान भरने में समर्थ हो। क्योंकि लक्ष्मी के भक्त धन-वैभव की पूजा रात्रिकाल में ही दीपों की रोशनी में करते हैं। अब हम सब जानते ही हैं कि जीव-जगत के अधिकांश प्राणी रात में आहार-भक्षण के बाद निद्रा में लीन हो जाते हैं। केवल उल्लू ही रात में जागता है और आहार के लिए शिकार को भटकता है। गोया, निषाचर उल्लू रात में विचरण करने के कारण लक्ष्मी के वाहन के रूप में उपयुक्त ठहरा दिए गए और उल्लू लक्ष्मी के वाहन के रूप में उपयोग में आने लग गए। इन वृत्तांतों से भगवती लक्ष्मी के प्रकृति से जुड़े रूप का स्पष्ट आभास होता है।

सेहत संवारने में भी मददगार हैं आभूषण

आभूषणों को विशेष तौर पर व्यक्तित्व में आकर्षण व सौंदर्य बढ़ाने के मकसद से पहना जाता है। लेकिन इसके साथ ही वे अच्छा निवेश भी माने जाते हैं। इन वजहों के अलावा गहने पहनने के स्वास्थ्य लाभ भी कम नहीं हैं। सिर से पैर तक पहने जाने वाले गहनों के सेहत को अलग-अलग फायदे हैं। धनतेरस या दीपावली के अवसर पर कुछ धातुओं की खरीद शुभ मानी जाती है। ऐसे में आभूषणों की बात न चले ऐसा तो हो ही नहीं सकता। दरअसल, सभी महिलाएं गहनों से संवरना चाहती हैं। वैसे तो गहने शारीरिक सौंदर्य बढ़ाने व ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए ही पहने जाते हैं। मगर हमारी परंपरा में गहनों में कई अन्य प्रयोजन भी दिखाई पड़ते हैं। प्राचीन भारतीय ग्रंथों के मुताबिक, यदि कोई व्यक्ति स्वर्णाभूषण धारण करता है, तो वे उसे जीवन भर स्वस्थ रखने में मददगार होते हैं। दरअसल, पुराने समय से ही गहने पहनने के पीछे कई चिकित्सकीय कारण भी रहे हैं। आज, आमतौर पर बहुत कम लोगों को जानकारी है कि गहने सौंदर्य ही नहीं, सेहत भी संवारते हैं।

गहनों से शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में पर्याप्त तथ्य मिलते हैं। एक्यूप्रेशर और एक्यूपंक्चर, चिकित्सा पद्धति का प्रचलन पूरे विश्व में बढ़ रहा है। इस पद्धति की जानकारी जिन्हें है, उन्हें गहनों के चिकित्सकीय महत्व को जानना बहुत मुश्किल नहीं, सीधे-सीधे शब्दों में हमारे शरीर में कई ऐसे बिंदु होते हैं जिन पर दबाव डालने से कई विकार और रोग स्वतः ठीक हो जाते हैं। इन बिंदुओं को मर्मस्थल या मेरेडियन कहते हैं।

गहने शरीर के मर्मस्थलों के लिए उत्प्रेरक का कार्य करते हैं। सोना और चांदी जैसी मूल्यवान धातुएं ऊर्जा चालन एवं विकिरण की क्षमता रखती हैं। ये धातुएं शरीर के किसी विशेष मर्मस्थल की स्पंदन क्रिया के साथ उत्प्रेरक के रूप में जुड़ जाती हैं तो इनकी यह क्षमता ज्यादा असरदार हो जाती है। जानिये कौन से आभूषण का सेहत के दृष्टिकोण से कितना महत्व है-

गले में पहने जाने वाले गहने जैसे- हार, चेन जंजीर आदि का श्वास रोगों, भोजन नलिका और कंठ स्वर पर अच्छा असर होता है। इन गहनों का दबाव गर्दन के पिछले भाग में पड़ता है। वहां 'वैगस नर्व' नामक महत्वपूर्ण मर्मस्थल होता है।

कंगन, चूड़ी, दस्तबंद जैसे कलाई में पहने जाने वाले गहने श्वास रोग, हृदय रोग तथा मानसिक विकार कम करते हैं। आजकल आपने खिलाड़ियों को भी रिस्ट बैंड का प्रयोग करते देखा होगा। बाजूबंद जैसे कोहनी के ऊपर पहने जाने वाले गहने शरीर की रोग निवारक क्षमता बढ़ाते हैं। इनसे रक्तचाप ठीक रहता है, चर्म रोगों की आशंका घटती है व मस्तिष्क भी तनावमुक्त रहता है। तगड़ी या करधनी जैसे कमर के आभूषण मूत्र रोगों, प्रजनन अंगों की बीमारियों, कमर दर्द, यूटरस, संबंधी बीमारियों, फर्टिलिटी प्राब्लम्स, अनियमित पीरियड

आदि तकलीफों को रोकते हैं। साथ ही इनसे पेट का अनावश्यक रूप से बढ़ना व कमर का फैलना भी रुकता है। पायल, बिछुआ आदि पैरों के गहने गैस विकार, आंव रोग, पेचिश आदि रोगों से छुटकारा दिला सकते हैं। साथ ही पायल से एड़ियों में दर्द नहीं होता व बिछुआ से पैरों की अंगुलियों का रक्त संचार ठीक रहता है।

हाथ की अंगुलियों में पहना जाने वाला आभूषण अंगूठी बड़ा कमाल करती है। तर्जनी अंगुली में अंगूठी पहनना सिरदर्द से मुक्ति दिलाने में काफी मददगार है। मध्यमा की अंगूठी पहनना मानसिक तथा सीने के विकारों, अनामिका में रिंग पहनना कान के रोगों में तथा छोटी अंगुली में अंगूठी पहनना हृदय रोगों व छोटी आंत के रोगों में राहतकारी है।

हाथ के अंगूठे में कोई कसी हुई अंगूठी पहनी जाए तो श्वास रोग में आराम मिलता है। सिर व माथे के जेवर में बोरला प्रमुख माना जाता है। मान्यताओं के मुताबिक, मांग टीका (बोरला) पहनना दिमाग को शांत बनाए रखने में काफी मददगार माना जाता है।

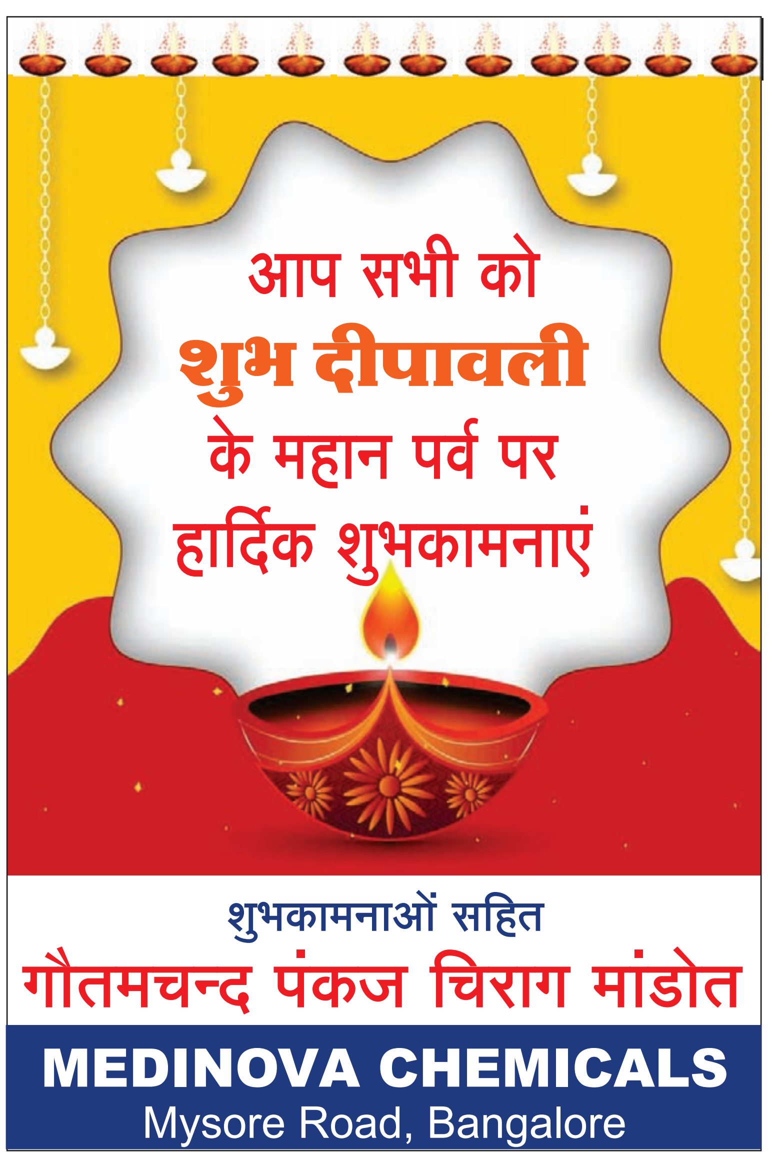

घर में दिखें ये शुभ संकेत तो समझिए होने वाली है धनवर्षा

हिंदू धर्म का सबसे प्रमुख और शुभ त्योहार है, जो इस बार 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। यह दिन कार्तिक अमावस्या का होता है, जब प्रभु श्रीराम, सीता माता और लक्ष्मण जी 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे। शास्त्रों के अनुसार, दीवाली से पहले कुछ विशेष संकेत दिखाई देना मां लक्ष्मी के आगमन का सूचक माना जाता है।

दीवाली न केवल प्रकाश का त्योहार है, बल्कि यह शुभता, समृद्धि और नए आरंभ का प्रतीक भी है। ज्योतिष और शास्त्रों में कहा गया है कि यदि दीपावली से पहले कुछ विशेष संकेत दिखाई दें, तो यह इस बात का संकेत होता है कि मां लक्ष्मी आपके घर आने वाली हैं। आइए जानते हैं ये शुभ संकेत कौन से हैं

दीवाली से पहले हर घर में सफाई की जाती है। यदि इस दौरान आपको मोर पंख मिलता है, तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, मोर भगवान विष्णु का प्रिय है और मोर पंख का मिलना इस बात का संकेत होता है कि भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा आपके घर पर बरसने वाली है। इससे घर में धन-धान्य की वृद्धि होती है।

यदि दीपावली से पहले आपके घर या आसपास उल्लू, छछूंदर, या काली चींटी दिखाई दे, तो इसे भी अत्यंत शुभ माना गया है। उल्लू माता लक्ष्मी का वाहन है, इसलिए इसका दिखना मां लक्ष्मी के आगमन का प्रतीक माना जाता है। काली चींटियों का आना घर में धन और अनाज की बरकत का सूचक होता है।

अगर दीवाली से पहले गाय माता आपके घर के द्वार पर आती है या अचानक उसके दर्शन होते हैं, तो यह भी मां लक्ष्मी के प्रसन्न होने का संकेत है। ऐसे में गाय को रोटी या गुड़ खिलाना बहुत ही शुभ फलदायक माना जाता है। कहा जाता है कि ऐसा करने से घर में सुख-शांति और ऐश्वर्य बढ़ता है।स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि दीपावली से पहले आपको सपने में मंदिर, शंख, ॐ या किसी देवी-देवता के दर्शन हों, तो यह संकेत है कि निकट भविष्य में आपको धनलाभ और मां लक्ष्मी की कृपा मिलने वाली है। खासकर मंदिर में प्रवेश करने का सपना अत्यंत शुभ माना जाता है। दीवाली से पहले यदि अचानक घर में मन प्रसन्न रहने लगे, परिवार में सौहार्द बढ़े या सुगंधित वातावरण महसूस हो, तो यह भी लक्ष्मी आगमन का संकेत है। माना जाता है कि इस समय देवी स्वयं आपके घर प्रवेश की तैयारी करती हैं। दीवाली से पहले इन शुभ संकेतों का दिखाई देना केवल एक संयोग नहीं, बल्कि दैवी संकेत माना गया है। इसलिए यदि आपके आसपास ऐसे लक्षण दिखें, तो उन्हें शुभ मानते हुए श्रद्धा के साथ मां लक्ष्मी की आराधना करें।

दीपावली के हर्षोल्लास संग रखें सेहत का भी ध्यान

दिवाली के पावन उत्सव को उल्लास के साथ मना लें और बाद में सेहत को लेकर कोई परेशानी भी न हो- इसके लिए कुछ एहतियात रखने व उपाय करने जरूरी हैं। खासकर खानपान पर नियंत्रण रखा जाए व प्रदूषण से अपना बचाव करें। वहीं पार्टी आदि में ओवरइटिंग न करें। साथ ही व्यायाम व खुराक का भी ध्यान रखें। इस बारे में दिल्ली स्थित मणिपाल अस्पताल में जनरल फिजीशियन डॉ. चारू गोयल से रजनी अरोड़ा की बातचीत। रोशनी, आतिशबाजी और मिठाइयों का प्रतीक दिवाली का त्योहार अमूमन सभी के जीवन में हर्षोल्लास लेकर आता है। वहीं लापरवाही बरतने की वजह से कई लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सबब भी बन सकता है। भले ही इसके पीछे कई वजह रहती हैं जैसे- बदलता मौसम, वातावरण में बढ़ता प्रदूषण, अव्यवस्थित जीवनशैली, खानपान में बदलाव, मिठाइयों का सेवन व बेइंतहा आतिशबाजी। इन सब पर ध्यान दिया जाए, तो परेशानियों से बचा जा सकता है -

सेलिब्रेट करें ग्रीन दिवाली

दिवाली पर छोटे-बड़े सभी बड़े उत्साह से पटाखे चलाते हैं। जलाने पर इनकी 60 डेसिबल से ज्यादा की कानफोड़ आवाज, इनसे निकले धुएं में प्रदूषक तत्वों के छोटे-छोटे कण और जहरीली गैसें मौजूद रहती हैं जो सेहत के लिए नुकसानदायक होती हैं। इसलिए कोशिश करें कि ग्रीन दिवाली सेलिब्रेट करें। ग्रीन पटाखों से धुआं और शोर दोनों ही कम होता है जिससे आप खुद का और पर्यावरण का बेहतर तरीके से ख्याल रख सकते हैं।

माइंडफुल इटिंग करें

माइंडफुल इटिंग हमें ओवरइटिंग से बचाती है। खाना कितना भी स्वादिष्ट क्यों न हो ,उतना ही खाएं जितनी भूख हो। स्वाद के चक्कर में ओवरइटिंग बिल्कुल भी न करें। ओवर इटिंग की वजह से पेट से संबंधित कोई भी समस्या हो सकती है। जो भी खाएं उसे अच्छी तरह से चबाकर और भरपूर स्वाद लेकर खाएं। जैसे ही आपका माइंड पेट भरने का संकेत दे आप खाना बंद कर दें।

डाइट प्लान करें

त्योहारों में हेल्दी रहने के लिए जरूरी है खाने-पीने की थोड़ी प्लानिंग करके चलना। एक-साथ भरपेट न खाएं। थोड़े-थोड़े अंतराल पर खाते रहें। नाश्ता करना बिल्कुल न भूलें। अगर आप सुबह के समय पौष्टिक नाश्ता करेंगे तो इससे आपको दिन भर काम करने के लिए भरपूर एनर्जी भी मिलेगी और पेट भरा होने के चलते लंच से पहले कुछ खाने का मन भी नहीं करेगा।

डाइट का रखें ख्याल

त्योहार पर एंजॉय करने और फिट रहने के लिए संतुलित आहार लें। लो-फैट, लो-शुगर और लो-सोडियम वाली चीजों का सेवन करें। यथासंभव फाइबर,प्रोटीन युक्त पदार्थ अधिक शामिल करें। खाने में सलाद व फल जरूर लें। ये आपको एनर्जी देंगे और भूख को कंट्रोल रखेंगे। ऑयली फूड खाने से परहेज करें। ताकि कोलेस्ट्रॉल, बीपी या दूसरी समस्याएं होने के रिस्क से बचे रहें। जरूरी नहीं है कि हर त्योहार पर तले हुए व्यंजन ही बनाएं। अपनी और अपने परिवार की सेहत को ध्यान में रखते हुए लो-कैलोरी रेसिपीज भी आप अपने मेन्यू में शामिल कर सकते हैं जैसे तली चाट की बजाय फ्रूट चाट बनाएं, अंकुरित दालों के कबाब और अन्य व्यंजन बनाए जा सकते हैं। जो खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं। बेक या ग्रिल फूड आइटम खाना बेहतर ऑप्शन हैं।

मिठाइयों का सेवन जरा संभल कर

त्योहार अधूरा लगने के बावजूद सेहतमंद रहने के लिए मिठाइयों का सेवन सीमित मात्रा में करना बेहतर है। ज्यादा मिठाई खाने से आपका वजन बढ़ सकता है। संभव हो तो दिवाली के मौके पर बाजार से लाने के बजाय घर पर खुद मिठाई बनाएं। होममेड मिठाइयां गुणवत्ता के लिहाज से तो खरी होंगी ही, उनमें मिलावट का अंदेशा भी नहीं होगा।

दिवाली की भाग दौड़ में कामकाज इतना ज्यादा रहता है, इतने सेलिब्रेशंस होते रहते हैं कि लोग खुद को हाइड्रेटेड नहीं रख पाते और पानी कम पीते हैं। कोशिश करें कि पानी पर्याप्त पीएं क्योंकि जितना आप पानी पीएंगे उतनी ही आपके शरीर से गंदगी बाहर निकलेगी। दिन में 8-10 गिलास पानी जरूर पीएं। कोल्ड ड्रिंक्स, जूस पीने के बजाय नींबू पानी, नारियल पानी या लस्सी पीना बेहतर है। इससे फेस्टिव सीजन में होने वाली भागदौड़ की वजह से लो-एनर्जी या थकान दूर होगी, डिहाइड्रेशन से बचाव होगा और शरीर डिटॉक्स भी होगा।

कई बार जल्दबाजी में पटाखे जलाने के बाद हम लोग कुछ खा लेते हैं, जो पाचन-तंत्र को नुकसान पहुंचाने के साथ शरीर को भी हानि पहुंचा सकते हैं। बचाव के लिए जरूरी है कि अपने हाथों को अच्छी तरह धोने के बाद ही कुछ खाएं। यदि आप त्योहार के समय अपने किसी दोस्त या रिश्तेदार के यहां खाने पर गए हैं तो जरूरी नहीं कि आप उनके जबर्दस्ती करने पर पेट भरा होने पर भी खाएं। आप अपनी सेहत को ध्यान में रखते हुए शिष्टाचारपूर्ण तरीके से ज्यादा खाने से मना करें। इससे उन्हें बुरा भी नहीं लगेगा।

त्योहार के दौरान अपने एक्सरसाइज शेड्यूल में खलल न पड़ने दें। थोड़ा समय जरूर निकालें। इससे आप तनावमुक्त और एक्टिव रहेंगे। वातावरण प्रदूषण से बचने के लिए बाहर जाने के बजाय घर पर एक्सरसाइज, योग या वॉक करना बेहतर है। अगर दिवाली पार्टी का प्लान है, तो थोड़ा सचेत रहें। घर से निकलने से पहले पौष्टिक आहार ले लें। इससे आप अनावश्यक और अनहेल्दी फूड ही नहीं, एल्कोहल पीने से भी बचेंगे। त्योहारों के दौरान देर रात तक जागना आम बात है, लेकिन यह हमारे शरीर की ऊर्जा को प्रभावित कर सकता है। दिवाली की भागदौड़ और त्योहार मनाने की खुशी में नींद को अनदेखा न करें। रात को 7-8 घंटे की भरपूर नींद जरूर लें। ताकि मूड स्विंग, चिड़चिड़ापन जैसी समस्याएं न हों। सोने से पहले डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें या फिर रिलैक्स होने के लिए अपना पसंदीदा म्यूजिक सुनें या किताब पढ़ें।

कंट्रोल करने के बावजूद दिवाली के मौके पर खानपान ज्यादा हो ही जाता है। बैलेंस बनाने के लिए दिवाली के बाद दिन में 2-3 बार डिटॉक्स ड्रिंक्स (नींबू पानी, नारियल पानी, अदरक और शहद का पेय) पीना फायदेमंद रहता है। जो शरीर में अवशोषित होने वाले अतिरिक्त फैट को निकालने और वजन नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

Dhanteras SALE

ADISHWAR ELECTRO WORLD®
gadget for every budget!

GET UPTO ₹ 25,000/- INSTANT CASH BACK ON CREDIT & DEBIT CARD EMI

GET UPTO ₹ 15,000/- UPI MONEY BACK
ON BAJAJ FINSERV PURCHASE
BANK TRANSFER | PAY

LOWEST DOWNPAYMENT & SMALLEST EMI

HOTTEST DEALS ON BIGGER SCREENS

QLED 100 inch
FESTIVAL PRICE ₹ 2,99,990/-

QLED 85 inch
FESTIVAL PRICE ₹ 1,64,990/-

QLED 75 inch
FESTIVAL PRICE ₹ 79,990/-

QLED 65 inch
FESTIVAL PRICE ₹ 57,990/-

QLED 55 inch
FESTIVAL PRICE ₹ 38,990/-

SONY
BRAVIA 2 | 4K ULTRA HD
75
EMI ₹ 2,490/-
UPTO ₹ 5,000/- INSTANT CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
LOW DOWNPAYMENT LOW EMI

LG Life's Good
QNED AI TV
75
EMI ₹ 1,994/-
UPTO ₹ 7,500/- INSTANT CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
LOW DOWNPAYMENT LOW EMI

Haier
4K ULTRA HD
75
EMI ₹ 2,994/-
UPTO ₹ 8,000/- INSTANT CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
LOW DOWNPAYMENT LOW EMI

Panasonic
UHD 4K
55
EMI ₹ 3,499/-
UPTO ₹ 5,000/- INSTANT CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
LOW DOWNPAYMENT LOW EMI

LG Life's Good
SIDE BY SIDE REFRIGERATOR
650 Ltr.
UPTO ₹ 15,000/- CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
EMI ₹ 3,999/-

Haier
SIDE BY SIDE
3 DOOR REFRIGERATOR
598 Ltr.
HOTTEST DEAL
UPTO ₹ 10,000/- CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
SPECIAL PRICE ₹ 74,990/-

Whirlpool
INTELLIFRESH PRO REFRIGERATOR
327 Ltr.
UPTO ₹ 2,000/- CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
EMI ₹ 2,990/-

Haier
BMR REFRIGERATOR
445 Ltr.
BIGGER Capacity
UPTO ₹ 10,000/- CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
EMI ₹ 1,994/-

Godrej
FROST FREE REFRIGERATOR
234 Ltr.
UPTO ₹ 2,000/- CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
EMI ₹ 2,990/-

LG Life's Good
FRONT LOAD WASHING MACHINE
12 / 7 Kg
UPTO ₹ 7,000/- CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
EMI ₹ 2,999/-

Haier
FRONT LOAD WASHING MACHINE (WI-FI)
11 Kg
UPTO ₹ 7,000/- CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
EMI ₹ 1,994/-

Whirlpool
FRONT LOAD WASHING MACHINE
9 Kg
UPTO ₹ 4,500/- CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
EMI ₹ 2,990/-

DISH WASHER
LG Life's Good IFB
UPTO ₹ 3,000/- CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
EMI ₹ 3,290/-

FRONT LOAD 7.5 Kg WASHING MACHINE
LG Haier Whirlpool Godrej IFB
UPTO ₹ 2,000/- CASH BACK ON YOUR CREDIT CARD EMI
EMI ₹ 999/- ONWARDS

BIGGEST DEALS ON KITCHEN APPLIANCES

Pigeon
MIXER GRINDER
750 WATTS
SPECIAL PRICE ₹ 2,490/-

Pigeon Preethi Butterfly FABER
LPG GAS STOVE
3 BURNER ₹ 3,490/-
4 BURNER ₹ 4,290/-

VL
VIJAYALAKSHMI WET GRINDER 2 Ltrs.
SPECIAL PRICE ₹ 3,490/-

Pigeon
CHIMNEY COMBO
55% DISCOUNT
NEBULA CHIMNEY 60 CM + AYUSH 4 BR
MRP ₹ 22,089/-
SPECIAL PRICE ₹ 9,990/-

EUREKA FORBES AO Smith HAVELLS LG pureit Livpure
RO WATER PURIFIER
SPECIAL PRICE ₹ 12,990/- ONWARDS

Haier AO Smith HAVELLS V-GUARD
WATER HEATER
FREE INSTALLATION
3 LITRES ₹ 3,290/-
15 LITRES ₹ 6,990/-
25 LITRES ₹ 7,790/-

Terms & Condition apply*. Finance @ the sole discretion of the finance companies. Conditions apply. Images are indicative only. Cash Back applicable on selected brands.

BENGALURU

NEW MALLATHALLI Mallathalli Ullal Main Road, Opp. Mangalore Institute of Management & Science Ph : 9686680760 / 9686680842

BAGALURU Bagaluru Main Road, Nxt to Brindavan College, Ph : 080-35712968 / 35712969 / 9731306702

BIDADI Kenchanguppe Gate, Opp. HDFC Bank, Bangalore - Mysore Highway. Ph : 7702203254

KONANAKUNTE Opp. to Soudhamini Chowltry, Nxt to Police Station Ph :9731306531

BEGUR # 80, Hongasandra, Opp. Royal Concorde School, Bangalore. Ph : 080- 41499467 / 41625433, Mob : 9731306604

R.T NAGAR Opp. Police Station 080-23559977 / 9731307264

HOSKOTE Next to Govt. Womens College. Ph: 9731306767

HENNUR MAIN ROAD Diagonally Opp. to D'Mart. Ph : 48651500, 9731306571

UTTARAHALLI Uttarahalli Main Road Near HDFC Bank. 080-49587474 Ph : 9731306547

WHITEFIELD Ramagondanahalli, Next to Udupi Delicacy Hotel. Ph: 080-40984677 9513499851

YELAHANKA New Town, Sharavathi Road, Next to SBI Bank. Ph: 9731306685

HEBBAGODI Attibeli Hobli, Near Church, Opp. Biacon. Ph: 27849941 9731307257

HEGGANAHALLI Peenya 2nd Stage, Vishwaneedum PO, Main Road. Ph: 9591997257, 080-28366565 / 66

MAHADEVPURA Whitefield Main Road, Next to Brand Factory Close to Phoenix Marketcity, Ph : 080-48148975, 9148151731

KENGERI 80Ft. Rd., Near Shirke Apts., Ph: 9731306634

VIJAYANAGAR MC Layout, Chord Rd., Near Metro Station. Ph: 9731306631

MARATHALLI Opp. Park Plaza. Ph:9731306703, 080-42200050

MATHIKERE Bombay Dyeing Road Ph : 080-40974968 9731306641

HSR LAYOUT 1st Sector, Dia. Opp to ICICI Bank Ph : 9731306550

BANASHANKARI Opposite to Big Bazar Ph : 080-26691262 97313066606

JAYANAGAR 40th Cross, 9th Main Ph : 080-26541050/51 9731306617

CHANDRA LAYOUT Near Water Tank. 9731306558, 080-41503359

NAGARBHAVI 6th Block, 2nd Stage, Opp. BDA Complex. Ph: 9731306616

CHANNASANDRA Uttarahalli Main Road, Near RNSIT. Ph: 28613065 9731306766

THANISANDRA King Space Meadows Apt., Nr. Railway Track Underpass Ph : 9731306763

SUNKADAKATTE Janapriya Commercial Complex, Magadi Road, Ph : 080-23288940 / 942 9686680764

RAJAJINAGAR Opp. Diacon Hospital 080-23134692 Ph : 9731306570

VIDYARANYA PURA Opp. BWSSB 080-41721897 / 861 Ph : 9731306614

HRBR LAYOUT Surya Plaza, Opp. Joyalukkas Kammanahalli Main Road 9731306596

RAMMURTHY NAGAR Opp. MORE. Ph: 8861007307 080-41638612 / 13

PUTTENAHALLI Dia. Opp. to Brigade Millenium. Ph: 9591997265 080-40954615 / 16

HULIMAVU Near ShivSagar Hotel Ph : 9731306625 080-26483425

RAJAJINNAGAR PREMIUM STORE Next to Cake Palace Ph : 41610910 / 9731306537

LG SHOPPE MARATHALLI Ph: 080-42197907/08, 8861002259

LG SHOPPE RAJAJINAGAR Ph : 9731306671

LG SHOPPE RAJARAJESHWARI NAGAR Ph: 9591997261

PEENYA T-DASARAHALLI Santosh Enclave, Land Mark Old Reliance Bldg. Ph: 9731306684 / 9731306572 080-28393199 / 28394199

Regd. Off: M/s ADISHWAR INDIA LIMITED, #85, 59th Cross, 4th Block, Rajaji Nagar, Bangalore - 560010. Tel: 080-40733999, CIN: U51909KA1997PLC021681

• 0% Interest • Free Delivery • Exchange Offers • Spot Finance • Major Credit Cards Accepted • Home Delivery only within City Limits • 0% Interest, Offers, Free Gifts depends on Brands & Selective Models • Products shown here are only indicative • Exchange Rates are subject to evaluation • Offers valid till stocks last • Products available without the offers also • Spot finance is available from Bajaj Finance • Terms & Conditions apply • Finance at the sole discretion of the financiers • Offers not applicable on Sony & Samsung.

HELPLINE 080 - 408 33 999

Shop Online @ www.adishwarestore.com
For Trade Enquiry sales@adzen.co.in